



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-30072021-228621
CG-DL-E-30072021-228621

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 212]
No. 212]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 30, 2021/श्रावण 8, 1943
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 30, 2021/SHRAVANA 8, 1943

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अंतिम जांच परिणाम

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2021

(मामला सं. एडीडी-एसएसआर-24/2020)

विषय: चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “आयरन, अलॉय या गैर-अलाय स्टील से सीमलेस ट्यूब्स, पाइप्स और होलो प्रोफाइल” के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की निर्णायक समीक्षा।

फा. सं. 7/43/2020- डीजीटीआर.—समय-समय पर यथा संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे बाद में “अधिनियम” भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे यहां “नियमावली” भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए:

क. मामले की पृष्ठभूमि

- निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे “प्राधिकारी” भी कहा गया है) को मै. आईएसएमटी लिमिटेड और मै. जिंदल साँ लिमिटेड (जिन्हें आगे ‘आवेदक’ भी कहा गया है) से एक आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित आयरन, अलॉय या गैर-अलाय स्टील से सीमलेस ट्यूब्स, पाइप्स और होलो प्रोफाइल (जिसे आगे संबद्ध वस्तु या विचाराधीन उत्पादन भी कहा गया है) के आयातों पर पहले से लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है।

3. चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित आयरन, अलॉय या गैर-अलाय स्टील से सीमलेस ट्यूब्स, पाइप्स और होलो प्रोफाइल (कास्ट आयरन और स्टेनलेस स्टील से इतर) चाहें हॉट फिनिश हों या कोल्ड ड्रोन या कोल्ड रोलड हों, जिनका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14 इंच "ओडी" से अधिक न हों, के आयातों के संबंध में मूल जांच 8 जुलाई, 2015 को शुरू की गई थी ताकि पाटन के स्वरूप और विस्तार तथा घरेलू उद्योग पर उसके क्षतिकारी प्रभाव की जांच की जा सके। प्राधिकारी ने दिनांक 31 मार्च, 2016 के अपने प्रारंभिक जांच परिणाम सं. 142/2015-डीजीएडी द्वारा संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के विरुद्ध अनंतिम शुल्क लगाने की सिफारिश की थी, जिसे सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 18/2016-सीमा शुल्क (एडीडी) दिनांक 17 मई, 2016 द्वारा लगाया गया था। तत्पश्चात, प्राधिकारी ने अपने अंतिम जांच परिणाम सं. 14/2/2015-डीजीएडी दिनांक 9 दिसंबर, 2016 द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी, जिसे सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 07/2017-सीमा शुल्क (एडीडी) दिनांक 17 फरवरी, 2017 द्वारा लगाया गया था। इस शुल्क की अवधि 31 अक्तूबर, 2021 को समाप्त हो जाएगी।
4. अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार लागू पाटनरोधी शुल्क को यदि पहले न हटाया जाए तो उन्हें लागू करने की तारीख से 5 वर्ष की समाप्ति पर निष्प्रभावी हो जाता है और प्राधिकारी के लिए यह समीक्षा करना अपेक्षित है कि क्या पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने से पाटन और क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। इसके अलावा नियमावली के नियम 23(1ख) में निम्नानुसार व्यवस्था है:
"किसी बात के होते हुए भी अधिनियम के अंतर्गत लगाया गया कोई निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क उसके लगाए जाने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक प्रभावी रहेगा बशर्ते निर्दिष्ट प्राधिकारी उक्त अवधि से पूर्व अपनी खुद की पहल पर या घरेलू उद्योग की ओर से किए गए विधिवत् पुष्टिकृत अनुरोध के आधार पर उक्त अवधि समाप्त होने से पूर्व उचित अवधि के भीतर इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि उक्त शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।"
5. उपर्युक्त के अनुसार प्राधिकारी के लिए घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से किए गए विधिवत् रूप से साक्ष्यांकित अनुरोध के आधार पर यह समीक्षा करना अपेक्षित है कि क्या पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से पाटन और क्षति के जारी रहने या उनकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।
6. आवेदकों ने पहले से लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा करने और चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित आयरन, अलॉय या गैर-अलाय स्टील से सीमलेस ट्यूब्स, पाइप्स और होलो प्रोफाइल (कास्ट आयरन और स्टेनलेस स्टील से इतर) चाहें हॉट फिनिश हों या कोल्ड ड्रोन या कोल्ड रोलड हों, जिनका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14 इंच "ओडी" से अधिक न हों, के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की मांग रखते हुए एक आवेदन दायर किया है। यह अनुरोध इन तर्कों पर आधारित था कि उपाय की समाप्ति से संबद्ध वस्तु के पाटन और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति की संभावना है।
7. घरेलू उद्योग की ओर से पाटन और क्षति की संभावना के प्रथम दृष्टया साक्ष्य सहित दायर विधिवत् रूप से साक्ष्यांकित आवेदन के मद्देनजर और नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार प्राधिकारी ने अधिसूचना सं. 7/43/2020-डीजीटीआर दिनांक 19 फरवरी, 2021 के माध्यम से निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत की ताकि संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के संबंध में पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा की जा सके और इस बात की जांच की जा सके कि क्या उक्त शुल्कों की समाप्ति से पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने या उनकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।
8. यह जांच समाप्त होने तक लागू पाटनरोधी शुल्क की अवधि को अधिसूचना सं. 29/2021-सीमा शुल्क (एडीडी) दिनांक 7 मई, 2021 द्वारा 31 अक्तूबर, 2021 तक बढ़ा दिया गया था।

ख. प्रक्रिया

9. इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:
 - i. प्राधिकारी ने संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के विरुद्ध निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत करते हुए, अधिसूचना सं. 7/43/2020 दिनांक 19 फरवरी, 2021 द्वारा भारत के राजपत्र असाधारण में एक सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की।

- ii. इस सार्वजनिक सूचना की एक प्रति प्राधिकारी द्वारा भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, ज्ञात आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार संबद्ध जांच की शुरुआत से उन्हें सूचित करने हेतु भेजी गई थी।
- iii. प्राधिकारी ने संबंधित नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय अंश की एक प्रति ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावास के ज़रिए उनकी सरकार और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अनुरोध करने पर भेजी थी। आवेदन के अगोपनीय अंश की एक प्रति सार्वजनिक फाइल में भी रखी गई थी और अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी।
- iv. प्राधिकारी ने निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत वाली सार्वजनिक सूचना की एक प्रति संबद्ध देश में ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भेजी थी और नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार जांच शुरुआत अधिसूचना में विहित समय-सीमा या बढ़ाई गई समय-सीमा के भीतर विहित प्रपत्र और ढंग से प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने और अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने का अवसर उन्हें दिया।
- v. प्राधिकारी ने निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को अधिसूचना की प्रतियां भेजी थी:
 - क. अनहुई तियांडा ऑयल पाइप कं. लिमिटेड
 - ख. बाओशान आयरन ऐंड स्टील कं. लिमिटेड
 - ग. जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूब लिमिटेड कं.
 - घ. चाइना नेशनल पेट्रोलियम कारपोरेशन
 - ङ. डालीपाल पाइप कंपनी
 - च. हेबेईहोंगलिंग सीमलेस स्टील पाइप्स कं. लिमिटेड
 - छ. हेइलॉंगजियांग जियानलॉंग आयरन ऐंड स्टील कं. लिमिटेड
 - ज. इनर मोंगोलिया बाओटोउ स्टील यूनियन कं. लिमिटेड
 - झ. जियांग्सु चांगबाओ प्रिसिजियन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड
 - ञ. जियांग्सु चेंगडे स्टील ट्यूब शेयर कं. लिमिटेड
 - ट. जियांग्सु हुआचेंग इंडस्ट्री ग्रुप कं. लिमिटेड
 - ठ. किर्तनलाल इंटरनेशनल
 - ड. मेरटेक्स यूके लिमिटेड
 - ढ. नार्थ चाइना पेट्रोलियम स्टील पाइप कं. लिमिटेड
 - ण. पांगैग ग्रुप चेंगडु आयरन ऐंड स्टील कं. लिमिटेड
 - त. पांगैग ग्रुप चेंगडु स्टील ऐंड वनाडियम कंपनी लिमिटेड
 - थ. शानडोंग मोलॉंग पेट्रोलियम मशीनरी कं. लिमिटेड
 - द. शेंगली ऑयल फेल्ड फ्रीट पेट्रोलियम स्टील पाइप कं. लिमिटेड
 - ध. सुझोउ सीमलेस स्टील ट्यूब वर्क्स
 - न. ताइकांग जिनबाओवी स्टील पाइप मैनुफैक्चर कं. लिमिटेड
 - प. तियानजिन पाइप (ग्रुप) कारपोरेशन
 - फ. वुक्सी डेक्सिन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड
 - ब. वुक्सी डोंगवु पाइप इंडस्ट्री कं. लिमिटेड

- भ. जिगांग सीमलेस स्टील पाइप कंपनी लिमिटेड
- म. यांगझोऊ लोनट्रिन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड
- य. यानतईलुबाओ स्टील पाइप कं.
- कक. झांगजियांगंग युवांग पाइप प्रोड्यूसिंग कं. लिमिटेड
- vi भारत में संबद्ध देश के दूतावास के ज़रिए उसकी सरकार से उनके देश के निर्यातकों/उत्पादकों को विहित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह देने का अनुरोध भी किया गया था।
- vii. चीन जन.गण. के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है:
- क. चांगझोऊ चांगबाओ प्रिसिजियन एंड स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड
- ख. हेंगयांग स्टील ट्यूब ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेडिंग आईएनसी.
- ग. हेंगयांग वलिन एमपीएम कं. लिमिटेड
- घ. हेंगयांग वलिन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड
- ड. जियांग्सु चेंगबाओ प्रिसिजियन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड
- च. जियांग्सु चेंगबाओ स्टील ट्यूब लिमिटेड कं.
- छ. जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूबलर्स कारपोरेशन
- ज. जियांग्सु चेंगडे स्टील ट्यूब शेयर कं. लिमिटेड
- झ. ताइझोऊ चेंगडे स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड
- viii. 6(4) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं से आवश्यक सूचना मंगाने के लिए अधिसूचना की एक-एक प्रति भेजी थी:
- क. भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड
- ख. भारत एंटरप्राइजेज
- ग. भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड
- घ. एंड्रूरेस टेक्नोलॉजिज प्राइवेट लिमिटेड
- ड. फाग बियरिंग इंडिया लिमिटेड
- च. जी.बी. इंजीनियरिंग एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड
- छ. गजानन ट्यूब्स
- ज. गांधी स्पेशल ट्यूब्स लिमिटेड
- झ. हाइ-टेक इंजी. कारपोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- ञ. एचएमईएल
- ट. इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड
- ठ. इंडस्ट्रियल मेटल कारपोरेशन
- ड. जेआर सीमलेस प्राइवेट लिमिटेड
- ढ. किशोर वाडीलाल प्राइवेट लिमिटेड
- ण. मद्रास स्टील्स एंड ट्यूब्स
- त. महा फिटिंग प्राइवेट लिमिटेड

- थ. मराठवाडा ऑटो कोम्पो प्रा. लिमिटेड
- द. मेटालिका मेटल इंडिया
- ध. मुरुगन स्टील्स ऐंड ट्यूब्स
- न. नार्दर्न स्टील ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड
- प. प्रवीन इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
- फ. रायगड प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड
- ब. राने (मद्रास) लिमिटेड
- भ. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- म. आरएसबी ट्रांसमिशन (आई) लिमिटेड
- य. एस.एस. इंजीनियर्स
- कक. समीर मेटल्स ऐंड ट्यूब्स
- खख. श्री श्याम ट्रेडिंग कंपनी
- गग. सिस्टन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- घघ. टेक्नोटैक
- इइ. ट्यूब्स इंडिया
- चच. विभोर स्टील ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड
- छछ. विनायक ट्यूब्स
- जज. विप्रो लिमिटेड
- ix. वर्तमान जांच में किसी भी आयातक/प्रयोक्ता ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।
- x. निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने जांच शुरुआत अधिकसूचना के उत्तर में अपने अनुरोध प्रस्तुत किए हैं:
- क. एवरेस्ट कांतो सिलेंडर लिमिटेड
- ख. रामा सिलेंडर प्रा. लिमिटेड
- xi. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि(पीओआई) 1 अप्रैल, 2019 से 30 सितंबर, 2020 (18 महीने) की है। क्षति विश्लेषण अवधि में अप्रैल 2016-मार्च, 2017, अप्रैल 2017-मार्च 2018, अप्रैल 2018 – मार्च 2019 और जांच की अवधि शामिल है।
- xii. जांच अवधि और पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए सौदा-वार आयात आंकड़े वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय(डीजीसीआईएंडएस) से प्राप्त हुए थे। प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा और मूल्य के परिकलन में डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर भरोसा किया है।
- xiii. आवेदकों से आवश्यक समझी गई सीमा तक अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त आंकड़ों का वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था।
- xiv. घरेलू उद्योग ने अपने चार्टर्ड/कोस्ट एकाउंटेंट द्वारा विधिवत रूप से सत्यापित वित्तीय आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। क्षति-रहित कीमत (एनआईपी) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार और सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों(जीएएपी) और नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टम उत्पादन लागत और उसे बेचने की लागत के आधार पर की गई है। इस क्षति-रहित कीमत पर यह ज्ञात करने हेतु विचार किया गया है कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

- xv. नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने विडियो कान्फ्रेंसिंग के ज़रिए 22 जून, 2021 को हुई मौखिक सुनवाई में हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से उनके विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया। मौखिक रूप में अपने विचार रखने वाले पक्षकारों से मौखिक रूप में व्यक्त विचारों को और खंडनों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया।
- xvi. इस जांच में अनिवार्य तथ्यों वाले एक प्रकटन विवरण जिसमें अंतिम जांच परिणाम के आधार शामिल थे, को 22.7.2021 को हितबद्ध पक्षकारों के लिए जारी किया गया था और हितबद्ध पक्षकारों को उस पर टिप्पणी करने के लिए 28.07.2021 तक का समय दिया गया था। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन संबंधी टिप्पणियों पर इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में संगत समझी गई सीमा तक विचार किया गया है।
- xvii. जांच की प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों दिए गए तर्कों और सूचनाओं पर उनके साक्ष्य द्वारा समर्थित होने और वर्तमान जांच से संगत होने की सीमा तक अंतिम जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा समुचित रूप से विचार किया गया है।
- xviii. जांच की प्रक्रिया के दौरान प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना, जो इस अंतिम जांच परिणाम का आधार है, की सत्यता से संभव सीमा तक स्वयं को संतुष्ट किया है और घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त आंकड़ों/दस्तावेजों को उनके संगत और आवश्यक होने की सीमा तक सत्यापित किया है।
- xix. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त सूचना की गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां आवश्यक हो, गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को इसका प्रकटन नहीं किया है।
- xx. जहां संभव हो गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय अंश प्रस्तुत करने का निदेश दिया गया था।
- xxi. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने सूचना देने से मना किया है या जांच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना नहीं दी है या जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकार को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने अंतिम जांच परिणाम दर्ज किए हैं।
- xxii. इस अंतिम जांच परिणाम में **** चिन्ह हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमावली के अनुसार प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को दर्शाता है।
- xxiii. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 अमरीकी डॉलर = 73.17 रुपए है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

10. चूंकि वर्तमान एक निर्णायक समीक्षा जांच है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद का दायरा मूल जांच के समान ही रहेगा। मूल जांच में प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई उत्पाद नियंत्रण संख्याएं (पीसीएन) नीचे तालिका में हैं और ये वर्तमान जांच में भी समान रहेंगी।

| पीसीएन | पीयूसी का वर्णन |
|--------|--|
| ए-1-1 | एक प्रकार की सीमलेस ट्यूबिंग, जिसका प्रयोग तेल या गैस की ड्रिलिंग में होता है, कार्बन/गैर अलाय/अलॉय, हॉट फिनिश या कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोलड जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो |
| ए-1-2 | एक प्रकार की सीमलेस केसिंग, जिसका प्रयोग तेल या गैस की ड्रिलिंग में होता है, कार्बन/गैर अलाय/अलॉय, हॉट फिनिश या कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोलड जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो। |
| ए-1-3 | सीमलेस मदर होलोस, कपलिंग स्टॉक, ब्लैंक/पप ज्वाइंट, कार्बन/गैर अलाय/अलॉय, हॉट |

| | |
|-------|---|
| | फिनिशड या कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोलड जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो। |
| ए-1-4 | एक प्रकार का सीमलेस डिल पाइप, जिसका प्रयोग तेल या गैस की ड्रिलिंग में होता है, कार्बन/गैर अलाय, हॉट फिनिशड जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो। |
| ए-1-5 | एक प्रकार की सीमलेस ट्यूब, पाइप और होलो प्रोफाइल्स जिनमें कार्बन/गैर अलाय स्टील के लाइन पाइप शामिल हैं, हॉट फिनिशड जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो। |
| ए-1-6 | एक प्रकार की सीमलेस ट्यूब, पाइप्स और सकुलर क्रॉस सेक्शन के होलो प्रोफाइल जिसमें कार्बन/गैर अलाय स्टील के लाइन पाइप शामिल हैं, कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोलड या कोल्ड रेड्यूस्ड जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो |
| ए-1-7 | एक प्रकार की सीमलेस ट्यूब, पाइप्स और सकुलर क्रॉस सेक्शन के होलो प्रोफाइल जिनमें अलाय स्टील के लाइन पाइप और बियरिंग ट्यूब शामिल हैं, हॉट फिनिशड जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो |
| ए-1-8 | एक प्रकार की सीमलेस ट्यूब, पाइप्स और सकुलर क्रॉस सेक्शन के होलो प्रोफाइल जिनमें अलाय स्टील के लाइन पाइप और बियरिंग ट्यूब शामिल हैं, कोल्ड रोलड या कोल्ड रिड्यूस्ड जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो |

ग.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

11. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. चूंकि वर्तमान जांच पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने हेतु एक निर्णायक समीक्षा जांच है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद मूल जांच के समान है।
- ख. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और भारत में आयातित वस्तु समान वस्तु हैं। आवेदकों द्वारा विनिर्मित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देश से आयातित उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है।

ग.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

12. विचाराधीन उत्पाद या सामान वस्तु के दायरे के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. मूल जांच में बाहर रखे गए उत्पाद को जारी रखा जाए और इसके दायरे को बढ़ाया नहीं जाना चाहिए।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

13. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद ऑयरन, अलाय या गैर-अलाय स्टील की सीमलेस ट्यूब, पाइप्स और होलो प्रोफाइल्स (कॉस्ट आयरन और स्टेनलेस स्टील से इतर) चाहे हॉट फिनिशड या कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोलड हों जिनका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो, हैं। इसमें हाइड्रोकार्बन उद्योग में प्रयुक्त बायलर पाइप या लाइन पाइप शामिल हैं और तेल तथा गैस निष्कर्षण के लिए ड्रिलिंग में प्रयुक्त केसिंग और ट्यूबिंग भी शामिल हैं।

14. चूंकि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद का दायरा मूल जांच के समान ही रहेगा। मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद निम्नानुसार परिभाषित था:

“वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद ऑयरन, अलाय या गैर-अलाय स्टील की सीमलेस ट्यूब, पाइप्स और होलो प्रोफाइल्स (कॉस्ट आयरन और स्टेनलेस स्टील से इतर) चाहे हॉट फिनिशड या कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोलड हों

जिनका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो, हैं। इसमें हाइड्रोकार्बन उद्योग में प्रयुक्त बॉयलर पाइप या लाइन पाइप शामिल हैं और तेल तथा गैस निष्कर्षण के लिए ड्रिलिंग में प्रयुक्त केसिंग और ट्यूबिंग भी शामिल हैं।

निम्नलिखित उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा गया है:

- i. कास्ट ऑयरन और स्टेनलेस स्टील से बने सीमलेस पाइप और ट्यूब।
- ii. एएसटीएम ए213/एएसएमई एसए 213 और एएसटीएम ए335/एएसएमई एसए 335 या समतुल्य बीआईएस/डीआईएन/बीएस/ईएन या किसी अन्य समतुल्य विनिर्देशनों के सीमलेस अलॉय स्टील पाइप, ट्यूब और होलो प्रोफाइल।
- iii. क्रम सं. 356 पर सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 12/12012 दिनांक 17 मार्च, 2012 के अंतर्गत यथाविहित गैर-एपीआई और प्रीमियम ज्वाइंट/प्रीमियम कनेक्शन/प्रीमियम थ्रैडिड ट्यूब और पाइप।
- iv. सभी 13 क्रोमियम (13सीआर) ग्रेड ट्यूब और पाइप।
- v. ड्रिल कॉलर।
- vi. मुख्य विस्फोटक, पेट्रोलियम नियंत्रक और विस्फोटक सुरक्षा संगठन, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित उत्पादकों द्वारा गैस सिलेंडर बनाने के लिए प्रयुक्त उच्च दाब सीमलेस स्टील पाइप/ट्यूब।

15. विचाराधीन उत्पाद अध्याय शीर्ष 7304 के अंतर्गत टैरिफ कोडों 7304 under the tariff codes 73041910, 73041990, 73042990, 73043119, 73043129, 73043139, 73043919, 73043931, 73043939, 73044900, 73045110, 73045910, 73045930, 73041920, 73043111, 73043131, 73043929, 73045920 और 73049000 के अधीन वर्गीकृत हैं। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

16. प्राधिकारी के पास रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। ये दोनों भौतिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य और प्रयोग उत्पाद विनिर्देशन, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण की दृष्टि से तुलनीय हैं। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इनका एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग करते हैं और कर रहे हैं। प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक द्वारा विनिर्मित उत्पाद नियमावली के नियम 2(घ) के अनुसार संबद्ध देश से भारत में आयातित की जा रही संबद्ध वस्तु के समान वस्तु है।

घ. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति

घ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

17. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति के संबंध में आवेदकों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. यह आवेदन आईएसएमटी लिमिटेड और जिंदल साँ लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है, जिनका कुल घरेलू उत्पादन में प्रमुख हिस्सा बनता है।
- ख. आवेदकों ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है और वे संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के किसी उत्पादक/निर्यातक और आयातक से संबंधित नहीं हैं।
- ग. महाराष्ट्र सीमलेस लिमिटेड (एमएसएल) द्वारा वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया जाना अप्रासंगिक है क्योंकि यह पहले ही सिद्ध हो गया है कि आईएसएमटी लिमिटेड और जिंदल साँ लिमिटेड का देश में कुल उत्पादन में प्रमुख हिस्सा बनता है।
- घ. आवेदक किसी विशिष्ट उत्पादक को जांच में भाग लेने के लिए बाध्य नहीं कर सकते हैं।
- ड. विभिन्न पूर्ववर्ती जांचों में भी जैसे चीन जन.गण. और कोरिया गणराज्य से कास्टिक सोडा, चीन जन.गण. और थाइलैंड से फुली ड्रान यार्न और ताइवान, चीन जन.गण., इंडोनेशिया, जापान, कोरिया

गणराज्य, मलेशिया, थाइलैंड और यूएसए से पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड में घरेलू उद्योग के गठन में निर्णायक समीक्षा में परिवर्तन हुआ है।

- च. एमएसएल अच्छा कार्य कर रही है और इसलिए यह नहीं भाग लेने का कारण हो सकता है। तथापि, उससे घरेलू उद्योग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है क्योंकि उसका प्रमुख हिस्सा है और वह नियम 2(ख) की अपेक्षा को पूरा करता है। प्राधिकारी के लिए घरेलू उद्योग के संरक्षण हेतु हुई क्षति की जांच करना अपेक्षित है और उनका दायित्व प्रत्येक घरेलू उत्पादक के कार्य-निष्पादन की जांच करना नहीं है। जैसा कि बीसी - बेड लिनेन में डब्ल्यूटीओ पैनेल, यूएस - हॉट-रोल्ड स्टील में अपीलीय निकाय द्वारा और चीन जन.गण. और चीनी ताइपेई के केबल टाई के मामले में प्राधिकारी द्वारा माना गया था।
- छ. प्रतिवादियों की दलील के विपरीत एमएसएल का कुल भारतीय उत्पादन में 75 प्रतिशत हिस्सा नहीं हो सकता है क्योंकि आवेदकों का कुल भारतीय उत्पादन में लगभग आधा हिस्सा है। इस प्रकार, उनका प्रमुख हिस्सा है। इसके अलावा, जिंदल साँ लिमिटेड का आईएसएमटी की तुलना में कुल भारतीय उत्पादन में अधिक हिस्सा है और इस प्रकार, आईएसएमटी के आंकड़ों के द्वारा घरेलू उद्योग के रुझानों में कमी नहीं आ सकती है।
- ज. व्यापार सूचना सं. 13/2018 में समर्थक उत्पादकों के लिए केवल उनके आर्थिक मापदंडों को प्रस्तुत करना अपेक्षित है और चूंकि एमएसएल वर्तमान मामले में समर्थक नहीं है, इसलिए उन्हें उनके वित्तीय आंकड़े प्रस्तुत करना अपेक्षित नहीं है। पूर्ववर्ती जांच में एमएसएल और जिंदल साँ लिमिटेड समर्थक से और एमएसएल ने आंशिक आंकड़े प्रस्तुत किए थे, परंतु जांच समाप्त कर दी गई क्योंकि आंकड़ों से कोई क्षति प्रदर्शित नहीं हुई।

घ.2 हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

18. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति के बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. घरेलू उद्योग भारत में संबद्ध वस्तु के कुल उत्पादन में आवेदकों का संयुक्त हिस्सा बताने में विफल रहा है। वास्तविक प्रतिशत आंकड़े या रेंज में संयुक्त हिस्से के अभाव में हितबद्ध पक्षकार घरेलू उद्योग के प्रतिनिधित्व के संबंध में तार्किक टिप्पणियां नहीं कर सकते हैं।
- ख. याचिकाकर्ता, आईएसएमटी लिमिटेड और जिंदल साँ लिमिटेड, 2010 से ही प्राधिकारी से अनावश्यक संरक्षण की मांग करते रहे हैं। आईएसएमटी लिमिटेड ने अपना पहला आवेदन 12 जनवरी, 2010 को प्रस्तुत किया था, जो महाराष्ट्र सीमलेस लिमिटेड (एमएसएल) और जिंदल साँ लिमिटेड (जेएसएल) द्वारा समर्थित था। तत्पश्चात, उन्होंने याचिकाकर्ताओं जेएसएल और आईएसएमटी लिमिटेड ने 22 अप्रैल, 2013 को प्राधिकारी के समक्ष रक्षोपाय जांच हेतु आवेदन किया था और यह आवेदन एमएसएल द्वारा समर्थित था। रक्षोपाय शुल्क की समाप्ति से थोड़ा पहले आवेदकों, आईएसएमटी लिमिटेड और एमएसएल ने 8 जुलाई, 2015 को पुनः पाटनरोधी जांच हेतु आवेदन किया। वर्तमान में वही याचिकाकर्ता, आईएसएमटी लिमिटेड और जिंदल साँ ने उन्हीं आयातों के लिए निर्णायक समीक्षा जांच हेतु आवेदन किया है। घरेलू उद्योग द्वारा प्राधिकारी के समक्ष मनगढ़ंत क्षति दर्शाने के लिए चयनित भागीदारी की गई है।
- ग. महाराष्ट्र सीमलेस लिमिटेड ने वर्तमान जांच में भागीदारी से दूरी बनाई है और आवेदन का समर्थन नहीं किया है।
- घ. किसी कंपनी, जो मूल जांच में घरेलू उद्योग की घटक थी, का घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में गिरावट दर्शाने के एकमात्र इरादे से समीक्षा याचिका से बाहर रहना प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत नहीं किया जाना चाहिए।
- ड. 2018-19 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए महाराष्ट्र सीमलेस लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट में उल्लेख है कि उसे संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगने से लाभ हुआ है और कंपनी ने संबद्ध वस्तु की सर्वकालिक उच्चतम वृद्धि दर्ज की है। 2019 में महाराष्ट्र सीमलेस लिमिटेड ने यूनाइटेड सीमलेस ट्यूबलर प्राइवेट लिमिटेड ("यूएसटीपीएल") को भी अधिग्रहित किया है। अतः यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र सीमलेस लिमिटेड

मूल जांच में क्षति जांच अवधि के दौरान हुए नुकसान से उबर गया है और शुल्क जारी रखने के लिए उसने वर्तमान आवेदन का समर्थन नहीं किया है।

- च. प्राधिकारी को आर्थिक मापदंड संबंधी आंकड़े प्रस्तुत करने हेतु महाराष्ट्र सीमलेस लिमिटेड को बुलाना चाहिए ताकि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु पर शुल्क जारी रखने की आवश्यकता की उचित जांच की जा सके। ऐसा नहीं करने पर प्राधिकारी को वर्तमान याचिका खारिज कर देनी चाहिए जैसा कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पूर्ववर्ती मामले में किया गया था।
- छ. आईएसएमटी लिमिटेड एक स्थायी आवेदक है और उसकी लाभप्रदता हमेशा ऋणात्मक रहती है। इसके अलावा, आईएसएमटी लिमिटेड के पास घरेलू उत्पादन का केवल लगभग 27 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि जेएसएल के पास कुल भारतीय उत्पाद का मामूली हिस्सा है। इसके विपरीत, एमएसएल का कुल भारतीय उत्पादन में 75 प्रतिशत हिस्सा है, परंतु आश्चर्यजनक रूप से वे कथित क्षति से प्रभावित नहीं हुए थे और जिंदल और एमएसएल वर्ष भर भारी लाभ कमाते रहे थे।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

19. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:

“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”

20. वर्तमान निर्णायक समीक्षा आवेदन आईएसएमटी लिमिटेड और जिंदल साँ लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। आवेदकों ने बताया है कि वे संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु के निर्यातकों या वस्तु के आयातकों से संबंधित नहीं हैं, और उन्होंने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है।
21. अन्य हितबद्ध पक्षकारों की महाराष्ट्र सीमलेस लिमिटेड को घरेलू उद्योग के दायरे में शामिल किया जाना चाहिए जबकि वह पूर्ववर्ती जांच का हिस्सा था तथा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी या आवेदकों पर कोई विधिक दायित्व नहीं है कि वे घरेलू उद्योग का समान दायरा बनाए रखें। प्राधिकारी के लिए केवल यह पता लगाना अपेक्षित है कि क्या आवेदकों का उत्पादन कानून के अधीन घरेलू उद्योग की अपेक्षा को पूरा करता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आईएसएमटी लिमिटेड और जिंदल साँ लिमिटेड मिलकर ****% भारतीय उत्पादन का उत्पादन करते हैं, और इसलिए, भारतीय बाजार में “एक प्रमुख हिस्सा रखते हैं” और इस प्रकार विधि के अंतर्गत घरेलू उद्योग हैं। इसके अलावा, प्राधिकारी या घरेलू उद्योग किसी पक्षकार को जांच में भाग लेने के लिए बाध्य नहीं कर सकते हैं।
22. आवेदकों का संयुक्त रूप से कुल घरेलू उत्पादन में प्रमुख हिस्सा बनता है। यह भी नोट किया जाता है कि आवेदक संबद्ध वस्तु के किसी निर्यातक या आयातक से संबंधित नहीं हैं और उन्होंने विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक नियमावली के नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग हैं।

ड. गोपनीयता

ड.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

23. गोपनीयता के संबंध में आवेदकों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- क. निर्यातक/उत्पादक ने सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध सूचना सहित अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।
- ख. उत्पादकों/निर्यातकों ने व्यापक स्तर-वार विनिर्माण प्रक्रिया, मूल्य ह्रास और परिशोधन व्यय, ब्याज लागत, कर-पूर्व कुल लाभ आदि संबंधी गोपनीयता के दावे द्वारा व्यापार सूचना सं. 10/2018 का उल्लंघन किया है।

- ग. उत्पादकों/निर्यातकों ने अपनी प्रश्नावली के उत्तर में गोपनीयता के दावे का औचित्य न बताकर व्यापार सूचना सं. 01/2013 का भी उल्लंघन किया है।
- घ. घरेलू उद्योग ने कुल उत्पादन में अपने हिस्से का खुलासा नहीं किया है क्योंकि घरेलू उद्योग के रूप में केवल दो उत्पादक भाग ले रहे हैं और ऐसी सूचना के प्रकटन से अन्य उत्पादकों को उत्पादन के आंकड़ों का अनुमान हो जाएगा। तथापि, घरेलू उद्योग ने व्यापार सूचना सं. 10/2018 के अनुसार समग्र आधार पर सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना उपलब्ध कराई है।

ड.2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

24. गोपनीयता के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. घरेलू उद्योग ने कुल घरेलू उत्पादन में अपने हिस्से या कुल उत्पादन में घरेलू उद्योग के प्रतिशत हिस्से की रेंज संबंधी सूचना भी उपलब्ध नहीं कराई है। ऐसी सूचना का अभाव हितबद्ध पक्षकार को उत्पादन में घरेलू उद्योग के प्रमुख हिस्से के संबंध में टिप्पणी करने से वंचित कर देता है।
- ख. याचिकाकर्ताओं ने याचिका के अनुबंध-6.2(लागत सूचना) के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और याचिका का अगोपनीय अंश नियमावली के नियम-7 में निर्धारित और व्यापार सूचना में प्रदत्त दिशा-निर्देशों को पूरा नहीं करता है।
- ग. जियांसु चेंगडे स्टील ट्यूब शेयर कं. लिमिटेड के प्रश्नावली के उत्तर में दोनों कंपनियों की विनिर्माण प्रक्रिया संबंधी सूचना दी गई है। यह सूचना व्यापार संवेदी है और सारांशीकरण योग्य नहीं है। घरेलू उद्योग ने स्वयं कर्मचारी और उत्पादकता के संबंध में केवल रुझान का प्रकटन किया है जबकि व्यापार सूचना सं. 10/2018 का 10 में कर्मचारियों की संख्या और दो घरेलू उत्पादकों के मामले में उत्पादकता के योग का प्रकटन करने का प्रावधान है।
- घ. घरेलू बिक्रियों संबंधी पीबीआईटी का रुझान पूरी तरह असंगत है जबकि चीन के उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं कर रहे हैं और सामान्य मूल्य उनकी घरेलू बिक्री के आधार पर निर्धारित नहीं होगा। घरेलू उद्योग ने इस सूचना के अभाव के कारण होने वाले पक्षपात का कोई उल्लेख नहीं किया है।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

25. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार, निरीक्षण के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना के अगोपनीय रूपांतर को उपलब्ध कराया था।
26. सूचना की गोपनीयता के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नलिखित प्रावधान है:

"गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में निहित किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि गोपनीयता के लिए अनुरोध न्यायसंगत नहीं अथवा सूचना प्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने

अथवा इसको सामान्य तौर पर अथवा संक्षिप्त रूप में उसे प्रकट करने के लिए अनिच्छुक हो, तो ऐसी सूचना की उपेक्षा की जा सकती है।

27. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त सूचना की गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां आवश्यक हो, गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को इसका प्रकटन नहीं किया है। जहां संभव हो गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय अंश प्रस्तुत करने का निदेश दिया गया था। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश को सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा था। आयातों, घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन मापदंडों और क्षति मापदंडों संबंधी सूचना सार्वजनिक फाइल में रखी गई है। प्रक्रिया के अनुसार व्यापार संवेदनशील सूचना गोपनीय रखी गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोई सूचना जो सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध हो, गोपनीय नहीं मानी जा सकती है।
28. प्राधिकारी ने आवेदकों और प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए गोपनीयता के दावों पर विचार किया है और उनसे संतुष्ट होने पर गोपनीयता के दावों की अनुमति दी है। प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश को सभी हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु उपलब्ध रखा था।
29. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे के संबंध में कि घरेलू उद्योग कुल उत्पादन में अपने संयुक्त हिस्से का खुलासा करने में विफल रहा है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि कुल घरेलू उत्पादन में केवल दो उत्पादक हैं, इसलिए आवेदकों के हिस्से के प्रकटन के परिणामस्वरूप दोनों उत्पादकों की कुल उत्पादन मात्रा का खुलासा हो जाएगा। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने घरेलू उद्योग सहित सभी भारतीय उत्पादकों द्वारा उत्पादन की कुल मात्रा समग्र आधार पर सर्वोत्तम रूप से पहले ही उपलब्ध कराई है।

च. विविध मुद्दे

च.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

30. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
 - क. वर्तमान पाटनरोधी उपायों को जारी रखना घरेलू उत्पादकों, उपभोक्ताओं और व्यापक रूप से जनता के हित में होगा।
 - ख. देश में मांग-आपूर्ति में कोई अंतर नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग के पास देश में संपूर्ण मांग को पूरा करने हेतु पर्याप्त क्षमता है।
 - ग. संबद्ध वस्तु की मांग में वर्तमान शुल्क की पूरी अवधि में वृद्धि की अच्छी दर रही है।
 - घ. घरेलू उत्पादकों के बीच पर्याप्त परस्पर प्रतिस्पर्धा के साथ देश में बाजार की अच्छी स्थिति मौजूद है जिससे उपभोक्ताओं को पर्याप्त विकल्प मिलते हैं।
 - ड. यद्यपि शुल्कों के जारी रहने से अंतिम वस्तु की कीमतें प्रभावित हो सकती हैं, तथापि भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा के प्रभावित होने की संभावना नहीं है क्योंकि ये उपाय घरेलू उद्योग को हुई क्षति की भरपाई के लिए आवश्यक राशि तक सीमित हैं।
 - च. घरेलू उद्योग देश में 3000 से अधिक कर्मचारियों को रोजगार देता है और क्षति जारी रहने देने से ऐसे कर्मचारियों की आजीविका प्रभावित होगी।
 - छ. घरेलू उद्योग चीन से उत्पादकों से प्रतिस्पर्धा कर रहा है जिनकी लागत और कीमतें सरकारी हस्तक्षेप द्वारा काफी कम रहती हैं जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि किसी भी प्रतिवादी निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है। इस प्रकार, शुल्क लागू होने से ऐसी व्यापार विकृति की भरपाई होगी।
 - ज. संबद्ध आयात पर्याप्त घरेलू क्षमताओं की दृष्टि से पूर्णतः अनावश्यक हैं, शुल्क लागू होने से विदेशी मुद्रा के बाहर जाने पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

- झ. वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को कच्ची सामग्री की कीमतों में किसी वृद्धि या कमी, जो निरंतर उतार-चढ़ाव के अधीन है, के लिए विधिवत् रूप से समायोजित करने हेतु बेंच-मार्क शुल्क के रूप में बढ़ाया जाना चाहिए।
- ञ. घरेलू उद्योग ने समीक्षा जांच की शुरुआत के लिए जरूरत को सिद्ध करते हुए साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं और ऐसे प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने वर्तमान जांच शुरु की है।
- ट. पीओआई के बाद के आकड़े ऐसी स्थिति में संगत हो सकते हैं जहां जांच अवधि में पाटन या क्षति मार्जिन नकारात्मक हो या जहां पीओआई के बाद परिस्थितियों में बदलाव हो, ये दोनों स्थितियां वर्तमान जांच पर लागू नहीं हैं। इसके अलावा, हितबद्ध पक्षकारों ने स्वयं पीओआई के बाद के आकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं।
- ठ. घरेलू उद्योग ने 2016-17, 2017-18, अप्रैल 2018 से सितंबर 2019 और अक्टूबर 2019 से जून 2020 पर क्षति अवधि और जांच के रूप में विचार करते हुए मूल याचिका में आंकड़े प्रस्तुत किए थे, जिसमें तीसरी अवधि 18 महीने की थी, जबकि संशोधित याचिका में 2016-17, 2017-18, 2018-19 और अप्रैल 2019 से सितंबर, 2020 के लिए आंकड़े दिए गए थे, इसमें तीसरी अवधि 12 महीने की थी जिसके परिणामस्वरूप आंकड़ों में अंतर हुआ। इसके अलावा, त्रुटि सुधार के बाद जांच से पहले आंकड़े प्रस्तुत किए गए, जिसके आधार पर प्राधिकारी द्वारा जांच के बाद जांच की शुरुआत हुई।

च.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

31. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. धारा 9क(5) के अंतर्गत शुल्क जारी रखना कोई नियम नहीं है, बल्कि एक अपवाद है जिसे केवल तभी लागू किया जाता है जब संभावना परीक्षण के बाद घरेलू उद्योग के लिए आगे संरक्षण अपेक्षित हो। वर्तमान मामले में ऐसा नहीं है। इस सिद्धांत को यूएस-ओसीटीजी में अपीलीय निकाय द्वारा और चीन जन.गण. से ड्राई सैल बैटरी मामले में प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत किया गया है।
- ख. घरेलू उद्योग प्राधिकारी से बार-बार अनुचित संरक्षण की मांग करके व्यापार तंत्र का दुरुपयोग कर रहा है। वे ऐसे व्यापार उपचार का प्रयोग करके घरेलू बाजार में एकाधिकारी स्थिति बनाने के उद्देश्य से अन्य देशों के उत्पादकों और निर्यातकों पर प्रहार कर रहे हैं।
- ग. पाटनरोधी शुल्क जारी रखने से डाउन स्ट्रीम उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, जो मूल्यवर्धित उत्पादों के विनिर्माण हेतु कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा पर निर्भर हैं, ताकि उनके उत्पाद अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से प्रतिस्पर्धा कर सकें। डाउन स्ट्रीम उद्योग और अंतिम प्रयोक्ता की आजीविका में भारी नुकसान, मांग-आपूर्ति अंतर, एमएसएमई उद्योगों के तैयार उत्पादों के निर्यात में कमी, विनिर्माताओं के बीच बाजार असमानता के कारण पाटनरोधी शुल्क का प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
- घ. घरेलू उद्योग वर्तमान निर्णायक जांच की शुरुआत को सही सिद्ध करने हेतु सकारात्मक साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहा है, बल्कि वह पहले ही पिछले 5 वर्षों के लिए शुल्क लागू होने से क्षतिपूर्ति कर चुका है।
- ड. प्राधिकारी के लिए प्रत्येक समीक्षा जांच अनिवार्यतः शुरु करना अपेक्षित नहीं है और उन्हें केशो राम रेयोन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा स्वीकृत द्वि-स्तरीय प्रक्रिया से स्वयं को संतुष्ट करना चाहिए।
- च. दिनांक 19 फरवरी, 2021 की जांच शुरुआत अधिसूचना में उल्लेख है कि प्राधिकारी आवेदकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के पीओआई के बाद के 6 महीने के आंकड़ों की जांच करेंगे ताकि यह निर्धारित हो सके कि क्या मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने से पाटन तथा घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। तथापि, घरेलू उद्योग ने संबद्ध जांच में पीओआई के बाद के आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं और हितबद्ध पक्षकारों को चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयात के कारण क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना संबंधी उनकी टिप्पणियां प्रस्तुत करने से वंचित कर दिया है।

- छ. वर्तमान क्षति का आकलन जो 18 महीने की जांच अवधि पर आधारित है, क्षति की संभावना को नहीं दर्शाता है क्योंकि इन 18 महीनों में से अंतिम 6 महीने कोविड-19 के कारण भारत में पूर्ण या आंशिक लॉकडाउन से प्रभावित थे।
- ज. मांग, चीन जन.गण. के बाजार हिस्से, नकद लाभ, ब्याज लागत, कार्यशील पूंजी और नियोजित औसत पूंजी के प्रतिशत रूप में पीबीआईटी के संबंध में संशोधित याचिका में आवेदक द्वारा क्षति मापदंडों में भारी बदलाव घरेलू उद्योग के प्राधिकारी के समक्ष कृत्रिम क्षति दर्शाने के षडयंत्रकारी व्यवहार को दर्शाता है।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

32. जांच की शुरुआत और संभावना अपेक्षाओं से संतुष्ट होने के बाद भी शुल्क जारी रखने के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों की दलील के बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत के समय प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा वर्तमान शुल्कों के समाप्त होने की स्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने या उनकी पुनरावृत्ति होने की संभावना सिद्ध करते हुए प्रस्तुत साक्ष्य के आधार पर वर्तमान पाटनरोधी शुल्क से संबंधित निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत की जरूरत से स्वयं को प्रथम दृष्टया संतुष्ट किया था। तथापि, प्राधिकारी पाटन और क्षति के जारी रहने की संभावना के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों की विस्तार से जांच करेंगे। यदि प्राधिकारी पाते हैं कि शुल्क की अनुपस्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने या पुनरावृत्ति होने की संभावना है तो पाटनरोधी शुल्क की अवधि बढ़ाई जाएगी।
33. अन्य हितबद्ध पक्षकारों की इस दलील के संबंध में कि घरेलू उद्योग व्यापार संरक्षण तंत्र का दुरुपयोग कर रहा है और शुल्क का प्रतिकूल प्रभाव डाउन स्ट्रीम उद्योगों पर पड़ेगा, यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य केवल समान अवसर वाली प्रतिस्पर्धा सृजित करना और क्षतिकारी पाटन के विरुद्ध घरेलू उद्योग को राहत प्रदान करना है। शुल्क का उद्देश्य घरेलू उद्योग को कोई अनुचित संरक्षण प्रदान करना नहीं है बल्कि व्यापार स्वीकृतिकारी प्रभावों को समाप्त करके उचित बाजार स्थिति सृजित करना है जिसमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो सके।
34. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त आंकड़ों से संबंधित दलीलों के बारे में प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त आंकड़ों को विधिवत् रूप से सत्यापित किया है। वर्तमान प्रयोजनार्थ केवल ऐसे सत्यापित आंकड़ों का प्रयोग किया गया है।
35. डाउनस्ट्रीम उद्योग पर प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु की मांग में इस अवधि में वृद्धि हुई है जो डाउनस्ट्रीम उद्योग के विकास को दर्शाती है। इसके अलावा, घरेलू बाजार में ऐसे अनेक उत्पादक हैं जिनकी क्षमता मांग से अधिक है। अतः बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा मौजूद है जो प्रयोक्ताओं के लिए प्रतिस्पर्धी कीमत पर वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी।
36. पीओआई के बाद के आंकड़ों पर विचार करने के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन सकारात्मक हैं। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को वर्तमान जांच अवधि में भी क्षति हुई है। तदनुसार, प्राधिकारी पीओआई के बाद के आंकड़ों पर विचार करना आवश्यक नहीं समझते हैं।

छ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

छ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

37. घरेलू उद्योग द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
- क. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच की शुरुआत के समय चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना है और चूंकि चीन जन.गण. से किसी उत्पादक/निर्यातक ने यह नहीं दर्शाया है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की दशाओं में प्रचालन कर रहे हैं, इसलिए पाटन और क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु उनकी लागत और कीमत का प्रयोग नहीं किया जा सकता है। तदनुसार, सामान्य मूल्य अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए।
- ख. चीन जन.गण. ने उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य भारत में देय कीमत को तर्कसंगत लाभ मार्जिन हेतु समायोजित करने के बाद, के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए। तथापि, ऐसा

परिकलित सामान्य मूल्य उत्पादन की वास्तविक लागत पर आधारित होना चाहिए क्योंकि यह मानना अनुचित है कि विदेशी उत्पादक ईष्टम उत्पादन लागत पर कार्य कर रहे हैं।

- ग. निर्यात कीमत डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों में दर्ज सीआईएफ कीमत के आधार पर निर्धारित की गई है और निवल निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय, बैंक प्रभार, अंतरदेशीय भाड़ा, कमीशन और वैट वापसी के लिए समायोजन किए गए हैं।
- घ. निर्यातक द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली का उत्तर इतना अधूरा है कि चांगझोउ चांगबाओ प्रिसिजन और स्पेशल स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड तथा जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूबलर कारपोरेशन ने वितरण की श्रृंखला के भाग वाले संबंधित/असंबंधित निर्यातक का नाम नहीं बताया है।
- ड. जियांग्सु चांगबाओ प्रिसिजन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड ने अपनी वितरण श्रृंखला के संबंध में विरोधाभासी विवरण दिए हैं। कंपनी ने बाद में दावा किया कि सभी निर्यात किसी संबंधित निर्यातक के जरिए किए जाते हैं परंतु बाद में दावा किया कि उन्होंने 2019 से भारत को निर्यात किया है। तदनुसार, उन्होंने निर्यात कीमत की गणना हेतु परिशिष्ट-3क प्रस्तुत नहीं किया है।

छ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

38. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत या पाटन मार्जिन के निर्धारण के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए:
 - क. पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन को निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर में निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए।
 - ख. घरेलू उद्योग द्वारा निराधार दावा किया गया है कि जियांग्सु चांगबाओ प्रिसिजन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड, भारत को विचाराधीन उत्पाद का सीधे निर्यात करती रही है, जबकि वास्तव में उन्होंने पूरी क्षति अवधि और जांच अवधि के दौरान भारत को वस्तुओं का सीधे निर्यात नहीं किया है।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

39. अधिनियम की धारा 9क(1)(ग) के अनुसार, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:
 - (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
 - (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-
 - (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा
 - (ख) उपधारा- (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

बशर्ते यदि उक्त वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल यानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

40. प्राधिकारी ने संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को यह सलाह देते हुए प्रश्नावलियां भेजीं कि वे प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रपत्र एवं तरीके में सूचना उपलब्ध कराएं। संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है:

- क. हेंगयांग बलिन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड
- ख. हेंगयांग बलिन एमपीएम कं. लिमिटेड
- ग. हेंगयांग स्टील ट्यूब ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेडिंग आईएनसी.
- घ. चांगझोऊ चांगबाओ प्रिसिजियन एंड स्पेशनल स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड
- ड. जियांगसु चांगबाओ प्रिसिजियन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड
- च. जियांगसु चांगबाओ स्टील ट्यूबलर्स कारपोरेशन
- छ. जियांगसु चांगबाओ स्टील ट्यूब लिमिटेड कं.
- ज. जियांगसु चेंगडे स्टील ट्यूब शेयर कं. लिमिटेड
- झ. ताइझोऊ चेंगडे स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड

क.3.1 सामान्य मूल्य का निर्धारण

चीन जन.गण. के लिए बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा

41. चीन के एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नानुसार प्रावधान है:

"क) जीएटीटी 1994 के अनुच्छेद- VI और पाटनरोधी करार के तहत कीमत तुलनात्मकता का निर्धारण करने में, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे अथवा उस पद्धति का उपयोग करेंगे, जो निम्नलिखित नियमों के आधार पर घरेलू कीमतों या चीन में लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने पर आधारित नहीं है:

- (i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।
- (ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।
- (ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।
- (ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।

(घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्रामि की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क) (II) के प्रावधान प्रामि की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।"

42. यह नोट किया जाता है कि यद्यपि अनुच्छेद 15(क)(ii) में दिए गए प्रावधान 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गए तथापि ऐक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(क)(i) के अंतर्गत दायित्व के साथ पठित डब्ल्यूटीओ के अनुच्छेद 2.2.1.1 के अधीन प्रावधान में बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा करने संबंधी पूरक प्रश्नावली के प्रदत्त सूचना/आंकड़ों के ज़रिए नियमावली के अनुबंध I के पैरा 8 में निर्धारित मापदंडों को पूरा किया जाना अपेक्षित है। यह नोट किया जाता है कि वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में चीन जन.गण. से किसी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा नहीं किया है। तदनुसार सामान्य मूल्य की गणना नियमावली के अनुबंध I के पैरा 7 के अनुसार निर्धारित करना अपेक्षित है।

चीन जन.गण. से उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

43. चूंकि चीन जन.गण. के किसी भी उत्पादक ने उनके स्वयं के आंकड़ों/सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण का दावा नहीं किया है इसलिए सामान्य मूल्य नियमावली अनुबंध-I के पैरा 7 के अनुसार निर्धारित किया गया है, जिसका पाठ नियमानुसार है:
44. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देशों से आयात के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत या परिकलित मूल्य अथवा ऐसे किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों को कीमत या जहां ऐसा संभव ना हो अथवा कोई अन्य उचित आधार ना हो वहां भारत में वास्तविक रूप से प्रदत्त या देय कीमत जिसे आवश्यकतानुसार तर्कसंगत लाभ मार्जिन शामिल करने हेतु समायोजित किया गया हो, के आधार पर किया जाएगा। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच के अधीन उत्पाद वाले संबंधित देश के विकास को ध्यान में रखते हुए तर्कसंगत आधार पर किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले उचित तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर विचार किया जाएगा। लेखों को किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार से की गई जांच की समय सीमा के भीतर उचित ढंग से लिया जाएगा। जांच के पक्षकारों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के पूर्वोक्त चयन के बारे में बिना किसी विलंब के सूचित किया जाएगा और टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए तर्कसंगत समय सीमा प्रदान की जाएगी।
45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में उत्पाद की कीमत या परिकलित मूल्य या ऐसे तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों को कीमत आवेदक या किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा उपलब्ध नहीं कराई गई है। यह किसी सार्वजनिक स्रोत से भी उपलब्ध नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी के लिए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा रिकॉर्ड में दी गई सूचना और साक्ष्य के आधार पर या सार्वजनिक स्रोत से उचित देश का चयन करना अपेक्षित है। यह भी नोट किया गया है कि हितबद्ध पक्षकारों ने ऐसी कोई सत्यापन योग्य सूचना नहीं दी है जिसे प्राधिकारी द्वारा अपनाया जाए। इस प्रकार प्राधिकारी की राय है कि एकमात्र विकल्प समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से प्रदत्त या देय कीमत को तर्कसंगत लाभ मार्जिन शामिल करने हेतु विधिवत् रूप से समायोजित करके उस पर विचार करते हुए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उपलब्ध है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दिया गया है।

छ.3.2 निर्यात कीमत का निर्धारण**चीन जन.गण. के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत****(i) जियांग्सु चेंगडे स्टील ट्यूब शेयर कं. लिमिटेड और ताइझोऊ चेंगडे स्टील ट्यूब कं. लि. के लिए निर्यात कीमत**

46. मै. जियांग्सु चेंगडे स्टील ट्यूब शेयर कं. लिमिटेड ("जेएससी") और मै. ताइझोऊ चेंगडे स्टील ट्यूब कं. लि. ("टीजेडसी") चीन से कंपनी कानून के अंतर्गत शेयरों द्वारा सीमित दायित्व वाली कंपनियां हैं। मै. जेएससी, मै. टीजेडसी की मूल कंपनी है। दोनों कंपनियां चीन में संबद्ध वस्तु की उत्पादक हैं। मै. जेएससी ने असंबंधित भारतीय उपभोक्ता को सीधे संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है और मै. टीजेडसी ने, मै. जेएससी के जरिए असंबंधित भारतीय उपभोक्ता को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। मै. जेएससी ने पीसीएन ए-1-5 और ए-1-6 के अंतर्गत निर्यात किया है और निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर के परिशिष्ट 3 क में भारत को संबद्ध वस्तु के निर्यातों के पीसीएन-वार ब्यौरे दिए हैं। मै. टीजेडसी ने भी अपेक्षित प्रपत्रों में समस्त संगत सूचना दी है।
47. यह नोट किया गया है कि पीओआई के दौरान मै. जेएससी ने भारत में असंबंधित उपभोक्ता को स्व-उत्पादित **** एमटी संबद्ध वस्तु और मै. टीजेडसी द्वारा उत्पादित **** एमटी संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। मै. जेएससी ने समुद्री भाड़ा, बीमा, अंतरदेशीय परिवहन, पत्तन और अन्य संबंधित व्यय, बैंक प्रभार और ऋण लागत के लिए समायोजनों का दावा किया है, जिनकी प्राधिकारी ने अनुमति दी है। मै. टीजेडसी ने कारखाना द्वार आधार पर मै. जेएससी को संबद्ध वस्तु के बीजक दिए हैं। प्राधिकारी ने उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर में दिए गए निर्यातों के पीसीएन-वार ब्यौरे का सत्यापन किया है। यथा-निर्धारित भारत औसत पीसीएन-वार कारखानाद्वार निर्यात कीमत पाटन मार्जिन तालिका में दी गई है।

(ii) मै. जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूब लिमिटेड कं. (उत्पादक/निर्यातक) चीन जन.गण. के लिए निर्यात कीमत

48. जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूब लिमिटेड एक संयुक्त स्टॉक लि. कंपनी के रूप में 31 जुलाई, 1989 को स्थापित हुई और शेनझेन स्टॉक एक्सचेंज में सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध हुई, तथा इसे चीन के कंपनी कानून के अनुसार अधिनियमित किया गया। पीओआई के दौरान, जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूब लिमिटेड कं. ने ****एमटी पीयूसी (पीएसएन ए-1-1 और ए-1-3 के अंतर्गत) का सीधे निर्यात किया और ****एमटी का एक संबंधित व्यापारी जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूबलर कारपोरेशन, चीन जन.गण. के जरिए निर्यात किया। यह नोट किया जाता है कि जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूबलर कारपोरेशन, चीन जन.गण. ने दो अलग-अलग संबंधित व्यापारियों अर्थात् हंटिंग एनर्जी सर्विसेज प्रा. लि., सिंगापुर और माको इंटरनेशनल एफजेडई के जरिए पीयूसी का निर्यात किया है। यह भी नोट किया जाता है कि हंटिंग एनर्जी सर्विसेज प्रा. लि., सिंगापुर और माको इंटरनेशनल एफजेडई ने वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है और इसलिए कारखाना द्वार निर्यात कीमत ज्ञात करने हेतु इन पर विचार नहीं किया गया है। जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूब लिमिटेड कं., चीन जन.गण. ने समुद्री भाड़ा, अंतरदेशीय परिवहन, पत्तन और अन्य संबंधित व्यय, ऋण व्यय, बैंक प्रभार के लिए समायोजन का दावा किया है और उनकी अनुमति दी गई है। तदनुसार, जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूब लिमिटेड कं., चीन जन.गण. के लिए कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाई गई।

(iii) मै. जियांग्सु चांगबाओ प्रिसिजिन स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन.गण. के लिए निर्यात कीमत

49. दिनांक 14 अगस्त, 2006 को स्थापित जियांग्सु चांगबाओ प्रिसिजिन स्टील ट्यूब कं. लि., चीन के कंपनी कानून के अनुसार अधिनियमित एक सीमित दायित्व वाली कंपनी है। पीओआई के दौरान जियांग्सु चांगबाओ प्रिसिजिन स्टील ट्यूब कं. लि. ने एक संबंधित व्यापारी जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूबलर कारपोरेशन, चीन जन.गण. के जरिए ****एमटी पीयूसी का निर्यात किया है जिसमें से जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूबलर कारपोरेशन, चीन जन.गण. ने ****एमटी पीयूसी (पीसीएन ए-1-5) का निर्यात एक अन्य असंबंधित व्यापारी अर्थात् हंटिंग एनर्जी सर्विसेज प्रा. लि., सिंगापुर के जरिए भारत को किया है। यह भी नोट किया जाता है कि हंटिंग एनर्जी सर्विसेज प्रा. लि., सिंगापुर ने वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है और इसलिए कारखाना द्वार निर्यात कीमत ज्ञात करने हेतु

इन पर विचार नहीं किया गया है। जियांग्सु चांगबाओ प्रिसिजिन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड ने अंतरदेशीय परिवहन, पत्तन और अन्य संबंधित व्यय के लिए समायोजन का दावा किया है और उनकी अनुमति दी गई है। तदनुसार, जियांग्सु चांगबाओ प्रिसिजिन स्टील ट्यूब कं. के लिए कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाई गई।

(iv) मै. चांगझोऊ चांगबाओ प्रिसिजिन ऐंड स्पेशल स्टील ट्यूब कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक) चीन जन.गण. के लिए निर्यात कीमत

50. 26 अप्रैल, 2005 को स्थापित चांगझोऊ चांगबाओ प्रिसिजिन ऐंड स्पेशल स्टील ट्यूब कं. लि. चीन के कंपनी कानून के अनुसार एक सीमित दायित्व वाली कंपनी है। पीओआई के दौरान चांगझोऊ चांगबाओ प्रिसिजिन ऐंड स्पेशल स्टील ट्यूब कं. लि. ने ****एमटी पीयूसी (पीसीएन ए-1-5 और ए-1-6 के अंतर्गत) सीधे और ****एमटी एक संबंधित व्यापारी अर्थात् जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूबलर कारपोरेशन, चीन जन.गण. के जरिए निर्यात किया है। चांगझोऊ चांगबाओ प्रिसिजिन ऐंड स्पेशल स्टील ट्यूब कं. लि. ने समुद्री भाड़ा, बीमा, अंतरदेशीय परिवहन, पत्तन और अन्य संबंधित व्यय, ऋण व्यय, बैंक प्रभारों के लिए समायोजन का दावा किया है और उनकी अनुमति दी गई है। तदनुसार जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूब लिमिटेड, चीन जन.गण. के लिए कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाई गई है।

(v) हेंगयांग वलिन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड, हेंगयांग वलिन एमपीएम कं. लिमिटेड और हेंगयांग स्टील ट्यूब ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेडिंग आईएनसी. – हेंगयांग ग्रुप के लिए निर्यात कीमत

51. हेंगयांग वलिन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड (“एचवाई वलिन”) तथा हेंगयांग वलिन एमपीएम कं. लिमिटेड (“एचवाई एमपीएम”) और हेंगयांग स्टील ट्यूब ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेडिंग आईएनसी. (“एचवाई इंटरनेशनल”) – हेंगयांग ग्रुप: एचवाई वलिन तथा एचवाई एमपीएम संबद्ध वस्तु के उत्पादक हैं और एचवाई इंटरनेशनल, एचवाई वलिन का संबंधित बिक्री एजेंट है। पीओआई के दौरान एचवाई एमपीएम ने केवल घरेलू बाजार में अपनी संबंधित कंपनी एचवाई वलिन को संबद्ध वस्तु बेची है। एचवाई वलिन ने पीओआई के दौरान भारत को ****एमटी संबद्ध वस्तु के निर्यात की सूचना दी है जिसमें एचवाई एमपीएम से खरीदी गई ****एमटी संबद्ध वस्तु का निर्यात और ****एमटी संबद्ध वस्तु का स्वयं द्वारा उत्पादित शेष निर्यात शामिल है। पीओआई के दौरान अपने बिक्री एजेंट्स एचवाई इंटरनेशनल के जरिए एचवाई वलिन के संबद्ध वस्तु के निर्यात दो पीसीएन अर्थात् ए-1-5 और ए-1-7 के अंतर्गत आते हैं। प्रश्नावली के उत्तर में एचवाई वलिन ने संबद्ध वस्तु की निर्यात बिक्री की जानकारी दी है और संगत बिक्री पश्चात व्यय के लिए अंतरदेशीय परिवहन, समुद्री भाड़ा, बीमा, ऋण लागत और पत्तन तथा अन्य संबंधित व्ययों की जानकारी दी है, जिनकी अनुमति दी गई है। यथा निर्धारित भारत औसत कारखाना द्वार निर्यात कीमत पाटन मार्जिन तालिका में दी गई है।

चीन जन.गण. से अन्य उत्पादक और निर्यातक

52. चीन जन.गण. से असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों तथा सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के प्रश्नावली के उत्तर पर विचार करते हुए सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के अनुसार किया गया है और उसका उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में है।

छ.3.3 पाटन मार्जिन

53. ऊपर यथा-निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर चीन जन.गण. से उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है और नीचे पाटन मार्जिन तालिका में वह उल्लिखित है:

पाटन मार्जिन तालिका

| क्र.सं. | उत्पादक का नाम | परिकलित सामान्य मूल्य | निर्यात कीमत | पाटन मार्जिन | पाटन मार्जिन % | पाटन मार्जिन रेंज |
|---------|--|-----------------------|----------------|----------------|----------------|-------------------|
| | | (यूएसडॉ./एमटी) | (यूएसडॉ./एमटी) | (यूएसडॉ./एमटी) | | |
| 1 | जियांग्सु चेंगडे स्टील ट्यूब शेयर कं. लिमिटेड, चीन जन.गण. | | | | | |
| | ए-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | ए-1-6 | **** | **** | (****) | (****) | |
| | ताइझोउ चेंगडे ट्यूब कं. लिमिटेड, चीन जन.गण. | | | | | |
| | ए-1-6 | **** | **** | **** | **** | |
| | भारित औसत | **** | **** | **** | **** | 0-10 |
| 2 | चांगझोउ चांगबाओ प्रिसिजिन ऐंड स्पेशल स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड, चीन जन.गण. | | | | | |
| | ए-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | ए-1-6 | **** | **** | **** | **** | |
| | जियांग्सु चांगबाओ प्रिसिजिन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड, चीन जन.गण. | | | | | |
| | ए-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | जियांग्सु चेंगबाओ स्टील ट्यूब लिमिटेड कं., चीन जन.गण. | | | | | |
| | ए-1-1 | **** | **** | (****) | (****) | |
| | ए-1-3 | **** | **** | (****) | (****) | |
| | भारित औसत | **** | **** | **** | **** | 0-10 |
| 3 | हेंगयांग वलिन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड, चीन जन.गण. | | | | | |
| | ए-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | ए-1-7 | **** | **** | (****) | (****) | |
| | हेंगयांग वलिन एमपीएम कं. लिमिटेड, चीन जन.गण. | | | | | |
| | ए-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | भारित औसत | **** | **** | **** | **** | 10-20 |
| 4 | अन्य उत्पादक और निर्यातक, चीन जन.गण | **** | **** | **** | **** | 25-35 |

ज. क्षति और कारणात्मक संबंध का आकलन**ज.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

54. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. वर्तमान मामला क्षति की पुनरावृत्ति का मामला है जिसमें घरेलू उद्योग को क्षति में शुल्क लागू होने से विगत वर्षों में कमी आई है परंतु घरेलू उद्योग की मात्रा और लाभप्रदता मापदंडों में भारी गिरावट के साथ जांच अवधि में उसकी पुनरावृत्ति हुई है।
- ख. आयातों की मात्रा में 2017-18 तक गिरावट आई है और 2018-19 में मामूली वृद्धि हुई है परंतु जांच अवधि के दौरान पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 176 प्रतिशत तक की भारी वृद्धि हुई है।

- ग. आयातों की मात्रा में उत्पादन और खपत की दृष्टि से 2018-19 तक गिरावट आई है परंतु जांच अवधि में 256 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 183 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- घ. कुल आयातों में संबद्ध आयातों के हिस्से में 2018-19 तक कमी आई है परंतु जांच अवधि में भारी वृद्धि हुई जबकि अन्य आयातों का हिस्सा कम हुआ है।
- ङ. यद्यपि बिक्री लागत में लगातार वृद्धि हुई है, तथापि घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमत में पाटित आयातों के मुकाबले अपने बाजार हिस्से को न गंवाने के लिए बिक्री कीमत को घटाना पड़ा है। इस प्रकार, पाटित आयातों में कीमत वृद्धि को रोका है और घरेलू उद्योग कीमतों को भी कम किया है।
- च. क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की क्षमता में वृद्धि हुई है तथापि उत्पादन और क्षमता उपयोग में केवल शुरुआत में वृद्धि हुई और जांच अवधि के दौरान गिरावट आई।
- छ. घरेलू उद्योग की बिक्री में भी 2018-19 तक वृद्धि हुई परंतु जांच अवधि के दौरान गिरावट आई और यह गिरावट मांग में गिरावट से काफी अधिक थी।
- ज. घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 2017-18 तक बढ़ा है परंतु उसके बाद कम हुआ है। जांच अवधि में इसमें गिरावट आई जबकि संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई।
- झ. घरेलू उद्योग की मालसूची काफी बढ़ गई और घरेलू उद्योग की मालसूची रखने की अवधि जांच अवधि के दौरान अधिकतम थी।
- ञ. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भी 2018-19 तक सुधार हुआ, परंतु जांच अवधि के दौरान उसके घाटों, नकद घाटों में पुनः वृद्धि हुई।
- ट. घरेलू उद्योग अपने निवेशों पर तर्कसंगत आय अर्जित करने में असमर्थ रहा है और यद्यपि इसकी आय में 2018-19 तक सुधार हुआ परंतु जांच अवधि में पुनः गिरावट आई।
- ठ. पाटित आयातों में घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित किया है।
- ड. घरेलू उद्योग की मात्रा और लाभप्रदता मापदंडों में 2018-19 तक सुधार हुआ है परंतु जांच अवधि में गिरावट आई।
- ढ. संबद्ध देश में उत्पादकों/निर्यातकों ने वर्तमान पाटनरोधी शुल्क के बावजूद भारत में संबद्ध वस्तु का लगातार पाटन किया है और शुल्क समाप्ति की स्थिति में इस पाटन के जारी रहने और तीव्र होने की संभावना है।
- ण. संबद्ध देश में उत्पादकों/निर्यातकों ने तीसरे देशों में भी संबद्ध वस्तु का पाटन किया है, कुल आयातों का 29 प्रतिशत पाटित कीमतों पर है और कुल आयातों का 17 प्रतिशत क्षतिकारी कीमत पर है।
- त. पाटित कीमतों पर तीसरे देशों के लिए निर्यात गणनाओं हेतु प्रतिवादियों की दलील के विपरीत चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य निर्यात के देश पर विचार किए बिना समान बना रहेगा, इसके अलावा इस प्रयोजनार्थ निर्यात कीमत हेतु समायोजन प्राधिकारी की प्रक्रिया के अनुसार है।
- थ. यह कि उत्पादक 175 देशों में से केवल 50 में पाटन कर रहे हैं, जिनको निर्यात असंगत हैं और यह तथ्य कि कुल आयातों का 29 प्रतिशत पाटित कीमतों पर है, विचारणीय है जो भारत में मांग का आधा हिस्सा है।
- द. घरेलू उद्योग द्वारा दावा किया पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन पीसीएन-वार सूचना पर आधारित है जबकि तीसरे देश के आकड़े सूचना के अभाव में औसत आधार पर दिए गए हैं। इस प्रकार, मार्जिन में अंतर हुआ है।

- ध. संबद्ध देश से निर्यात अनेक तीसरे देशों द्वारा लागू किए गए व्यापार उपचार उपायों के पहले से अधीन हैं जिससे भारत एक आकर्षक बाजार बन जाता है।
- न. पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है, जिनमें से एक प्रतिवादी निर्यातक ने शुल्क समाप्ति की स्थिति में और वृद्धि की संभावना जताई है।
- प. आयातों की मात्रा में शुल्क लागू होने के बावजूद मांग में वृद्धि की तुलना में अधिक वृद्धि हुई है।
- फ. प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा निर्यातों की मात्रा में शुल्क लागू होने के बावजूद क्षति अवधि में भी वृद्धि हुई है।
- ब. चीन में उत्पादकों के पास संबद्ध वस्तु की भारी उत्पादन क्षमताएं हैं जो कुल वैश्विक उत्पादन का लगभग 60 प्रतिशत है, जो भारत में मांग के 40 गुना से अधिक है, एक सबसे बड़ा चीन का उत्पादक टीपीसीओ 4 मिलियन एमटी से अधिक उत्पादन क्षमता रखता है।
- भ. दो प्रतिवादी उत्पादकों ने जांच अवधि के दौरान अपनी क्षमता को बढ़ाया है और अधिक उत्पादन इकाइयों के निर्माणाधीन होने के मौजूदा क्षमताओं में और अधिक वृद्धि की संभावना है।
- म. चीन जन.गण. में उत्पादकों ने केवल निर्यात उद्देश्य के लिए क्षमताएं स्थापित की हैं और भारत के लाभकारी बाजार होने के कारण शुल्क समाप्ति से आयात की मात्रा में वृद्धि होने की संभावना है।
- य. चीन जन.गण. में उत्पादकों के पास काफी अप्रयुक्त क्षमताएं हैं जो भारत में कुल मांग का 19 गुना है क्योंकि ऐसे उत्पादक केवल 68 प्रतिशत क्षमता पर कार्यरत हैं।
- कक. चीन जन.गण. में उत्पादक अत्यधिक निर्यातोन्मुखी हैं और वैश्विक रूप से निर्यातित समस्त स्टील और स्टील उत्पादों में उनका 15 प्रतिशत हिस्सा है।
- खख. ग्लोबल स्टील ट्रेड मॉनिटर में 2019 के दौरान चीन जन.गण. द्वारा निर्यातित स्टील और विशिष्ट स्टील उत्पादों का ब्यौरा है, उसमें विचाराधीन उत्पाद शामिल है।
- गग. संबद्ध देश में उत्पादक काफी मालसूची रखते हैं, जिसका अर्थ है कि वर्तमान शुल्क के कारण वे उत्पाद बेचने में असमर्थ हैं और यदि वर्तमान शुल्क हटाया गया तो उत्पादक भारत में पाटन करेंगे।
- घघ. भारत पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद चीन के उत्पादकों के लिए तीसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार है।
- ङङ. भारत चीन जन.गण. के निर्यातकों के लिए कीमत आकर्षक बाजार है जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि चीन जन.गण. के समस्त निर्यातों का 28 प्रतिशत ऐसी कीमतों पर है जो भारतीय कीमत से कम है और देश में कुल मांग का 48 प्रतिशत है।
- चच. संबद्ध आयातों ने क्षतिकारी कीमत पर भारतीय बाजार में प्रवेश किया है और यदि शुल्क हटाया जाता है, घरेलू उद्योग की क्षति में और अधिक वृद्धि होगी।
- छछ. बाजार में कीमत प्रतिस्पर्धा स्वस्थ बाजार की संकेतक है परंतु वर्तमान कीमत प्रतिस्पर्धा पाटित आयातों के कारण है जिससे घरेलू उद्योग कम कीमत पर प्रतिस्पर्धा के लिए बाध्य हुआ है और एक प्रतिकूल बाजार स्थिति बनी है।
- जज. नकारात्मक कटौती के कारण शुल्क हटाने के संबंध में डिजिटल ऑफ सेट प्रिंटिंग प्लेट मामले में प्राधिकारी के निष्कर्षों पर प्रतिवादियों का भरोसा निराधार है क्योंकि शुल्क को विभिन्न कारणों जैसे क्षति न होने या आर्थिक मापदंडों में गिरावट या पाटन और क्षति की कीमत प्रवृत्ति की संभावना सिद्ध करने वाले कारकों के बीच संबंध के अभाव के कारण हटाया गया था।

- झझ. प्रतिवादी उत्पादकों की निर्यात कीमत क्षति अवधि में लगातार कम हुई है और जांच अवधि में पाटनरोधी शुल्क के बावजूद यह न्यूनतम थी।
- जज. प्रतिवादियों की दलील के विपरीत घरेलू उद्योग ने अनुबंध-II के पैरा (vii) के अधीन प्रदत्त प्रत्येक कारक को सिद्ध किया है।
- टट. यह तथ्य कि घरेलू उत्पादक 70 प्रतिशत बाजार नियंत्रित करते हैं, संभावना के अभाव को नहीं दर्शाता है क्योंकि आकड़े बताते हैं कि संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाई है।
- ठठ. चूंकि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा है इसलिए यूनाइटेड स्टेट – मैक्सिको के ओसीटीजी पर पाटनरोधी उपाय मामले में अपीलिय निकाय द्वारा अवलोकन के अनुसार संभावित पाटन और संभावित क्षति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित करना आवश्यक नहीं है।
- डड. घरेलू उद्योग को किसी अन्य कारण से क्षति होने की संभावना नहीं है।
- ढढ. यद्यपि मांग में कोविड-19 के कारण जांच अवधि में गिरावट आई है तथापि, घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंडों में काफी अधिक गिरावट आई है।
- णण. प्राधिकारी के लिए डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार और यूएस-हॉट-रोल्ड स्टील मामले में अपीलिय निकाय के अनुसार “कारणात्मक संबंध” के बजाए संबद्ध आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच “कारणात्मक संबंध” की जांच करना अपेक्षित है।
- तत. वर्तमान शुल्क के लिए केवल संबद्ध देश जिम्मेदार हो सकता है क्योंकि अन्य आयातों की कीमत पूरी क्षति अवधि में कम रही थी और घरेलू उद्योग अपना बाजार हिस्सा बनाए रखने और लाभ में सुधार करने में सक्षम था। इसके अलावा, ऐसे अन्य आयातों की कीमत में जांच अवधि के दौरान 49 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है जबकि संबद्ध आयातों की कीमत केवल 3 प्रतिशत बढ़ी है।
- थथ. गैर संबद्ध देशों जैसे यूएसए, यूक्रेन और यूई से आयातों की मात्रा में अधिकांशतः डिफेक्टिव या सैंकेंडरी ग्रेड या स्टॉक लॉट के आयात शामिल हैं जो स्वाभाविक रूप से अपनी घटिया गुणवत्ता के कारण संबद्ध वस्तु से कम कीमत के हैं। इसके अलावा, यद्यपि घरेलू उद्योग का दावा है कि इन देशों से आयात डिफेक्टिव्स के हैं, तथापि, उसने संबद्ध वस्तु के आयात आंकड़ों को प्राइम ग्रेड और गैर-प्राइम ग्रेड में वर्गीकृत नहीं किया है। घरेलू उद्योग का दावा है कि गैर-प्राइम ग्रेड की वस्तुएं भी विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल हैं। इसके अलावा, यद्यपि घरेलू उद्योग अन्य आयातों अर्थात् डिफेक्टिव्स और गैर-प्राइम ग्रेड संबद्ध वस्तुओं से अपने प्रचालन पर पड़ने वाले बुरे प्रभाव को स्वीकार करता है, तथापि उसने यह भी बताया है कि जांच अवधि के दौरान क्षति के लिए फिर भी संबद्ध आयात जिम्मेदार हैं, क्योंकि अन्य स्रोतों से डिफेक्टिव के आयात पूरी क्षति अवधि में कम कीमत पर थे और ऐसे आयातों की कम कीमत के बावजूद घरेलू उद्योग अपने बाजार हिस्से को बनाए रखने और लाभप्रदता में सुधार करने में सक्षम रहा है। तथापि, घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में संबद्ध आयातों में वृद्धि के समय जांच अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि यद्यपि अन्य आयातों की कीमत में जांच अवधि के दौरान 49 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है तथापि संबद्ध आयातों की कीमत केवल 3 प्रतिशत बढ़ी है।
- दद. प्राधिकारी के लिए जांच अवधि और क्षति अवधि हेतु घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर क्षति की जांच करना अपेक्षित है और पूर्ववर्ती जांच में घरेलू उद्योग की स्थिति प्रासंगिक नहीं है। किसी भी प्रकार से घरेलू उद्योग को पूर्ववर्ती जांच में क्षति हुई थी और शुल्क लागू होने से उसके कार्य-निष्पादन में सुधार हुआ है।
- धध. जांच अवधि में आईएसएमटी लिमिटेड को क्षति की पुनरावृत्ति पाटित आयातों में वृद्धि के साथ हुई है जबकि 2018-19 तक उसके कार्य-निष्पादन में सुधार स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यह क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है और किसी अंतर-निहित अकुशलता के कारण नहीं हुई है।

- नन. प्राधिकारी के लिए घरेलू उद्योग की ऐसी अंतर-निहित विशेषताओं जो अपरिवर्तित रही हैं, के संबंध में गैर-आरोपण विश्लेषण करना अपेक्षित नहीं है, जैसाकि ईयू – बायोडीजल मामले में अपीलीय निकाय ने माना है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को क्षति को यथा-स्थिति रूप में माना जाना चाहिए, जैसाकि निपोन जिओन कं. लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में सेस्टेट ने माना था और यूएसए तथा जापान से एनिलीन, चीन जन.गण. और चीनी ताईपेई से केबल टाइज, चीन जन.गण. और कोरिया गणराज्य से कास्टि सोडा, ईयू, ईरान, इंडोनेशिया और जापान से मेलामाइन और जापान और रूस से थैलिक एनहाइड्राइड से संबंधित जांच में प्राधिकारी ने स्वीकार किया है।
- पप. प्रतिवादियों की दलील के विपरीत जिंदल साँ लिमिटेड को भी क्षति हुई है और उसके आर्थिक मापदंडों में गिरावट आई है।
- फफ. यद्यपि आईएसएमटी के विरुद्ध राष्ट्रीय कानून कंपनी न्यायाधिकरण, मुंबई के समक्ष शोधन अक्षमता कार्रवाई के लिए याचिका दायर की गई है, तथापि उसे स्वीकृत करने से पहले उसे वापस ले लिया गया था। इसके अलावा, शुल्क लागू होने के बाद आईएसएमटी के कार्य-निष्पादन में सुधार हुआ है परंतु कुछ समय से भारी घाटे के कारण वे अपने बकायों को नहीं चुका पाए जिसे परिणामस्वरूप ऐसी कार्यवाही हुई।
- बब. प्रतिवादियों की दलील के विपरीत आयातों की मात्रा में कोविड-19 के परिणामस्वरूप गिरावट आई है। यदि इस अवधि को हटा दिया जाए तो 2019-20 में आयातों की मात्रा में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत तक बिक्री में गिरावट के मुकाबले 210 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।
- भभ. घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन पर कोविड-19 के प्रभाव को अलग करने से पता चलेगा कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से क्षति हुई है।

ज.2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

55. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. घरेलू उद्योग ने स्वयं जांच अवधि के लिए भारत को चीन से संबद्ध वस्तु के निर्यातों हेतु नकारात्मक पाटन और क्षति मार्जिन नोट किया है। चीन जन.गण. से आयातों के कारण कीमत कटौती भी वर्तमान निर्णायक समीक्षा की जांच अवधि के दौरान नकारात्मक रही थी। अतः यह स्पष्ट है कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु उचित कीमत पर आयातित हो रही है।
- ख. सकारात्मक और स्पष्ट आर्थिक मापदंड याचिकाकर्ताओं द्वारा आयात के कारण वार्षिक क्षति के निराधार आरोप को गलत बताते हैं।
- ग. चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा में मूल जांच से समग्र गिरावट आई है। चीन जन.गण. से आयात मूल जांच की पीओआई में 2,30,850 एमटी से घटकर वर्तमान जांच की पीओआई (वार्षिकीकृत) में 73,628 एमटी रह गये हैं। वर्तमान निर्णायक जांच की क्षति जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. से आयात किसी भी वर्ष में मूल जांच में जांच अवधि के दौरान आयातों से अधिक नहीं रहे हैं।
- घ. जियांग्सु चेंगडे और ताइझाऊ चेंगडे द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु की मात्रा कम रही है और चीन जन.गण. से कुल निर्यातों में उसका मामूली हिस्सा है। जिंग्यासु चेंगडे और ताइझाऊ चेंगडे से कुल आयात मात्रा जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. से कुल आयातों के 10 प्रतिशत से कम है। इसके अलावा, जियांग्सु चेंगडे और ताइझाऊ चेंगडे से आयात 2018 से स्थिर रहे हैं और संबद्ध वस्तु के आयातों में कोई तीव्र वृद्धि नहीं हुई है।
- ड. चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु की आयात मात्राएं गैर-संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की तुलना में काफी कम रही है। इसकी प्रकार, गैर-संबद्ध देशों से आयात कीमत चीन जन.गण. से आयात कीमत की तुलना में काफी कम रही है।

- च. घरेलू उद्योग के महत्वपूर्ण मात्रा संबंधी मापदंड जैसे कुल क्षमता, कुल बिक्री और कुल उत्पादन में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई (वार्षिकीकृत) में वृद्धि से घरेलू उद्योग के मात्रात्मक मापदंडों में स्पष्ट सुधार प्रदर्शित होता है।
- छ. अन्य उत्पादकों को बिक्री में क्षति अवधि में सुधार हुआ। तथापि, जांच अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री में तेजी से गिरावट आई है।
- ज. घरेलू उद्योग मूल जांच से घरेलू मांग में अपने बाजार हिस्से में काफी सुधार करने में सक्षम रहा है। भारतीय उत्पादकों का बाजार हिस्सा वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में समग्र रूप से 72.05 प्रतिशत हो गया है जबकि मूल जांच में यह केवल 48 प्रतिशत था। इसी प्रकार, गैर-संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा मूल जांच में 8 प्रतिशत से बढ़कर वर्तमान जांच अवधि में 17 प्रतिशत हो गया है। इसी के साथ-साथ चीन जन.गण. से आयातों का बाजार हिस्सा मूल जांच में 43 प्रतिशत से घटकर वर्तमान जांच अवधि में 10.95 प्रतिशत रह गया है।
- झ. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लाभ में वृद्धि हुई है। पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में लाभ में गिरावट कोविड-19 लॉकडाउन के कारण हुई है।
- ञ. आवेदकों ने अपनी बिक्री कीमत में गिरावट का दावा करते हुए अतर्कसंगत और गुमराह करने वाले विवरण दिए हैं जबकि उनकी बिक्री कीमत और प्रति ईकाई पीबीआईटी में जांच अवधि में क्रमशः *** एमटी और *** एमटी की वृद्धि हुई है।
- ट. घरेलू उद्योग के नकद लाभ में गिरावट कोविड-19 के कारण हुई थी।
- ठ. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उसे क्षति की पुनरावृत्ति का सामना करना पड़ रहा है। क्षति की पुनरावृत्ति का मामला तब बनता जब जांच अवधि के दौरान क्षति की पुनरावृत्ति हुई हो और शुल्क समाप्त होने से क्षति बढ़ सकती हो। सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार निर्णायक समीक्षा जांच पाटनरोधी शुल्क को हटाए जाने पर घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति की संभावना तक सीमित रहती है। जांच अवधि के दौरान क्षति की पुनरावृत्ति का विश्लेषण अपेक्षित करने वाला कोई कानूनी मानक नहीं है। प्राधिकारी के लिए ऐसा अतिरिक्त विश्लेषण करने की कोई अपेक्षा नहीं हो सकती है जब रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना दर्शाती है कि पाटन और क्षति के जारी रहने की कोई संभावना नहीं है।
- ड. क्षति की कोई संभावना नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में सुधार हुआ है और जांच को आगे जारी रखने से पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 11.1 और सीमा शुल्क टैरिफ नियमावली 1995 के नियम 23(1) की भावना का उल्लंघन होगा।
- ढ. आवेदकों ने क्षति की संभावना के केवल आरोप लगाए हैं और अनुबंध-II के पैरा (vii) में उल्लिखित चार कारकों में से किसी को भी सिद्ध करने में विफल रहे हैं। इसके अलावा, पाटन या क्षति के जारी रहने या पुनरावृत्ति होने की संभावना का भी साक्ष्य नहीं है, जैसा नीचे देखा जा सकता है:
- विशेष क्षमताओं का अर्थ घरेलू मांग से अधिक क्षमता नहीं हो सकता है बल्कि इसका अर्थ घरेलू और वैश्विक मांग को पूरा करने के बाद बची हुई अप्रयुक्त क्षमता है।
 - यह दावा कि चीन के पास 24 मिलियन एमटी उत्पादन क्षमता है, स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि यह आकड़े केवल 2017 तक के हैं और अद्यतन नहीं हैं। इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं द्वारा भरोसा की गई रिपोर्ट में ऐसे आकड़े निर्धारित करने में प्रयुक्त इकाइयों का उल्लेख नहीं है।
 - यह दावा कि टीपीसीओ के पास 4 मिलियन एमटी क्षमता है, असंगत है क्योंकि यह स्पष्ट नहीं है कि क्या टीपीसीओ का इतिहास भारत को निर्यात का है और उसने क्षति अवधि के दौरान भारत को निर्यात किया है। उत्पादकों के पास उपलब्ध क्षमताओं का प्रस्तुत सूचना से सत्यापन होना चाहिए और अधिशेष क्षमताओं की केवल मौजूदगी के निराधार दावों को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए, जैसा कि इंडियन स्पिनर्स एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में सेस्टेट ने माना था।

- iv. चीन जन.गण., इंडोनेशिया, थाइलैंड और यूएई से प्लेन जिप्सम प्लास्टर के मामले में प्राधिकारी ने माना था कि केवल अधिशेष क्षमताओं की मौजूदगी पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना के निष्कर्ष हेतु पर्याप्त नहीं हो सकती है।
- v. पांच वर्ष के लिए शुल्क लागू होने से चीन जन.गण. के उत्पादकों ने वैकल्पिक बाजार में पांव जमा लिए हैं और इस प्रकार, भारत में निर्यात करने की उनकी कोई इच्छा नहीं है। इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं ने निराधार दावे किए हैं कि चीन जन.गण. से कुल 77 प्रतिशत आयात भारत को कम कीमत पर हुआ है जिसका कोई आधार नहीं है।
- vi. चीन जन.गण. में उत्पादकों की क्षमता में 2014 से निरंतर गिरावट आ रही है।
- vii. चीन जन.गण. में उत्पादकों के लिए भारत एक प्रमुख बाजार नहीं है क्योंकि भारत को निर्यात 7 प्रतिशत से कम है, जबकि अन्य देशों को निर्यात काफी अधिक हैं।
- viii. याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि चीन जन.गण. के पास 24 मिलियन एमटी क्षमता है जबकि तीसरे देश के पाटन और क्षति मार्जिन विवरण के अनुसार निर्यातों की मात्रा केवल 16,58,947 एमटी है जो भारत को निर्यातों का केवल 7 प्रतिशत है। इसका अर्थ है कि उत्पाद की खपत अधिकांश: घरेलू रूप से हो जाती है और उत्पादक निर्यातोनमुख नहीं है।
- ix. याचिकाकर्ताओं ने ग्लोबल स्टील ट्रेड मॉनिटर की रिपोर्ट पर भरोसा किया है जिसमें चीन जन.गण. से स्टील के कुल निर्यात दर्शाए गए हैं जो असंगत हैं क्योंकि विचाराधीन उत्पाद स्टील नहीं है।
- x. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आकड़े स्वयं स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि चीन जन.गण. से कम से कम 71 प्रतिशत निर्यात गैर-पाटित कीमत पर तीसरे देशों को किए गए हैं और चीन जन.गण. से 83 प्रतिशत निर्यात गैर-क्षतिकारी कीमत पर हुए हैं। चूंकि तीसरे देशों को चीन जन.गण. से अधिकांश निर्यात अपाटित और गैर-क्षतिकारी उचित कीमत पर हुए हैं, इसलिए चीन जन.गण. से निर्यात के कारण पाटन या क्षति की संभावना नहीं हो सकती है।
- xi. याचिकाकर्ताओं ने भारत में सामान्य मूल्य का प्रयोग करके और निवल निर्यात कीमत की गणना में समायोजनों का खुलासा किए बिना पाटित कीमतों पर तीसरे देशों को निर्यात का गलत परिकलन किया है। इसके अलावा, चीन जन.गण. द्वारा निर्यात के 175 देशों में से केवल 50 देशों में पाटन मार्जिन सकारात्मक है।
- xii. याचिकाकर्ताओं के दावे के अनुसार, कड़ी कीमत प्रतिस्पर्धा की मौजूदगी एक स्वस्थ बाजार का मूल तत्व है जो उपभोक्तों को अधिक विकल्प देता है तथा प्रतिस्पर्धा से बचना प्रतिस्पर्धारोधी कार्यों में शामिल होने के बराबर है, यह शुल्क जारी रखने का आधार नहीं हो सकता है।
- xiii. 70 प्रतिशत बाजार हिस्सा भारतीय उत्पादकों द्वारा नियंत्रित है। प्रकार क्षति की कोई संभावना नहीं है।
- ण. घरेलू उद्योग ने चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु पर विभिन्न तीसरे देशों द्वारा लागू व्यापार उपचार उपायों की पहचान की है तथापि घरेलू उद्योग द्वारा अभिज्ञात अनेक उपाय वर्ष 2017 में या उससे पहले लगाए गए हैं। 2017 या उससे पहले लागू इन उपचारात्मक उपायों से कोई प्रभाव क्षति जांच अवधि के दौरान स्पष्ट नहीं है। अतः 2017 या उससे पहले लागू उपचारात्मक उपायों के कारण तीसरे देशों से निर्यातों को हटाकर भारत भेजने की आशंका अव्यावहारिक है।
- त. चीन में उत्पादकों द्वारा अधिक अप्रयुक्त उत्पादन क्षमता रखे जाने और 68 प्रतिशत पर प्रचालन करने संबंधी घरेलू उद्योग के आरोप अतर्कसंगत और निराधार हैं क्योंकि उत्पादक अपनी 90-95 प्रतिशत क्षमता पर कार्य कर रहे हैं। इस प्रकार, भारत को संबद्ध वस्तु के निर्यातों में वृद्धि के लिए अप्रयुक्त क्षमता का प्रयोग करने की कोई गुंजाइश नहीं है।

- थ. जांच अवधि के दौरान भारत को चांगबाओ ग्रुप के निर्यातों की कम मात्रा स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि इनसे घरेलू उद्योग को किसी प्रकार से क्षति नहीं हो रही है।
- द. आरंभिक याचिका में कीमत कटौती की रेंज 1-10 प्रतिशत थी परंतु अद्यतन याचिका में कटौती नकारात्मक थी जिसका अर्थ है कि इस अवधि में घरेलू उद्योग की स्थिति में सुधार हुआ है और आगे क्षति की कोई संभावना नहीं है।
- ध. यदि प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देश से निर्यात के कारण क्षति की संभावना है तो जियांग्सु चेंगडे और ताइझाऊ चेंगडे के लिए क्षति की संभावना का अलग अलग आकलन करना आवश्यक है। प्राधिकारी के लिए निर्णायक समीक्षा में अलग-अलग निर्यातकों या उत्पादकों के लिए अलग संभावना निर्धारण करना अमान्य नहीं है और तत्पश्चात उस कंपनी के निर्धारण के अनुसार प्रत्येक कंपनी के लिए संगत शुल्क जारी रखना या समाप्त करना पूर्व निर्धारित नहीं है। निर्यातकों के पास ऐसी कोई अतिरिक्त क्षमताएं नहीं हैं जिन्हें शुल्क समाप्त होने पर भारत भेजे जाने की संभावना है। निर्यातकों द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु की मात्रा कम रही है और जियांग्सु चेंगडे तथा ताइझाऊ चेंगडे का संयुक्त हिस्सा चीन जन.गण. से कुल निर्यात में मामूली है।
- न. आयातों की मात्रा में घरेलू उद्योग की सीमित क्षमता और घटती हुई उत्पादन मात्रा के कारण बाजार में मांग-आपूर्ति के अंतर को पाटने के लिए वृद्धि की गई थी।
- प. आयातों की मात्रा और घरेलू उद्योग की बिक्रियों के बीच कोई सह-संबंध नहीं है क्योंकि ये एक साथ नहीं रहे हैं और इनमें अलग-अलग उतार-चढ़ाव हुआ है। यदि इन आयातों से घरेलू उद्योग की बिक्री और बाजार हिस्सा प्रभावित हुआ होता तो आयातों में वृद्धि के साथ इनमें गिरावट आई होती।
- फ. यह देखा जा सकता है कि जांच अवधि में आयात का हिस्सा आधार वर्ष की तुलना में कम हुआ है; चीन जन.गण. से आयात कीमत में लगातार वृद्धि हुई है जबकि यूएई, यूएसए और यूक्रेन से आयात कीमत चीन जन.गण. से कम रही है; अन्य देशों से आयात चीन जन.गण. से आयातों की तुलना में काफी अधिक हैं और इसलिए घरेलू उद्योग को क्षति की संभावना का कारण हो सकते हैं; अन्य देशों का बाजार हिस्सा चीन जन.गण. के बाजार हिस्से से अधिक था।
- ब. घरेलू उद्योग यह दावा करने के लिए तीसरे देशों से आयातों में से गैर-प्राइम ग्रेड के आयातों की पहचान नहीं कर सकता है क्योंकि उनसे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है। अन्य देशों से आयातों के कारण क्षति और गैर-संबद्ध देशों से आयातों के कारण क्षति के लिए चीन जन.गण. से आयातों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।
- भ. यद्यपि घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि यूएसए, यूक्रेन और यूएई से आयात त्रुटिपूर्ण हैं, तथापि उसने संबद्ध वस्तु के आयात आंकड़ों को प्राइम ग्रेड और गैर-प्राइम ग्रेड में वर्गीकृत नहीं किया है। गैर-प्राइम ग्रेड की वस्तुएं विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल हैं। घरेलू उद्योग ने मूल जांच में इन ग्रेडों को बाहर रखने का विरोध किया था। प्राधिकारी को जांच करनी चाहिए कि तीसरे देशों से आयात के कारण हुई क्षति के लिए चीन जन.गण. से आयातों को जिम्मेदार न ठहराया जाए।
- म. नकारात्मक कटौती स्पष्ट रूप से सिद्ध करती है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध आयातों से कोई क्षति नहीं हो रही है। डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स मामले में, प्राधिकारी ने कटौती के आधार पर शुल्क समाप्त करने की सिफारिश की थी।
- य. प्रमुख उत्पादकों (i) जिंदल साँ लिमिटेड, (ii) आईएसएमटी लिमिटेड और (iii) महाराष्ट्र सीमलेस लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्टों के पठन से यह स्पष्ट है कि आईएसएमटी लिमिटेड को भारी घाटा हुआ है जबकि अन्य भारतीय उत्पादकों को काफी लाभ हुआ है।
- कक. एमएसएल विचाराधीन उत्पाद का प्रमुख उत्पादक है और कुल भारतीय उत्पादन में उसका 75 प्रतिशत हिस्सा है। यदि संबद्ध देशों से आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं तो उससे सभी उत्पादक प्रभावित होने चाहिए परंतु केवल आईएसएमटी प्रभावित हुआ है चूंकि जिंदल साँ के पास कुल उत्पादन में काफी कम हिस्सा है, इसलिए दोनों का अवसर गिरावट दर्शा रहा है।

- खख. आईएसएमटी की 2019-20 की वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि आबद्ध विद्युत संयंत्रों और पत्तन तथा विद्युत परियोजनाओं में भारी निवेश के कारण उसे घाटा हुआ था। इसके अलावा, उसने बारामति संयंत्र की क्षमता बढ़ाने के लिए भी निवेश किया था, जो अल्पप्रयुक्त है। तथापि, अन्य अन्य दो उत्पादकों ने लाभ कमाया है। आईएसएमटी एकमात्र उद्योग है जो अन्य कारणों की वजह से घाटा उठा रहा है और चीन जन.गण. से आयातों के कारण घाटा नहीं हुआ है।
- गग. आईएसएमटी 2012-13 से घाटा उठा रहा है जबकि अन्य याचिकाकर्ता लाभ कमा रहे हैं। 2012-13 के लिए आईएसएमटी की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी को अधिक उधारी और अधिक ब्याज दर की वित्तीय लागत के कारण घाटा हुआ था जिससे घरेलू बाजार की स्थिति प्रभावित हुई और अनिश्चित आर्थिक स्थितियां उत्पन्न हुई।
- घघ. बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने आईएसएमटी लिमिटेड के विरुद्ध कारपोरेट शोधन अक्षमता समाधान प्रक्रिया की (सीआईआरपी) शुरू की थी और उन्हें दिवालिया घोषित किया था। वे शुल्क लागू होने के बावजूद अब भी घाटा उठा रहे हैं जिससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि चीन जन.गण. से आयात उनके घाटे का कारण नहीं हैं।
- ङङ आईएसएमटी की 2019-20 की वार्षिक रिपोर्ट भी दर्शाती है कि घाटा ऑटो सेक्टर में मंदी, केपेक्स साइकिल में मंदी, बाजार की खराब स्थिति और कोविड-19 के कारण संयंत्र प्रचालन के स्थायी रूप से बंद होने के कारण हुआ था। आईएसएमटी शटडाउन के कारण हुए घाटों की वसूली के लिए चीन जन.गण. से आयातों को प्रतिबंधित करने का प्रयास कर रहा है। इसके अलावा, कंपनी के ऋण के पुनर्गठन में देरी से भी लगातार घाटा हुआ है।
- चच. 2010 में समाप्त दूसरी तिमाही के अलेखा परीक्षित वित्तीय परिणामों के अनुसार जिंदल साँ लिमिटेड को भी कोविड-19 लॉकडाउन के कारण घाटा हुआ है। कोविड-19 लॉकडाउन के कारण याचिकाकर्ताओं के कार्य-निष्पादन में गिरावट आई थी, इससे सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग को आयातों के कारण क्षति नहीं हुई है।
- छछ. घरेलू उद्योग के उत्पादन में कोविड-19 के कारण गिरावट आई है। जैसा कि घरेलू उद्योग ने आवेदन में स्वीकार किया था।
- जज.. कोविड-19 के कारण कम मांग और उत्पादकता, प्रचालन और आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और ऋण बाजार में संभावित मंदी और जनशक्ति के स्वास्थ्य ने घरेलू उद्योग को प्रभावित किया है।
- झझ. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि है, उनकी उच्चतम वृद्धि 2017-18 में हुई थी और निर्यातों में भी वृद्धि हुई थी। तथापि जांच अवधि के दौरान बिक्रियों में आयातों के बजाए कोविड-19 के कारण गिरावट आई थी।
- ञञ. प्राधिकारी को यह सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत सत्यापन करना चाहिए कि लागत केवल विचाराधीन उत्पाद के लिए आबंटित है और क्षति-रहित कीमत को बढ़ाया नहीं गया है क्योंकि घरेलू उद्योग गैर-पीयूसी का भी उत्पादन करता है।

ज.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

56. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और प्रति-तर्कों को नोट किया है। प्राधिकारी द्वारा निम्नानुसार किया गया क्षति विश्लेषण हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का समाधान करता है।
57. अनुबंध-II के साथ पठित नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में "... पाठित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी."।

58. इस नियमावली के नियम 23 में प्रावधान है कि नियम 6,7,8,9,10,11,16,18,19 और 20 के प्रावधान आवश्यक परिवर्तनों सहित समीक्षा के मामले में लागू होंगे। यदि घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन यह दर्शाता हो कि इसे क्षति की वर्तमान अवधि के दौरान क्षति नहीं हुई है तब प्राधिकारी इस तथ्य का निर्धारण करेंगे कि क्या वर्तमान शुल्क को समाप्त किए जाने के कारण घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है।
59. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को डिफेक्टिव्स सहित अन्य आयातों के प्रभाव के कारण क्षति हुई है। प्रतिवादी पक्षकारों ने बताया है कि प्राधिकारी को यह जांच करनी चाहिए कि घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले आयात तीसरे देशों से संबद्ध वस्तु के डिफेक्टिव और गैर-प्राइम ग्रेड के आयात हैं जिनके लिए चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि घरेलू उद्योग अन्य आयातों के अपने प्रचालन पर प्रतिकूल प्रभाव को स्वीकार करता है, तथापि उसने यह भी बताया है कि पीओआई के दौरान क्षति संबद्ध देश से संबद्ध आयातों के कारण हुई है क्योंकि अन्य स्रोतों से डिफेक्टिव के आयात पूरी क्षति अवधि के दौरान कम कीमत के थे और ऐसे आयातों की कम कीमत के बावजूद घरेलू उद्योग अपना बाजार हिस्सा बनाए रखने और लाभप्रदता में सुधार करने में सक्षम रहा है। दूसरी ओर, जब संबद्ध देश से संबद्ध आयातों में वृद्धि हुई तो पीओआई के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में भारी गिरावट आई है। प्राधिकारी ने इन पहलुओं की जांच की है और उनका विचार है कि चूंकि पीओआई के दौरान आयातों के प्रतिकूल प्रभावों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, इस अर्थ है कि इस क्षति के लिए डिफेक्टिव्स और गैर-प्राइम ग्रेड के आयातों को उत्तरदायी नहीं माना जा सकता है जिनमें भारी कीमत वृद्धि देखी गई है।
60. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से आयातों के कारण पाटन और क्षति की संभावना संबंधी पहलुओं की जांच की कार्यवाई के पहले घरेलू उद्योग को वर्तमान क्षति, यदि कोई हो, की जांच की है। इस बात की जांच की गई है कि क्या आयातों में समग्र रूप से अथवा उत्पादन या खपत की दृष्टि से वृद्धि हुई है। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करने में इस बात की जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमत में भारी कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी अधिक बढ़ गई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन पर विचार किया गया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अनुरोधों को नोट किया है और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों तथा लागू कानूनों पर विचार करते हुए विश्लेषण किया है। प्राधिकारी द्वारा निम्नानुसार क्षति विश्लेषण में पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का वस्तुतः समाधान किया गया है।

झ. मांग/स्पष्ट खपत का आकलन

61. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ भारत में विचाराधीन उत्पाद की मांग और खपत को घरेलू उद्योग तथा अन्य भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों और सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में लिया है। इस प्रकार आकलित मांग नीचे तालिका में दी गई है:

| विवरण | यूनिट | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | पीओआई | |
|---------------------|----------|---------|---------|---------|----------|-------------|
| | | | | | वास्तविक | वार्षिकीकृत |
| घरेलू उद्योग | एमटी | **** | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 157 | 155 | 119 | 119 |
| अन्य भारतीय उत्पादक | एमटी | **** | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 140 | 171 | 150 | 150 |
| संबद्ध आयात | एमटी | 36,065 | 24,458 | 26,722 | 1,10,442 | 73,628 |
| अन्य आयात | एमटी | 42,902 | 85,806 | 78,156 | 1,71,483 | 1,14,322 |

| मांग | एमटी | **** | **** | **** | **** | **** |
|-----------|----------|------|------|------|------|------|
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 147 | 158 | 154 | 154 |

62. यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तु की मांग में संपूर्ण क्षति अवधि में निरंतर वृद्धि हुई है और जांच अवधि के दौरान मामूली गिरावट आई है। आवेदक ने बताया है कि यह गिरावट कोविड-19 महामारी के कारण आई है और अस्थायी है।

II. पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

63. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी के लिए यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सौदा-वार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु की आयात मात्राएं और क्षति जांच अवधि के दौरान पाटित आयातों का हिस्सा निम्नानुसार है:

| विवरण | यूनिट | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | पीओआई | |
|------------------------------|-------|---------|----------|----------|----------|-------------|
| | | | | | वास्तविक | वार्षिकीकृत |
| संबद्ध आयात | एमटी | 36,065 | 24,458 | 26,722 | 1,10,442 | 73,628 |
| अन्य आयात | एमटी | 42,902 | 85,806 | 78,156 | 1,71,483 | 1,14,322 |
| कुल | एमटी | 78,967 | 1,10,264 | 1,04,878 | 2,81,924 | 1,87,950 |
| निम्नलिखित के संबंध में आयात | | | | | | |
| घरेलू उत्पादन | % | **** | **** | **** | **** | **** |
| खपत | % | **** | **** | **** | **** | **** |
| कुल आयात | % | 45.67 | 22.18 | 25.48 | 39.17 | 39.17 |

64. यह देखा गया है कि:

- संबद्ध आयातों की मात्रा में 2017-18 में कमी आई, परंतु 2018-19 में मामूली वृद्धि हुई। तथापि, आयातों में जांच अवधि में भारी वृद्धि हुई है।
- घरेलू उत्पादन और खपत की दृष्टि से संबद्ध आयातों में 2017-18 में भी गिरावट आई और 2018-19 में मामूली वृद्धि हुई और तत्पश्चात, जांच अवधि में भारी वृद्धि हुई।
- कुल आयातों में संबद्ध आयातों का हिस्सा 2017-18 में घट गया, परंतु उसके बाद और जांच अवधि में इसमें वृद्धि हुई।

III. पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

65. इस नियमावली के अनुबंध II (ii) के अनुसार कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती की गई है, या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में भारी कमी करता है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी बढ़ गई होती। इस संबंध में, संबद्ध देश से आयातों की पहुंच कीमत और संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के बीच तुलना की गई है।

क. कीमत कटौती

66. कीमत कटौती निर्धारित करने हेतु उत्पाद के पहुंच मूल्य और घरेलू की औसत बिक्री कीमत, सभी छूटों और करों का निवल, व्यापार के समान स्तर पर तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमत को कारखानाद्वारा स्तर पर निर्धारित किया गया है। उचित तुलना सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकारी ने पीसीएन-वार कीमत कटौती परिकल्पित की है।

| विवरण | यूनिट | पीओआई |
|----------------------|----------|--------|
| निवल बिक्री प्राप्ति | रु./एमटी | **** |
| आयातों की पहुंच कीमत | रु./एमटी | 79,557 |
| कीमत कटौती | रु./एमटी | **** |
| कीमत कटौती | % | **** |
| कीमत कटौती | रेंज | 0-10 |

67. यह नोट किया जाता है कि कीमत कटौती जांच अवधि में संबद्ध देश के लिए मामूली रूप से सकारात्मक है।

ख. कीमत न्यूनीकरण/हास

68. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयातों का प्रभाव कीमतों में भारी कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है, जो सामान्यतः बढ़ गई होती, क्षति अवधि के दौरान लागत और कीमतों में बदलावों के लिए घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना की तुलना वांछित प्रभाव देखने हेतु पहुंच मूल्य के साथ की गई है।

| विवरण | यूनिट | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | पीओआई |
|-------------|----------|---------|---------|---------|--------|
| बिक्री लागत | रु./एमटी | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 91 | 108 | 110 |
| बिक्री कीमत | रु./एमटी | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 107 | 129 | 122 |
| पहुंच कीमत | रु./एमटी | 51,013 | 65,592 | 78,296 | 79,557 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 129 | 153 | 156 |

69. यह नोट किया जाता है कि बिक्री लागत और बिक्री कीमत दोनों में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और बिक्री कीमत में वृद्धि लागत में वृद्धि से तुलनीय है। तथापि, यह देखा गया है कि बिक्री लागत में 2017-18 में गिरावट आई परंतु उसके बाद वृद्धि हो रही है। तुलनात्मक रूप से बिक्री कीमत में 2018-19 तक वृद्धि हुई है, परन्तु जांच अवधि में गिरावट आई। इसके अलावा, आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से कम बनी रही है। इस प्रकार, आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में गिरावट आई है।

IV. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

70. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुनिष्ठ जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों से घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में नियमावली में यह भी व्यवस्था है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, जिनमें

बिक्री में वास्तविक और संभावित गिरावट लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, नियोजित पूंजी पर आय या क्षमता उपयोग में गिरावट; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन की मात्रा और मार्जिन, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल होना चाहिए। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर नीचे चर्चा की गई है:

क. उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा

71. क्षति अवधि के दौरान क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन निम्नानुसार है:

| विवरण | यूनिट | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | पीओआई | |
|-----------------|----------|---------|---------|---------|----------|-------------|
| | | | | | वास्तविक | वार्षिकीकृत |
| क्षमता | एमटी | **** | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 104 | 115 | 115 | 115 |
| उत्पादन-संयंत्र | एमटी | **** | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 167 | 170 | 129 | 129 |
| उत्पादन-पीयूसी | एमटी | **** | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 167 | 170 | 127 | 127 |
| क्षमता उपयोग | % | **** | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 161 | 148 | 112 | 112 |
| घरेलू बिक्री | एमटी | **** | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 157 | 155 | 119 | 119 |

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

- घरेलू उद्योग की क्षमता में क्षति अवधि में वृद्धि हुई है।
- घरेलू उद्योग का उत्पादन और बिक्री 2018-19 तक बढ़े हैं परंतु जांच अवधि में उनमें कमी आई है।
- घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।
- यद्यपि संबद्ध वस्तु की मांग में केवल 3 प्रतिशत की गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों में 23 प्रतिशत की गिरावट आई है।

ख. बाजार हिस्सा

73. पाटित आयातों और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से की निम्नानुसार जांच की गई है:

| विवरण | यूनिट | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | पीओआई |
|--------------|-------|---------|---------|---------|-------|
| घरेलू उद्योग | % | **** | **** | **** | **** |
| अन्य उत्पादक | % | **** | **** | **** | **** |
| संबद्ध आयात | % | 8.25 | 3.81 | 3.87 | 10.95 |
| अन्य आयात | % | 9.81 | 13.36 | 11.31 | 17.00 |

74. यह देखा गया है कि संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में 2017-18 में गिरावट आई, परंतु उसके बाद वृद्धि हुई है और जांच अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 2017-18 में बढ़ा है परंतु उसके बाद उसमें भारी कमी आई है। समग्र रूप से भारतीय उद्योग के बाजार हिस्से में भी जांच अवधि के दौरान गिरावट आई। तथापि, अन्य आयातों के बाजार हिस्से में इस अवधि में वृद्धि हुई है।

ग. मालसूची

75. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची की स्थिति नीचे तालिका में दी गई है:

| विवरण | यूनिट | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | पीओआई |
|-----------------|----------|---------|---------|---------|-------|
| प्रारंभिक स्टॉक | एमटी | **** | **** | **** | **** |
| अंतिम स्टॉक | एमटी | **** | **** | **** | **** |
| औसत स्टॉक | एमटी | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 108 | 124 | 132 |

76. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की मालसूची में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है, जिससे पता चलता है कि घरेलू उद्योग मालसूची में संग्रहण से ग्रस्त है।

घ. लाभप्रदता, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय

77. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लाभ, नियोजित पूंजी पर और नकद लाभ नीचे तालिका में दिए गए हैं:

| विवरण | यूनिट | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | पीओआई | |
|---------------------|----------|---------|---------|---------|----------|-------------|
| | | | | | वास्तविक | वार्षिकीकृत |
| बिक्री लागत | रु./एमटी | **** | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 91 | 108 | 110 | 110 |
| बिक्री कीमत | रु./एमटी | **** | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 107 | 129 | 122 | 122 |
| लाभ / (हानि) | रु./एमटी | (****) | (****) | (****) | (****) | (****) |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | (100) | (14) | (4) | (46) | (46) |
| लाभ/ (हानि) | रु.लाख | (****) | (****) | (****) | (****) | (****) |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | (100) | (22) | (7) | (55) | (55) |
| नकद लाभ | रु.लाख | (****) | **** | **** | (****) | (****) |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | (100) | 36 | 62 | (17) | (17) |
| नियोजित पूंजी पर आय | % | (****) | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | (100) | 270 | 358 | 167 | 167 |

78. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को पूरी क्षति अवधि में घाटा उठाना पड़ा है। यद्यपि घाटों में 2018-19 तक गिरावट आई है। तथापि, जांच अवधि के दौरान उनमें भारी वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग को भी नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय में जांच अवधि के दौरान घाटा उठाना पड़ा है। घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान नकद घाटा उठाना पड़ा है तथा नियोजित पूंजी पर केवल नगण्य आय हुई है।

ख. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

79. प्राधिकारी ने रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता से संबंधित सूचना की निम्नानुसार जांच की है:

| विवरण | यूनिट | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | पीओआई | |
|--------------------------|----------|---------|---------|---------|----------|-------------|
| | | | | | वास्तविक | वार्षिकीकृत |
| कर्मचारियों की सं. | सं. | **** | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 106 | 113 | 111 | 111 |
| प्रतिदिन उत्पादकता | एमटी/दिन | **** | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 167 | 170 | 129 | 129 |
| प्रति कर्मचारी उत्पादकता | एमटी/सं. | **** | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 158 | 100 | 115 | 115 |
| मजदूरी | रु.लाख | **** | **** | **** | **** | **** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 122 | 149 | 162 | 162 |

80. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के कर्मचारियों की संख्या में 2018-19 तक वृद्धि हुई, परंतु जांच अवधि में गिरावट आई है जबकि कुल मजदूरी में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। यद्यपि प्रतिदिन उत्पादकता में 2018-19 तक वृद्धि हुई है, तथापि जांच अवधि के दौरान उत्पादन में गिरावट के कारण कमी आई है।

ग. वृद्धि

| विवरण | यूनिट | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | पीओआई |
|------------------------|-------|---------|---------|---------|-------|
| क्षमता | % | - | 4% | 11% | 0% |
| उत्पादन | % | - | 67% | 1% | -25% |
| घरेलू बिक्रियां | % | - | 57% | -1% | -23% |
| लाभ/(हानि) प्रति यूनिट | % | - | 86% | 68% | -945% |
| नकद लाभ | % | - | 136% | 71% | -128% |
| नियोजित पूंजी पर आय | % | - | 370% | 33% | -53% |

81. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के मात्रात्मक मापदंडों में आरंभ में वृद्धि हुई है, परंतु जांच अवधि में भारी गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के लाभप्रदता मापदंडों में भी पूर्ववर्ती वर्ष तक सुधार के पश्चात जांच अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है। इसके अलावा, पूरी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग घाटे में रहा है।

घ. पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

82. यह नोट किया जाता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग की क्षमता में वृद्धि हुई है, फिर भी उसे भारी घाटा और नियोजित पूंजी पर आय में गिरावट झेलनी पड़ी है, घरेलू उद्योग को नियोजित पूंजी पर बहुत थोड़ी सी आय हुई, यह दर्शाता है कि आयातों से घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता प्रभावित हुई है।

ड. कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और बिक्री कीमत से कम कम कीमत पर हुए हैं तथा घरेलू उद्योग को घाटे में संबद्ध वस्तु की बिक्री करनी पड़ी है। संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों में कमी की है। इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतें प्रभावित हो रही हैं।

च. पाटन की मात्रा

84. यह देखा गया है कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद भारत में संबद्ध वस्तु का पाटन जारी है।

V. क्षति का समग्र आकलन

85. संबद्ध देश से आयात और घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन की जांच से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि:
- i. संबद्ध देश से आयात की मात्रा में समग्र रूप से और उत्पादन और खपत की दृष्टि से वृद्धि हुई है।
 - ii. कीमत कटौती मामूली रूप से सकारात्मक है और घरेलू उद्योग आयातों की कीमत से प्रतिस्पर्धा कर रहा है।
 - iii. आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कमी आई है।
 - iv. घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग और बिक्रियों में 2018-19 तक वृद्धि हुई परंतु जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है।
 - v. भारतीय उद्योग का बाजार हिस्सा 2017-18 तक बढ़ा है परंतु जांच अवधि में अत्यधिक कम हो गया है, जबकि संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है।
 - vi. घरेलू उद्योग की मालसूची की मात्रा में भी क्षति अवधि में वृद्धि हुई है।
 - vii. घरेलू उद्योग के कर्मचारियों की संख्या और उत्पादकता में जांच अवधि में गिरावट आई है जबकि क्षति अवधि के दौरान कुल मजदूरी में वृद्धि हुई है।
 - viii. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता कम हो गई है और घरेलू उद्योग को घाटा और नकद घाटा हो रहा है।
 - ix. घरेलू उद्योग को नियोजित पूंजी पर नगण्य आय हो रही है।
 - x. घरेलू उद्योग की मात्रा और लाभप्रदता संबंधी मापदंडों की वृद्धि नकारात्मक है।
 - xi. आयातों ने घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित किया है।
 - xii. आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतें प्रभावित हो रही हैं।
 - xiii. पाटन मार्जिन सकारात्मक और काफी अधिक है।

86. पूर्वोक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

झ. पाटन और क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

87. प्राधिकारी अवलोकन करते हैं कि यह निर्णायक समीक्षा जांच है, इसलिए इस जांच का फोकस पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने पर पाटन और परिणामी क्षति के जारी रहने की संभावना की जांच करना है, चाहे वर्तमान में कोई क्षति ना हुई हो। इसमें यह विचार करना भी अपेक्षित है कि क्या लागू शुल्क पाटन के क्षतिकारी प्रभाव को समाप्त करने के अपने उद्देश्य को पूरा कर रहा है।

88. प्राधिकारी के ध्यान के आए सभी कारकों की जांच यह निर्धारित करने हेतु की गई है कि क्या शुल्क की समाप्ति की स्थिति में पाटन या क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। प्राधिकारी ने पाटन या क्षति के जारी रहने या उनकी पुनरावृत्ति होने की संभावना का मूल्यांकन करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई विभिन्न सूचना पर विचार किया है।
89. ऐसा संभावना विश्लेषण करने के लिए कोई विशिष्ट पद्धति नहीं है। तथापि, नियमावली के अनुबंध-II के खंड (vii) में अन्य बातों के साथ-साथ ऐसे कारकों का प्रावधान है जिन पर विचार करना अपेक्षित है, अर्थात:
- भारत में पाटित आयातों की वृद्धि की तेज दर जिससे बड़े हुए आयातों की संभावना का पता चलता हो;
 - निर्यातक के पास पर्याप्त मुक्त निपटान योग्य या आसन्न, क्षमता में भारी वृद्धि हो जिससे भारतीय बाजार में काफी हद तक बड़े हुए पाटित निर्यातों की संभावना का पता चलता हो, जिसमें अतिरिक्त निर्यात को खपाने की अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता पर विचार किया गया हो;
 - क्या आयात ऐसी कीमतों पर प्रवेश कर रहे हैं जिनसे घरेलू कीमतों पर काफी ह्रासकारी या न्यूनकारी प्रभाव पड़ेगा और आगे निर्यातों के लिए मांग में वृद्धि की संभावना होगी; और
 - वस्तु की मालसूची की जांच की जाए।
90. इसके अलावा, प्राधिकारी ने पाटन और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना पर प्रभाव डालने वाले अन्य संगत कारकों की भी जांच की है। संभावना के मापदंडों की जांच निम्नानुसार है।

क. पाटन का जारी रहना

91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि लागू शुल्क के बावजूद संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का काफी अधिक पाटन जारी है। आवेदक दावा करते हैं कि शुल्क की मौजूदगी में पाटन से पता चलता है कि पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति पर पाटन जारी रहेगा।

ख. तीसरे देश को पाटन

92. आवेदकों ने दावा किया है कि संबद्ध देश में उत्पादक/निर्यातक तीसरे देशों तथा भारत को संबद्ध वस्तु का पाटन कर रहे हैं। संबद्ध देश द्वारा तीसरे देशों को पाटित कीमतों पर भारी निर्यात किए गए हैं जो चीन जन.गण. से कुल आयातों का 29 प्रतिशत या 4,79,520 एमटी है। इसके अलावा, तीसरे देशों को चीन जन.गण. से कुल निर्यातों का 17 प्रतिशत या 2,82,809 एमटी क्षतिकारी कीमतों पर किया गया है।

| विवरण | मात्रा (एमटी) |
|--|---------------|
| चीन जन.गण. से कुल निर्यात | 16,58,947 |
| पाटित कीमत पर तीसरे देशों को निर्यात | 4,79,520 |
| पाटित कीमत पर निर्यातों का % | 29% |
| क्षतिकारी कीमतों पर तीसरे देशों को निर्यात | 2,82,809 |
| क्षतिकारी कीमतों पर निर्यात का % | 17% |
| भारत में मांग | 10,08,732 |
| कुल मांग के % रूप में पाटित आयात | 48% |
| कुल मांग के % रूप में क्षतिकारी आयात | 28% |

ग. भारतीय बाजार की कीमत आकर्षकता

93. आवेदकों ने दावा किया है कि अन्य देशों को संबद्ध देश से निर्यातों का 4,79,520 एमटी या 29 प्रतिशत भारतीय बाजार में प्रचलित कीमत से कम कीमत पर किया गया है। इसका अर्थ है कि भारत संबद्ध देश में उत्पादकों के लिए एक लाभकारी बाजार है। पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से भारतीय बाजार को ऐसे निर्यात उत्पादकों द्वारा किए जाने की संभावना है।

भागीदार उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा तीसरे देशों को निर्यात

प्राधिकारी ने निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत उत्तर से संबद्ध देश से निर्यातों की मात्रा और मूल्य की जांच की है। यह नोट किया गया है कि संबद्ध देश में उत्पादक/निर्यातक तीसरे देशों को भी संबद्ध वस्तु का पाटन कर रहे हैं। प्रतिवादी निर्यातकों के निर्यातों का 98.6 प्रतिशत जो कुल 519917 एमटी है, पाटित कीमतों पर किया गया है। यह भी नोट किया जाता है कि भारी निर्यात ऐसी कीमतों पर हुए हैं जो भारत में प्रचलित कीमत से कम हैं। शुल्क समाप्ति की स्थिति में, ऐसे निर्यातों के कीमत आकर्षक भारतीय बाजार में प्रवेश करने की संभावना है।

| क्र.सं. | उत्पादक का नाम | तीसरे देशों को कुल निर्यात | सकारात्मक पाटन मार्जिन पर तीसरे देशों को निर्यात | पाटित निर्यातों का % |
|---------|--|----------------------------|--|----------------------|
| | | (एमटी) | (एमटी) | (%) |
| 1. | जियांग्सु चेंगडे स्टील ट्यूब शेयर कं. लि., चीन जन.गण. | **** | **** | 37% |
| | ताइझोऊ चेंगडे स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन.गण. | | | |
| 2. | चांगझोऊ चेंगबाओ प्रिसिजियन ऐंड स्पेशनल स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड, चीन जन.गण. | **** | **** | 26% |
| | जियांग्सु चांगबाओ प्रिसिजियन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड, चीन जन.गण. | | | |
| | जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूब लिमिटेड कं., चीन जन.गण. | | | |
| 3. | हेंगयांग वलिन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड, चीन जन.गण. | **** | **** | 100% |
| | हेंगयांग वलिन एमपीएम कं. लिमिटेड, चीन जन.गण. | | | |
| | कुल | **** | **** | 98.6% |

घ. पाटनरोधी शुल्क के बावजूद आयात की मात्रा में वृद्धि

94. आवेदकों ने दावा किया है कि शुल्क के बावजूद संबद्ध देश से आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है जिससे संकेत मिलता है कि शुल्क समाप्ति की स्थिति में आयातों में और वृद्धि की संभावना है। इसके अलावा, संबद्ध आयातों में वृद्धि की दर समान अवधि के दौरान मांग में वृद्धि दर से काफी अधिक है।

| विवरण | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | पीओआई(वार्षिकीकृत) |
|----------------------|----------|----------|----------|--------------------|
| संबद्ध आयात | 36,065 | 24,458 | 26,722 | 73,628 |
| बदलाव (वर्ष-दर-वर्ष) | - | -32% | 9% | 176% |
| अवधि के दौरान | - | - | - | 104% |
| मांग | 4,37,324 | 6,42,288 | 6,91,122 | 6,72,488 |
| बदलाव (वर्ष-दर-वर्ष) | - | 47% | 8% | -3% |
| अवधि के दौरान | - | - | - | 54% |

ड. चीन जन.गण. में उत्पादकों के पास अत्यधिक अप्रयुक्त क्षमताएं

95. आवेदकों ने अनुरोध किया है कि चीन जन.गण. में उत्पादकों के पास संबद्ध वस्तु के उत्पादन की 24 मिलियन एमटी क्षमता है जो कुल वैश्विक उत्पादन का 60 प्रतिशत है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देश में उत्पादकों के पास काफी अप्रयुक्त क्षमताएं हैं और ऐसी अप्रयुक्त क्षमताएं भारत में कुल मांग से भी काफी अधिक हैं। वर्तमान शुल्क की समाप्ति की स्थिति में, ऐसी अप्रयुक्त क्षमताओं को भारत भेजे जाने की संभावना है क्योंकि भारत ऐसे निर्यातकों के लिए एक प्रमुख बाजार है।

आंकड़े '000 एमटी में

| विवरण | 2016 | 2017 | 2018 | 2019 |
|---|--------|--------|--------|--------|
| क्षमता | 45,370 | 44,240 | 43,100 | 41,150 |
| उत्पादन | 25,270 | 26,100 | 24,828 | 27,984 |
| अप्रयुक्त क्षमता | 20,100 | 18,140 | 18,272 | 13,166 |
| अप्रयुक्त क्षमता (%) | 44% | 41% | 42% | 32% |
| भारत में मांग की दृष्टि से अप्रयुक्त क्षमता (%) | - | - | - | 1305% |

च. निर्यात के प्रयोजनार्थ स्थापित क्षमताएं

96. आवेदकों ने दावा किया है कि संबद्ध देश के उत्पादकों ने संबद्ध वस्तु के निर्यात की मंशा से क्षमता स्थापित की है क्योंकि ऐसे क्षमताएं देश में कुल मांग से कहीं अधिक हैं।

आंकड़े '000 एमटी में

| विवरण | 2016 | 2017 | 2018 | 2019 |
|--|--------|--------|--------|--------|
| क्षमता | 45,370 | 44,240 | 43,100 | 41,150 |
| खपत | 19,687 | 21,138 | 20,141 | 22,373 |
| निर्यात हेतु लक्षित क्षमता | 25,690 | 23,110 | 22,960 | 18,780 |
| निर्यात हेतु लक्षित क्षमता (%) | 57% | 52% | 53% | 46% |
| भारतीय बाजार की दृष्टि से निर्यात योग्य क्षमता (%) | - | - | - | 2793% |

छ. चीन जन.गण में उत्पादकों के पास मालसूची में वृद्धि

97. आवेदकों का दावा है कि प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना से पता चलता है कि ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों ने क्षति अवधि में काफी मालसूची एकत्र कर ली है।

| कंपनी का नाम | यूनिट | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | पीओआई |
|---|----------|---------|---------|---------|-------|
| जियांग्सु चेंगडे स्टील ट्यूब शेयर कं. लि. | सूचीबद्ध | 100 | 460 | 537 | 548 |
| ताइझोऊ चेंगडे स्टील ट्यूब कं. लि. | सूचीबद्ध | 100 | 301 | 889 | 806 |
| चांगझोऊ चेंगडे चांगबाओ प्रिसिजिन ऐंड स्पेशल स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड | सूचीबद्ध | 93 | 76 | 99 | 100 |

ज. तीसरे देशों द्वारा व्यापार उपचारात्मक उपाय लागू करना

98. आवेदकों ने बताया है कि चीन जन.गण. के उत्पादक नीचे तालिका में यथाविनिर्दिष्ट यूरोपीय संघ, कनाडा, ब्राजील, कोलम्बिया, मेक्सिको, यूक्रेन, रूस और यूएसए सहित विभिन्न तीसरे देशों में पाटनरोधी शुल्क के अधीन हैं। अतः संबद्ध देश के उत्पादक न केवल भारत में बल्कि तीसरे देशों को भी पाटित कीमतों पर निर्यात कर रहे हैं। इससे संबद्ध वस्तु का पाटन करने के लिए संबद्ध देश के उत्पादकों की प्रवृत्ति का पता चलता है।

| क्र.सं. | देश | उत्पाद | उपाय लागू करने की तारीख |
|---------|-----------------------------|--|--------------------------|
| 1. | यूरोपीय यूनियन | सीमलेस पाइप्स और ट्यूब्स (कास्ट ऑयरन या स्टेनलेस स्टील से इतरा) | 22-5-2017 |
| 2. | कनाडा | केसिंग और ट्यूबिंग, वैल्वेड या सीमलैस सहित ऑयल कंट्री ट्यूबलर गुड्स | 3-7-2020 |
| 3. | ब्राजील | कतिपय प्रकार के कार्बन स्टील पाइप और ट्यूब | 21-7-2016 |
| 4. | कोलम्बिया | ऑयरन या स्टील ट्यूब और पाइप | 22-6-2017 |
| 5. | मेक्सिको | सीमलेस पाइप्स और ट्यूब्स | 13-12-2019 |
| 6. | यूक्रेन | स्टील सीमलेस हॉट-डिफोर्म्ड पाइप्स | 22-5-2020 |
| 7. | यूरोसियन इकॉनामिक कारपोरेशन | सीमलेस स्टील पाइप्स | 18-8-2015 |
| 8. | यूएसए(सीवीडी) | सीमलेस कार्बन और अलॉय स्टील (स्टेनलेस स्टील से इतर) पाइप्स और रिड्रा हालोज, जो बाहरी व्यास में 16 इंच (406.4 एमएम) से कम या उसके बराबर हों | 3-6-2016 (2021 में जारी) |

I. एक बाजार के रूप में भारत की प्रमुखता

99. आवेदकों का दावा है कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद भारत चीन जन.गण. में उत्पादकों के लिए तीसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार है, यह दर्शाता है कि भारत संबद्ध देश में उत्पादकों के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है और शुल्क समाप्ति की स्थिति में आयातों की मात्रा में और वृद्धि होने की संभावना है।

| देश | निर्यातों की मात्रा (एमटी) | हिस्सा |
|----------------|----------------------------|--------|
| कुवैत | 1,68,950 | 10% |
| कोरिया गणराज्य | 1,45,880 | 9% |
| भारत | 1,32,661 | 8% |
| थाइलैंड | 87,381 | 5% |
| ओमान | 69,379 | 4% |
| अन्य | 10,54,696 | 64% |
| कुल | 16,58,947 | 100% |

अ. क्षतिकारी कीमतों पर आयात

100. यह देखा गया है कि संबद्ध आयातों ने भारतीय बाजार में क्षतिकारी कीमत और उत्पादन लागत से कम पर प्रवेश किया है, इससे पता चलता है कि शुल्क की समाप्ति की स्थिति में, आयातों से घरेलू उद्योग के पूरी तरह प्रभावित होने की आशंका है।

अ. कारणात्मक संबंध और गैर-आरोपण विश्लेषण

101. नियमावली के अनुसार प्राधिकारी के लिए अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों से इतर ऐसे किसी ज्ञात कारक की जांच करना अपेक्षित है जिससे घरेलू उद्योग को उसी समय क्षति हुई हो ताकि ऐसे अन्य कारकों से हुई क्षति के लिए पाटित आयातों पर आरोप न लगाया जाए। इस संबंध में संगत कारकों में अन्य के साथ-साथ पाटित कीमतों पर नहीं बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमत मांग में संकुचन या खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास और घरेलू उद्योग का निर्यात कार्य-निष्पादन तथा उत्पादकता शामिल हैं। नीचे इस बात की जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों से इतर कारकों की वजह से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

क. तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमत

102. आवेदकों ने संबद्ध आयातों से इतर दावा किया है कि यूएसए, यूक्रेन और यूएई से कम कीमत पर भारी आयात हुए हैं तथापि, आवेदकों ने बताया है कि ऐसे आयात त्रुटिपूर्ण, द्वितीय ग्रेड के या स्टॉक लॉट हैं और यद्यपि उनसे घरेलू उद्योग प्रभावित हुआ है, तथापि वर्तमान क्षति केवल पाटित आयातों से हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से आयात भी संभवतः घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकते हैं। तथापि, रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच स्पष्ट कारणात्मक संबंध दर्शाता है। इसके अलावा, रिकॉर्ड की सूचना यह भी दर्शाती है कि संबद्ध आयातों से शुल्क की समाप्ति की स्थिति में घरेलू उद्योग को और अधिक क्षति होने की संभावना है।

ख. मांग में संकुचन

103. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की मांग में पूरी क्षति अवधि में लगातार वृद्धि हुई है, परंतु आवेदकों के दावे के अनुसार, कोविड-19 के प्रभाव के कारण थोड़ी गिरावट आई है, जो अस्थायी है।

ग. खपत की प्रवृत्ति

104. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु की खपत की प्रवृत्ति में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं हुआ है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो।

घ. प्रतिस्पर्धा की स्थितियां और व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं

105. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच से यह पता नहीं चला है कि प्रतिस्पर्धा की स्थितियां या व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षति के लिए उत्तरदायी हों।

ड. प्रौद्योगिकी में विकास

106. यह नोट किया गया है कि संबद्ध वस्तु के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई बदलाव नहीं हुआ है और इसलिए इससे घरेलू उद्योग को क्षति की संभावना नहीं है।

च. उत्पादकता

107. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में क्षति अवधि में वृद्धि हुई है परंतु जांच अवधि में गिरावट आई है। आवेदकों का दावा है कि यह गिरावट उत्पादन में गिरावट के कारण हुई है।

छ. घरेलू उद्योग का निर्यात कार्य-निष्पादन

108. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यहां जांच की गई क्षति संबंधी सूचना घरेलू उद्योग के घरेलू बाजार में ही किए गए कार्य-निष्पादन से संबंधित है। इस प्रकार, उठाई गई क्षति के लिए घरेलू उद्योग के निर्यात कार्य-निष्पादन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

ज. अन्य उत्पादों का कार्य-निष्पादन

109. प्राधिकारी ने केवल संबद्ध वस्तु के कार्य-निष्पादन से संबंधित आंकड़ों पर विचार किया है। अतः अन्य उत्पादित उत्पादों और बेचे गए उत्पादों का कार्य-निष्पादन घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं हो सकता है।

ट.1 कारणात्मक संबंध के बारे में निष्कर्ष

110. यद्यपि नियमावली के अधीन सूचीबद्ध अन्य कारकों की वजह से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है, तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित मापदंड दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

- क. शुल्क के बावजूद संबद्ध वस्तु का पाटन जारी है जिससे संबद्ध आयातों की मांग में वृद्धि हुई है।
- ख. आयातों में समग्र और सापेक्ष, दोनों तरह से वृद्धि हुई है।
- ग. परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों और बाजार हिस्से में जांच अवधि में गिरावट आई है।
- घ. घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में भी कमी आई है।
- ड. आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों का ह्रास हुआ है।
- च. परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है और उसे घाटा, नकद घाटा हो रहा है और नियोजित पूंजी पर आयत में गिरावट दर्ज हुई है।

111. इस प्रकार प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि संबद्ध वस्तु के पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कारणात्मक संबंध मौजूद हैं।

ट. क्षति मार्जिन की मात्रा

112. प्राधिकारी ने यथा-संशोधित अनुबंध-III के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए एनआईपी का निर्धारण किया है। विचाराधीन उत्पाद के एनआईपी का निर्धारण घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए तथा जांच की अवधि के लिए पेशेवर लागत लेखाकार द्वारा विधिवत् प्रमाणित उत्पादन की लागत से संबंधित सूचना/आंकड़ों को लेकर किया गया है। एनआईपी पर विचार क्षति मार्जिन की

गणना करने के लिए संबद्ध देशों से पहुंच कीमत की तुलना करने के लिए की गई है। क्षति-रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए, क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कच्चे माल की सर्वोत्तम उपयोगिता पर विचार किया गया है। वही बर्ताव यूटिलिटी के साथ भी किया गया है। क्षति की अवधि के दौरान उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई असाधारण अथवा गैर-आवर्ती खर्च उत्पादन की लागत में नहीं जोड़ा गया था। विचाराधीन उत्पाद के लिए लगाई गई औसत पूंजी पर एक उचित लाभ (22 प्रतिशत की दर से कर-पूर्व) (अर्थात् औसत निवल निर्धारित परिसंपत्ति योग औसत कार्यशील पूंजी) की अनुमति इस नियमावली के अनुबंध-III में यथा-निर्धारित और अनुसरण की जा रही क्षति-रहित कीमत को तय करने के लिए कर-पूर्व लाभ के रूप में दी गई थी।

113. ऊपर यथा-निर्धारित पहुंच कीमत और क्षति रहित कीमत के आधार पर उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी द्वारा क्षति मार्जिन निर्धारित किया गया है और नीचे तालिका में दर्शाया गया है।

ट. क्षति मार्जिन

क्षति मार्जिन तालिका

| क्र.सं.. | उत्पादक का नाम | एनआईपी (यूएसडा./ एमटी) | पहुंच मूल्य (यूएसडा./ एमटी) | क्षति मार्जिन (यूएसडा./ एमटी) | क्षति मार्जिन % | क्षति मार्जिन रेंज |
|----------|--|------------------------------|-----------------------------------|--|-----------------------|-----------------------|
| 1 | जियांग्सु चेंगडे स्टील ट्यूब शेयर कं. लिमिटेड, चीन जन.गण | | | | | |
| | ए-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | ए-1-6 | **** | **** | **** | **** | |
| | ताइझोउ चेंगडे स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड, चीन जन.गण | | | | | |
| | ए-1-6 | **** | **** | **** | **** | |
| | भारित औसत | **** | **** | **** | **** | 0-10 |
| 2 | चांगझोउ चांगबाओ प्रिसिजियन ऐंड स्पेशल स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड, चीन जन.गण. | | | | | |
| | ए-1-5 | **** | **** | (****) | (****) | |
| | ए-1-6 | **** | **** | **** | **** | |
| | जियांग्सु चांगबाओ प्रिसिजियन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड, चीन जन.गण. | | | | | |
| | ए-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | भारित औसत | **** | **** | **** | **** | |
| | जियांग्सु चांगबाओ स्टील ट्यूब लिमिटेड कं., चीन जन.गण. | | | | | |
| | ए-1-1 | **** | **** | (****) | (****) | |
| | ए-1-3 | **** | **** | (****) | (****) | |
| | भारित औसत | **** | **** | **** | **** | 0-10 |
| 3 | हेंगयांग बालिन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड, चीन जन.गण. | | | | | |
| | ए-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | ए-1-7 | **** | **** | (****) | (****) | |
| | हेंगयांग बालिन एमपीएम कं., लिमिटेड, चीन जन.गण | | | | | |
| | ए-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | भारित औसत | **** | **** | **** | **** | |
| 4 | अन्य उत्पादक और निर्यातक, चीन जन.गण. | **** | **** | **** | **** | 20-30 |

ठ. प्रकटन-पश्चात् टिप्पणियां

114. प्राधिकारी ने जांच के अनिवार्य तथ्यों को प्रकट करते हुए और सभी हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित करते हुए 22.07.2021 को एक प्रकटन विवरण जारी किया। हितबद्ध पक्षकारों से प्रकटन पश्चात् अनुरोध प्राप्त हो गए हैं। अधिकांश मुद्दे पहले ही उठाए गए थे और उनका उचित ढंग से समाधान भी हुआ था। अतिरिक्त अनुरोधों की संगत समझी गई सीमा तक निम्नानुसार जांच की गई है।

ठ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

115. यह आश्वासन देना उचित नहीं है कि चीन जन.गण. में उत्पादक ईष्टम स्तर तक अपने संयंत्रों का प्रचालन कर रहे हैं और उनकी लागत न्यूनतम है। ऐसी मान्यता घरेलू उद्योग के लिए अतर्कसंगत और अनुचित है और घरेलू उत्पादों की उपेक्षा करती है। अतः, सामान्य मूल्य को घरेलू उद्योग की वास्तविक भारित औसत उत्पादन लागत के आधार पर निर्धारित करना अधिक वास्तविक और तर्कसंगत होगा।
116. सामान्य मूल्य संभवतः इस कारण से पीसीएन ए-1-4 के लिए परिकलित नहीं किया गया है कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान इसका उत्पादन नहीं किया है। सामान्य मूल्य और क्षति रहित कीमत निकटतम पीसीएन की लागत के आधार पर परिकलित की जा सकती है।
117. यह आवश्यक नहीं है कि प्राधिकारी सभी पीसीएन के लिए कीमत कटौती और क्षति मार्जिन निर्धारित करें। घरेलू उद्योग इस संबंध में डीजीटीआर और ईयू की सुस्थापित परिपाटी का उल्लेख करता है।
118. इस संबंध में घरेलू उद्योग ने इस संबंध में प्रचालन प्रक्रियाओं की नियम पुस्तिका में दी गई परिपाटी पर घरेलू उद्योग ने भरोसा किया है, जिसमें निम्नानुसार व्यवस्था है:

“9.6.40. ऐसी स्थिति में जहां निर्यात मात्राओं में कुछ ऐसे पीसीएन शामिल हों, जिनका जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने उत्पादन न किया हो तो उन पीसीएन के लिए मानक या अनुमानित एनआईपी को परिकलित करना होगा। पीसीएन की इस मानक एनआईपी को घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सर्वाधिक समान पीसीएन की लागत को गुण आधारित अंतरों के लिए विधिवत् रूप से समायोजित करके उसके आधार पर परिकलित किया जाता है। तत्पश्चात् इस मानक एनआईपी को उस पीसीएन हेतु क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए प्रयोग किया जाता है।”

119. अतः नियम पुस्तिका में स्पष्ट व्यवस्था है कि यदि घरेलू उद्योग ने किसी पीसीएन का उत्पादन नहीं किया हो तो उस पीसीएन की क्षति रहित कीमत घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सबसे समान पीसीएन की विधिवत् रूप से समायोजित लागत पर आधारित होनी चाहिए, यही सिद्धांत परिकलित सामान्य मूल्य पर भी लागू होगा। अतः ए-1-4 के लिए सामान्य मूल्य और क्षति रहित कीमत निकटतम पीसीएन की लागत के आधार पर निर्धारित की जाए।
120. प्रकटन में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने की संभावना के विश्लेषण के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की गई है।
121. चूंकि वर्तमान जांच में आवश्यक पीसीएन शामिल हैं, इसलिए घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की गणना के प्रयोजनार्थ कच्ची सामग्री और सुविधाओं का मानकीकरण नहीं हो सकता है। अतः, प्रपत्रों का मानकीकरण वर्तमान जांच पर लागू नहीं हो सकता है।
122. घरेलू उद्योग प्राधिकारी से कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि के लिए शुल्क में उचित वृद्धि के बाद शुल्क के बेंचमार्क रूप में पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध करता है। यदि डीजीटीआर निविष्टियों की कीमत में बदलाव के आधार पर उच्चतर और निम्नवर्ती दोनों पुनरीक्षण के बेंचमार्क के सूचीकरण पर विचार करना चाहते हैं तो घरेलू उद्योग को यह स्वीकार्य है। तथापि, वर्तमान बेंचमार्क में जबकि कच्ची सामग्री की कीमत पहले ही काफी अधिक बढ़ गई है, घरेलू उद्योग को क्षति होना जारी रहेगा और बेंचमार्क अपर्याप्त हो जाएंगे। इसी के साथ, जब कच्ची सामग्री की कीमत कम होगी तो प्रयोक्ताओं को नुकसान होगा।
123. इंडोनेशिया, कोरिया, मलेशिया और ताईवान से सभी फुली ड्रान या फुली ओरिएंटेड यार्न/स्पिन ड्रा यार्न/फ्लैट यार्न के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच में अंतिम जांच परिणाम [सं. 14/3/2005-डीजीएडी] में प्राधिकारी

ने नोट किया था कि कच्ची सामग्री की कीमत में प्रत्येक ± 5 प्रतिशत वृद्धि के लिए कीमत वचनबद्धता को संशोधित करना अपेक्षित है। स्पष्ट रूप से प्राधिकारी ने विचार किया कि कीमत कटौती को कच्ची सामग्री की कीमतों के लिए सूचिबद्ध करना अपेक्षित है।

124. जनहित पर पाटनरोधी उपाय के प्रभाव को विभिन्न समूहों - (क) विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उत्पादक, (ख) विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उपभोक्ता, (ग) उत्पादक और उपभोग उद्योग दोनों में अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम उद्योग, (घ) आम जनता, और (ङ) पाटनरोधी उपाय लगाने तक प्रयोजन/उद्देश्य के हितों के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन किया जाना चाहिए। जब इस संदर्भ में विचार किया जाए तो वर्तमान मामले में पाटनरोधी उपाय लगाना राष्ट्रहित में होगा।
125. चीन जन.गण. में उत्पादक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से काफी लाभ प्राप्त करते हैं। चीन जन.गण. की सरकार देश में संबद्ध वस्तु के उत्पादन के लिए काफी सहायता देना चाहती है। अतः व्यापार में विकृति की भरपाई करने के लिए संबद्ध वस्तु पर शुल्क लगाया जाना चाहिए।
126. यदि शुल्क की अवधि बढ़ाई जाती है तो बाहर जाने वाली विदेशी मुद्रा की बचत होगी और देश के भुगतान संतुलन में अनुकूल व्यवस्था बनाने और आयातों पर निर्भरता कम करने की ओर कदम बढ़ाए जाएंगे।

ठ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

127. क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से आयात के कारण कोई कीमत प्रभाव नहीं पड़ा है।
128. जेएससी और टीजेडसी के पास मालसूची इकट्ठी होने संबंधी आशंका आकड़ों के रुझान की जांच के कारण ही उत्पन्न हुई है। इसके अलावा, कुल बिक्री मात्रा से मालसूची संबंधी आंकड़ों की तुलना स्पष्ट करती है कि प्रतिवादी के पास मालसूची का भंडार काफी कम है।
129. प्राधिकारी ने यह नोट करने के बावजूद क्षति विश्लेषण की संभावना की जांच करने में पीओआई के बाद के आकड़ों पर विचार नहीं किया है कि वह इसकी जांच, जांच शुरुआती संबंधी अधिसूचना में करेंगे।
130. आईएसएमटी लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट में अलाभकारी पूंजी निवेश दर्शाया गया है जो सरकारी नीतियों और ऑटो क्षेत्र में मंदी से प्रभावित हुआ था जिस कारणवश घाटा या अपर्याप्त लाभ हुए थे। अतः यह स्पष्ट है कि कंपनी का खराब कार्य-निष्पादन अपने स्वयं के आंतरिक कारणों से हुआ है और इन कारणों के लिए चीन जन.गण. से संबद्ध आयात जिम्मेदार नहीं हैं।
131. जिंदल सॉ और महाराष्ट्र सीमलेस लिमिटेड से तुलना करने पर आईएसएमटी लिमिटेड के कार्य-निष्पादन में भारी अंतर यह स्पष्ट करता है कि केवल आईएसएमटी को ऐसे कारकों की वजह से भारी घाटा हो रहा है जिनके लिए चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयात जिम्मेदार नहीं हैं। अतः प्राधिकारी को संबद्ध निर्णायक समीक्षा जांच में घरेलू उद्योग के उत्पादकों और समर्थकों के कार्य-निष्पादन की अलग-अलग जांच करनी चाहिए।
132. संदर्भ कीमत आधारित शुल्क भागीदार उत्पादकों/निर्यातकों और अवशिष्ट श्रेणी से अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए विभिन्न होना चाहिए।
133. प्राधिकारी को स्पष्ट रूप से और साफ तौर पर रिकॉर्ड करना चाहिए कि वर्तमान जांच के लिए प्राधिकारी ने कारखानाद्वारा निर्यात कीमत ज्ञात करने हेतु हेंगयांग वलिन एमपीएम कं. लि., और हेंगयांग वलिन स्टील ट्यूब कं. लि. (असंबंधित उपभोक्ता के लिए पुनः बिक्री कीमत नहीं) के बीच बिक्री कीमत पर विचार किया है। प्रश्नावली के उत्तर के अनुसार हेंगयांग वलिन एमपीएम कं. लि., और हेंगयांग वलिन स्टील ट्यूब कं. लि. संबद्ध कंपनियां हैं और कंपनियों के बीच बिक्री कीमत बाजार द्वारा नहीं बल्कि आंतरिक लाभ द्वारा निर्धारित होता है। अतः कारखानाद्वारा निर्यात कीमत को हेंगयांग वलिन स्टील ट्यूब कं. लि. की भारतीय उपभोक्ताओं को पुनः बिक्री कीमत (आंतरिक सौदों पर विचार नहीं करते हुए) के आधार पर परिकलित किया जाना चाहिए।

ठ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

134. हेंगयांग वलिन एमपीएम कं. लि., और हेंगयांग वलिन स्टील ट्यूब कं. लि. के इस अनुरोध के संबंध में कि कारखानाद्वारा निर्यात कीमत हेंगयांग वलिन स्टील ट्यूब कं. लि. की भारतीय उपभोक्ताओं को पुनः बिक्री कीमत के

आधार पर परिकलित किया जाना चाहिए, यह नोट किया जाए कि चूंकि प्राधिकारी के लिए प्रत्येक उत्पादक हेतु कारखानाद्वारा स्तर पर निवल निर्यात कीमत परिकलित करना अपेक्षित है। तदनुसार, प्राधिकारी ने अपनी संगत प्रक्रिया के अनुसार प्रत्येक उत्पादक के कारखानाद्वारा स्तर पर निवल निर्यात कीमत को अपनाया है। इसके अलावा, हेंगयांग वलिन स्टील ट्यूब कं. लि. संबद्ध वस्तु का उत्पादक भी है और स्वयं द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु का निर्यात कर रहा है। यह सिद्ध नहीं हुआ है कि हेंगयांग वलिन स्टील ट्यूब कं. लि. केवल हेंगयांग वलिन एमपीएम कं. लि. के लिए बिक्री विभाग के रूप में कार्य कर रहा है। ऐसे मामले में संबंधित निर्यातक/व्यापारी के लाभ और अप्रत्यक्ष एसजीए व्यय को निवल निर्यात कीमत ज्ञात करते समय प्रत्यक्ष बिक्री व्यय के अलावा अतिरिक्त रूप से घटाना अपेक्षित है।

135. हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध अधिकांशतः दोहराई गई प्रकृति के थे और जांच परिणाम में संगत स्थानों पर पहले ही उन पर ध्यान दिया गया है। प्राधिकारी ने शेष अनुरोधों की निम्नानुसार जांच की है।
136. चूंकि प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण द्वारा प्रकट मार्जिनों की पुष्टि की है, इसलिए कोई नया प्रकटन अपेक्षित नहीं है।
137. हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि आयातों का कोई प्रतिकूल कीमत प्रभाव नहीं पड़ा है तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमत कटौती मामूली तौर पर सकारात्मक है। इसके अलावा, यद्यपि बिक्री लागत और बिक्री कीमत में आधार वर्ष की तुलना में सुधार हुआ है, तथापि बिक्री लागत पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में बढ़ी है जबकि बिक्री कीमत में गिरावट आई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति हुई है। इसके मद्देनजर, केवल आधार वर्ष के कार्य-निष्पादन से तुलना नहीं की जा सकती है। इसके बजाए, जांच अवधि में कार्य-निष्पादन की तुलना उस वर्ष के कार्य-निष्पादन से की जाए जब घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में सुधार हुआ था। इसके अलावा, आयातों की कीमत, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और बिक्री लागत से कम है। अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतें बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं।
138. इस दलील के संबंध में कि आईएसएमटी के कार्य-निष्पादन पर अलग से विचार किया जाना चाहिए, यह नोट किया जाता है कि क्षति की जांच समग्र रूप से घरेलू उद्योग के लिए की गई है। जैसा कि संयुक्त राज्य – जापान से कतिपय हॉट रोलड स्टील उत्पादों पर पाटनरोधी उपाय मामले में अपीलिय निकाय द्वारा नोट किया गया है। *“जांचकर्ता प्राधिकारियों को आयातों की जांच और परीक्षण “घरेलू उद्योग”, “समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार” और “समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों” के संबंध में करने का निर्देश दिया जाता है। जांच और परीक्षण में समग्र रूप से “घरेलू उद्योग” पर ध्यान केन्द्रित होना चाहिए और न कि केवल एक भाग, घरेलू उद्योग के क्षेत्र या एक खंड पर।”* अतः, केवल आईएसएमटी लिमिटेड का कार्य-निष्पादन संगत नहीं होगा, इसीलिए रिकॉर्ड में आकड़े दर्शाते हैं कि दोनों उत्पादकों के कार्य-निष्पादन में आरंभ में सुधार हुआ परंतु जांच अवधि के दौरान गिरावट आई।
139. महाराष्ट्र सीमलेस लिमिटेड (एमएसएल) द्वारा भागीदारी नहीं करने के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि वर्तमान स्थिति में याचिकाकर्ताओं के पास प्रमुख हिस्सा है। इस प्रकार, नियम 2(ख) के अंतर्गत वे घरेलू उद्योग हैं। अतः, निर्दिष्ट प्राधिकारी को एमएसएल की भागीदारी नहीं करने के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करने से नहीं रोका जा सकता है।
140. प्राधिकारी यह भी देखते हैं कि यदि एमएसएल ने भागीदारी नहीं की होती तो भी इस निष्कर्ष से इंकार नहीं हो सकता है कि कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा जिंदल साँ लिमिटेड और आईएसएमटी लिमिटेड के पास है, जिन्हें क्षति हुई है। अर्जेन्टीना – ब्राजील से पोल्ट्री पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क मामले में पैनल द्वारा नोट किए गए अनुसार, “प्रमुख हिस्से का संदर्भ यह संकेत करता है कि “घरेलू उद्योग” को परिभाषित करने के प्रयोजनार्थ एक से अधिक “प्रमुख हिस्से” हो सकते हैं।” अतः एमएसएल भी प्रमुख हिस्सा बनाने वाले जिंदल साँ लिमिटेड और आईएसएमटी लिमिटेड के अलावा प्रमुख हिस्सा रखा सकता है। तथापि, प्राधिकारी के लिए उनके समक्ष उस प्रमुख हिस्से के कार्य-निष्पादन की जांच करना अपेक्षित है जो घरेलू उद्योग है।

ड. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

141. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल हो

सके, जो देश के सामान्य हित में है। हितबद्ध पक्षकारों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि शुल्क लागू होने से सार्वजनिक हित प्रतिकूलतः प्रभावित होंगे।

142. यह स्वीकार किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने से संबद्ध वस्तु के प्रयोग से विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामस्वरूप इस उत्पाद की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी, विशेष रूप से तब जब कि पाटनरोधी शुल्क की राशि घरेलू उद्योग की क्षति की भरपाई करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित है। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लगाने से पाटन प्रथाओं द्वारा अर्जित अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में गिरावट पर रोक लगेगी और उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु के व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

सार्वजनिक हित

143. प्राधिकारी ने इस बात की भी जांच की है कि क्या संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर मौजूदा शुल्क की अवधि बढ़ाना वृहत्तर सार्वजनिक हित के विरुद्ध होगा।
144. प्राधिकारी ने नोट किया है कि उन्होंने संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर मौजूदा शुल्क की अवधि बढ़ाने के लिए जांच शुरू करते हुए राजपत्र अधिसूचना जारी की थी। यह राजपत्र अधिसूचना सार्वजनिक डोमेन में है। इस अधिसूचना के ज़रिए प्राधिकारी ने मौजूदा पाटनरोधी शुल्क की अवधि बढ़ाने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आवेदन के सभी पहलुओं के संबंध में आयातकों और प्रयोक्ताओं सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों से विचार मांगे थे। जांच शुरुआत अधिसूचना में स्पष्ट रूप से उल्लेख था कि सभी हितबद्ध पक्षकारों को वर्तमान मामले में उनके हित (हित के स्वरूप सहित) की सूचना देने और प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने तथा अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से वृहत्त समय सीमा के भीतर घरेलू उद्योग के आवेदन पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा, डीजीटीआर की वेबसाइट पर आयातकों और प्रयोक्ताओं के लिए प्रश्नावलियां भी उपलब्ध हैं। प्रयोक्ताओं की प्रश्नावली में उनसे अन्य बातों के साथ-साथ संबंधित देश से आयातित और भारत में उत्पादित विचाराधीन उत्पाद की तुलनीयता (उदाहरणार्थ, तकीनीकी और भौतिक विशेषताएं, कीमतें, प्रयोग आदि) के संबंध में टिप्पणियां मांगी गई हैं; क्या उनकी कंपनी पाटनरोधी उपाय लगाने के पक्ष में है या उसके विरुद्ध है और क्या उनके उत्पाद विचाराधीन उत्पाद के लिए सरलता से प्रतिस्थापित किए जा सकते हैं।
145. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी आयातक/प्रयोक्ता ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। अतः, भारत में आयातकों और उपभोक्ताओं द्वारा प्रश्नावली के उत्तर में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है तो दर्शाता हो कि विगत 5 वर्षों के दौरान संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी से उपभोक्ताओं या व्यापक रूप से जनता पर कोई अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा हो। तथापि, दो प्रयोक्ताओं ने शुल्क की अवधि बढ़ाने के अनुरोध के विरुद्ध केवल लिखित अनुरोध किए हैं। उन्होंने दलील दी है और अपना दृष्टिकोण रखा है कि वर्तमान में कोई पाटन या घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है और यह भी कि पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति की कोई संभावना नहीं है। इन दोनों प्रयोक्ताओं के कानूनी अनुरोधों के आलोक में, प्राधिकारी ने सार्वजनिक हित के मुद्दे का भी समाधान किया है और अपने अंतिम जांच परिणाम तक पहुंचने के लिए वर्तमान और संभावित पाटन तथा क्षति के संबंध में उनकी अनुरोधों की उचित ढंग से जांच की है।

ढ. निष्कर्ष

146. दी गई दलीलों, प्रदत्त सूचना प्राधिकारी के समक्ष उक्त जांच परिणामों में रिकॉर्ड किए गए अनुरोध और उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए तथा पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के उक्त विश्लेषण के आधार पर, प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि:
- शुल्क लागू होने के बावजूद संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का निरंतर और अत्यधिक पाटन जारी है। पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन सकारात्मक और काफी अधिक हैं।
 - आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कमी आई है।

- iii. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों में गिरावट आई है।
- iv. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है और घरेलू उद्योग को घाटा और नकद घाटा उठाना पड़ रहा है।
- v. घरेलू उद्योग को नियोजित पूंजी पर नगण्य आय हो रही है।
- vi. मात्रा और लाभप्रदता मापदंडों के अनुसार घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक है।
- vii. आयातों से पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता प्रभावित हुई है।
- viii. संबद्ध देश द्वारा पाटित कीमतों पर तीसरे देशों को भारी निर्यात हुए हैं जो चीन जन.गण. से कुल निर्यातों का 29 प्रतिशत हैं। इसके अलावा, तीसरे देशों को चीन जन.गण. से कुल निर्यातों का 17 प्रतिशत क्षतिकारी कीमतों पर हुआ है।
- ix. तीसरे देशों को प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा निर्यातों का 90 प्रतिशत से अधिक पाटित कीमतों पर हुआ है।
- x. चीन में उत्पादकों के पास काफी अधिक अप्रयुक्त क्षमताएं हैं।
- xi. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना इस स्तर पर लागू पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने की स्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने/उनकी पुनरावृत्ति होने की प्रबल संभावना को भी दर्शाती है।

ण. सिफारिशें

147. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था तथा घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों/प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रयाप्त अवसर दिया गया था ताकि वे पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं तथा पाटन तथा क्षति के जारी रहने या उनकी पुनरावृत्ति होने की संभावना संबंधी सूचना दे सकें। नियमावली के तहत निर्धारित प्रावधानों के अनुसार पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच शुरू करने और संचालित करने के बाद, प्राधिकारी का यह विचार है संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क को जारी रखना आवश्यक है।
148. इन परिस्थितियों में निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देश की मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश करना उचित समझते हैं। प्राधिकारी, दिनांक 17 फरवरी, 2017 की अधिसूचना सं. 7/2017-सीमा शुल्क (एडीडी) द्वारा लागू मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश करते हैं। अतः नीचे दी गई शुल्क तालिका के अनुसार पाटनरोधी शुल्क संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित शुल्क तालिका के कॉलम 3 में यथा-वर्णित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से अगले पांच वर्ष की अवधि के लिए लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

| क्र.सं. | शीर्ष | उत्पाद का विवरण | मूलता का देश | निर्यात का देश | उत्पादक | पीसीएन | राशि | यूनिट | मुद्रा |
|---------|-------|--|--------------|----------------|--|--------|----------|-------|-----------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 1 | 7304 | आयरन, अलॉय या गैरअलाय - स्टील के सीमलेस ट्यूब्स, पाइप्स और होलो प्रोफाइल ऑयरन कास्ट) और स्टेनलेस | चीन जन.गण. | चीन जन.गण. | जियांग्सु चेंगडे स्टील ट्यूब शेयर कं. लि. चीन जन.गण. | ए-1-1 | 1,194.60 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-2 | 1,075.28 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-3 | 1,383.44 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-4 | 1,178.73 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-5 | 961.33 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-6 | 1,193.77 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-7 | 1,462.00 | एमटी | यूएस डॉलर |

| क्र.सं. | शीर्ष | उत्पाद का विवरण | मूलता का देश | निर्यात का देश | उत्पादक | पीसीएन | राशि | यूनिट | मुद्रा |
|---------|-------|---|--------------|----------------|---|--------|----------|-------|-----------|
| | | स्टील से इतर) चाहे हॉट फिनिश हो या कोल्ड ड्रोन या कोल्ड रोलड हो, जिनका बाहरी व्यास 355. 6 एमएम या 14 "ओडी" से अधिक न हो | | | | ए-1-8 | 1,610.67 | एमटी | यूएस डॉलर |
| 2 | -वही- | -वही- | चीन जन.गण. | चीन जन.गण. | तायझोऊ चेंगडे स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड, चीन जन.गण. | ए-1-1 | 1,194.60 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-2 | 1,075.28 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-3 | 1,383.44 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-4 | 1,178.73 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-5 | 961.33 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-6 | 1,193.77 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-7 | 1,462.00 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-8 | 1,610.67 | एमटी | यूएस डॉलर |
| 3 | -वही- | -वही- | चीन जन.गण. | चीन जन.गण. | चांगझोऊ चांगवा प्रिसिजन ऐंड स्पेशल स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड, चीन जन. | ए-1-1 | 1,194.60 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-2 | 1,075.28 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-3 | 1,383.44 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-4 | 1,178.73 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-5 | 961.33 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-6 | 1,193.77 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-7 | 1,462.00 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-8 | 1,610.67 | एमटी | यूएस डॉलर |
| 4 | -वही- | -वही- | चीन जन.गण. | चीन जन.गण. | जियांग्सुचांगवाओ प्रिसिजन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड चीन जन.गण | ए-1-1 | 1,194.60 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-2 | 1,075.28 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-3 | 1,383.44 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-4 | 1,178.73 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-5 | 961.33 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-6 | 1,193.77 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-7 | 1,462.00 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-8 | 1,610.67 | एमटी | यूएस डॉलर |
| 5 | वही- | वही- | चीन जन.गण. | चीन जन.गण. | जियांग्सु चांगवाओ स्टील ट्यूब लिमिटेड कं., चीन जन.गण | ए-1-1 | 1,194.60 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-2 | 1,075.28 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-3 | 1,383.44 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-4 | 1,178.73 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-5 | 961.33 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-6 | 1,193.77 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-7 | 1,462.00 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-8 | 1,610.67 | एमटी | यूएस डॉलर |
| 6 | वही- | वही- | चीन जन.गण. | चीन जन.गण. | हेंगयांग बलिन स्टील ट्यूब कं. लिमिटेड चीन जन.गण. | ए-1-1 | 1,194.60 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-2 | 1,075.28 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-3 | 1,383.44 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-4 | 1,178.73 | एमटी | यूएस डॉलर |

| क्र.सं. | शीर्ष | उत्पाद का विवरण | मूलता का देश | निर्यात का देश | उत्पादक | पीसीएन | राशि | यूनिट | मुद्रा |
|---------|--------|-----------------|-----------------------------|--------------------------|--|--------|----------|-------|-----------|
| | | | | | | ए-1-5 | 961.33 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-6 | 1,193.77 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-7 | 1,462.00 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-8 | 1,610.67 | एमटी | यूएस डॉलर |
| 7 | वही- | वही- | चीन जन.गण. | चीन जन.गण. | हेंगयांग बलिन एमपीएमकं. लिमिटेड, चीन जन.गण | ए-1-1 | 1,194.60 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-2 | 1,075.28 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-3 | 1,383.44 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-4 | 1,178.73 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-5 | 961.33 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-6 | 1,193.77 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-7 | 1,462.00 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-8 | 1,610.67 | एमटी | यूएस डॉलर |
| 8 | वही- | वही- | चीन जन.गण. से इतर कोई देश | चीन जन.गण. | क्र.सं. 1 से 7 को छोड़कर कोई अन्य संयोजन | ए-1-1 | 1,194.60 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-2 | 1,075.28 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-3 | 1,383.44 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-4 | 1,178.73 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-5 | 961.33 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-6 | 1,193.77 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-7 | 1,462.00 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-8 | 1,610.67 | एमटी | यूएस डॉलर |
| 9 | वही- | वही- | चीन जन.गण. के अलावा कोई देश | चीन जन.गण. | A क्र.सं. 1 से 7 को छोड़कर कोई अन्य संयोजन | ए-1-1 | 1,194.60 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-2 | 1,075.28 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-3 | 1,383.44 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-4 | 1,178.73 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-5 | 961.33 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-6 | 1,193.77 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-7 | 1,462.00 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-8 | 1,610.67 | एमटी | यूएस डॉलर |
| 10 | - वही- | वही- | चीन जन.गण | चीन जन.गण से इतर कोई देश | क्र.सं. 1 से 7 को छोड़कर कोई अन्य संयोजन | ए-1-1 | 1,194.60 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-2 | 1,075.28 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-3 | 1,383.44 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-4 | 1,178.73 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-5 | 961.33 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-6 | 1,193.77 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-7 | 1,462.00 | एमटी | यूएस डॉलर |
| | | | | | | ए-1-8 | 1,610.67 | एमटी | यूएस डॉलर |

* वस्तुओं के विवरण में निम्नलिखित का आयात शामिल नहीं है:-

- कास्ट ऑयरन और स्टेनलेस स्टील से बने सीमलेस पाइप और ट्यूब।
- एएसटीएम ए213/एएसएमई एसए 213 और एएसटीएम ए335/एएसएमई एसए 335 या समतुल्य बीआईएस/डीआईएन/बीएस/ईएन या किसी अन्य समतुल्य विनिर्देशनों के सीमलेस अलॉय स्टील पाइप, ट्यूब और होलो प्रोफाइल।
- गैर-एपीआई और प्रीमियम ज्वाइंट/प्रीमियम कनेक्शन/प्रीमियम थ्रैडिड ट्यूब्स और पाइप्स।
- सभी 13 क्रोमियम (13सीआर) ग्रेड ट्यूब और पाइप।

v. ड्रिल कॉलर।

vi. मुख्य विस्फोटक, पेट्रोलियम नियंत्रक और विस्फोटक सुरक्षा संगठन, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित उत्पादकों द्वारा गैस सिलेंडर बनाने के लिए प्रयुक्त उच्च दाब सीमलेस स्टील पाइप/ट्यूब।

| पीसीएन | पीयूसी का वर्णन |
|--------|---|
| ए-1-1 | एक प्रकार की सीमलेस ट्यूबिंग, जिसका प्रयोग तेल या गैस की ड्रिलिंग में होता है, कार्बन/गैर अलाय/अलॉय, हॉट फिनिश या कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोलड जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो |
| ए-1-2 | एक प्रकार की सीमलेस केसिंग, जिसका प्रयोग तेल या गैस की ड्रिलिंग में होता है, कार्बन/गैर अलाय/अलॉय, हॉट फिनिश या कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोलड जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो। |
| ए-1-3 | सीमलेस मदर होलोस, कपलिंग स्टॉक, ब्लैंक/पप ज्वाइंट, कार्बन/गैर अलाय/अलॉय, हॉट फिनिश या कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोलड जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो। |
| ए-1-4 | एक प्रकार का सीमलेस ड्रिल पाइप, जिसका प्रयोग तेल या गैस की ड्रिलिंग में होता है, कार्बन/गैर अलाय, हॉट फिनिश जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो। |
| ए-1-5 | एक प्रकार की सीमलेस ट्यूब, पाइप और होलो प्रोफाइल्स जिनमें कार्बन/गैर अलाय स्टील के लाइन पाइप शामिल हैं, हॉट फिनिश जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो। |
| ए-1-6 | एक प्रकार की सीमलेस ट्यूब्स, पाइप्स और सकुलर क्रॉस सेक्शन के होलो प्रोफाइल जिनमें कार्बन/गैर अलाय स्टील के लाइन पाइप शामिल हैं, कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोलड या कोल्ड रेड्यूस्ड जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो |
| ए-1-7 | एक प्रकार की सीमलेस ट्यूब्स, पाइप्स और सकुलर क्रॉस सेक्शन के होलो प्रोफाइल जिनमें अलाय स्टील के लाइन पाइप और बियरिंग ट्यूब्स शामिल हैं, हॉट फिनिश जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो |
| ए-1-8 | एक प्रकार की सीमलेस ट्यूब्स, पाइप्स और सकुलर क्रॉस सेक्शन के होलो प्रोफाइल जिनमें अलाय स्टील के लाइन पाइप और बियरिंग ट्यूब्स शामिल हैं, कोल्ड रोलड या कोल्ड रिड्यूस्ड जिसका बाहरी व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक न हो |

149. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत सीमा शुल्क द्वारा यथा-निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत शुल्कों को छोड़कर सभी सीमा शुल्क शामिल होंगे।

ड. आगे की प्रक्रिया

150. केन्द्र सरकार द्वारा इन जांच परिणामों को स्वीकार किए जाने के बाद इसके खिलाफ अपील 1995 यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम और सीमा शुल्क टैरिफ नियमावली, 1995 के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जा सकेगी।

अनंत स्वरूप, संयुक्त सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)
FINAL FINDINGS
NOTIFICATION

New Delhi, the 30th July, 2021

(Case No. ADD-SSR-24/2020)

Subject: Sunset Review of anti-dumping investigation concerning imports of “Seamless Tubes, Pipes & Hollow Profile of Iron, Alloy or Non-Alloy Steel” originating in or exported from China PR-reg.

F. No. 7/43/2020- DGTR: Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as “the Act”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as “the Rules”) thereof.

A. BACKGROUND OF THE CASE

2. The Designated Authority (hereinafter also referred to as the “Authority”) received an application from M/s ISMT Limited and M/s Jindal Saw Limited (hereinafter also referred to as the ‘Applicants’) requesting initiation of sunset review investigation of anti-dumping duty levied earlier on the imports of ‘Seamless Tubes, Pipes & Hollow Profile of Iron, Alloy or Non-Alloy Steel’, (hereinafter also referred to as the ‘subject goods’ or the ‘product under consideration’) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as the ‘subject country’).
3. The original investigation in respect of imports of Seamless Tubes, Pipes & Hollow Profiles of Iron, Alloy or Non-Alloy Steel (other than cast iron and stainless steel), whether hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14” OD”, originating in or exported from China PR was initiated on 8th July, 2015 to examine the nature and the extent of dumping and its injurious effect on the domestic industry. The Authority vide its Preliminary Findings No. 14/2/2015-DGAD dated 31st March, 2016 recommended imposition of provisional duties against the dumped imports of the subject goods from the subject country, which were imposed vide Customs Notification No. 18/2016-Customs (ADD) dated 17th May, 2016. Thereafter, the Authority, vide its Final Findings No. 14/2/2015-DGAD dated 9th December, 2016, recommended imposition of anti-dumping duties, which were given effect vide Customs Notification No. 07/2017-Customs (ADD) dated 17th February, 2017. The duty is going to expire on 31st October, 2021.
4. In terms of Section 9A (5) of the Act, anti-dumping duties imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on expiry of five years from the date of such imposition and the Authority is required to review, whether the expiry of anti-dumping duties is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. Further, Rule 23 (1B) of the Rules provides as follows:

“any definitive antidumping duty levied under the Act, shall be effective for a period not exceeding five years from the date of its imposition, unless the designated authority comes to a conclusion, on a review initiated before that period on its own initiative or upon a duly substantiated request made by or on behalf of the domestic industry, within a reasonable period of time prior to the expiry of that period, that the expiry of the said anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.”
5. In accordance with the above, the Authority is required to review on the basis of a duly substantiated request made by or on behalf of the domestic industry as to whether the expiry of anti-dumping duties is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
6. The Applicants filed an application requesting initiation of sunset review of anti-dumping duties imposed earlier and seeking continuation of anti-dumping duties against imports of Seamless Tubes, Pipes & Hollow Profiles of Iron, Alloy or Non-Alloy Steel (other than cast iron and stainless steel), whether hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14” OD originating in or exported from China PR. The request was based on the grounds that the expiry of the measure was likely to result in continuation of dumping of the subject goods and consequent injury to the domestic industry.

7. In view of the duly substantiated application with prima facie evidence of likelihood of dumping and injury filed on behalf of the domestic industry and in accordance with Section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of the Rules, the Authority initiated the sunset review investigation vide Notification No. 7/43/2020- DGTR dated 19th February, 2021 to review the need for continued imposition of anti-dumping duties in respect of the subject goods, originating in or exported from the subject country, and to examine whether the expiry of the said duties is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.
8. Pending conclusion of the investigation, the anti-dumping duties imposed were extended vide Notification No. 29/2021-Customs (ADD) dated 7th May, 2021, till 31st October, 2021.

B. PROCEDURE

9. The procedure described herein below has been followed in this investigation:
 - i. The Authority vide Notification No. 7/43/2020 dated 19th February 2021 published a Public Notice in the Gazette of India, Extraordinary, initiating sunset review investigation against imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.
 - ii. A copy of the Public Notice was forwarded by the Authority to the Embassy of the subject country in India, known producers and exporters from the subject country, known importers and other interested parties, to inform them of the initiation of the subject investigation in accordance with Rule 6(2) of the Rules.
 - iii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters, and to the Government of the subject country through its Embassy, and to other interested parties who made a request therefor in writing in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra. A copy of the non-confidential version of the application was also made available in the public file and provided to other interested parties, wherever requested.
 - iv. The Authority forwarded a copy of the Public Notice initiating sunset review investigation to the known producers / exporters in the subject country and other interested parties and provided them an opportunity to file response to the questionnaire in the form and manner prescribed within time limit as prescribed in the Initiation Notification or extended time limit, and make their views known in writing in accordance with the Rule 6(4) of the Rules.
 - v. The Authority forwarded copies of the Notification to the following known producers/exporters:
 - a. Anhui Tianda Oil Pipe Co Limited
 - b. Baoshan Iron & Steel Co. Limited
 - c. Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co
 - d. China National Petroleum Corporation
 - e. Dalipal Pipe Company
 - f. HebeiHongling Seamless Steel Pipes Co. Limited
 - g. Heilongjiang Jianlong Iron & Steel Co. Limited
 - h. Inner Mongolia Baotou Steel Union Co. Limited
 - i. Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co. Limited
 - j. Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co Limited
 - k. Jiangsu Huacheng Industry Group Co. Limited
 - l. Kirtanlal International
 - m. Mertex UK Limited
 - n. North China Petroleum Steel Pipe Co. Limited
 - o. Pangang Group Chengdu Iron and Steel Co. Limited
 - p. Pangang Group Chengdu Steel & Vanadium Company Limited

- q. Shandong Molong Petroleum Machinery Co., Limited
- r. Shengli Oil Field Freet Petroleum Steel Pipe Co Limited
- s. Suzhou Seamless Steel Tube Works
- t. TaicangXinbaoyi Steel Pipe Manufacture Co. Limited
- u. Tianjin Pipe (Group) Corporation
- v. Wuxi Dexin Steel Tube Co. Limited
- w. Wuxi Dongwu Pipe Industry Co. Limited
- x. Xigang Seamless Steel Pipe Company Limited
- y. Yangzhou Lontrin Steel Tube Co Limited
- z. YantaiLubao Steel Pipe Co.
- aa. ZhangjiagangYiyang Pipe Producing Co. Limited
- vi. The Government of the subject country, through their Embassy in India, was also requested to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the known producers/exporters was also sent to the Embassy of the subject country along with the names and addresses of the known producers/ exporters from the subject country.
- vii. The following producers/exporters from China PR filed a response to the exporter questionnaire:
 - a. Changzhou Changbao Precision and Special Steel Tube Co. Limited
 - b. Hengyang Steel Tube Group International Trading Inc.
 - c. Hengyang Valin MPM Co. Limited
 - d. Hengyang Valin Steel Tube Co. Limited
 - e. Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co. Limited
 - f. Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co.
 - g. Jiangsu Changbao Steel Tubulars Corporation
 - h. Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co. Limited
 - i. Taizhou Chengde Steel Tube Co. Limited
- viii. The Authority forwarded a copy of the Notification to the following known importers/ users of the subject goods in India, calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - a. Bharat Earth Movers Limited
 - b. Bharat Enterprises
 - c. Bharat Petroleum Corporation Limited
 - d. Endurance Technologies Private Limited
 - e. Fag Bearings India Limited
 - f. G.B. Engineering enterprises Private Limited
 - g. Gajanan Tubes
 - h. Gandhi Special Tubes Limited.
 - i. Hi-tech Engg. Corporation India Private Limited
 - j. HMEL
 - k. Indian Oil Corporation limited
 - l. Industrial Metal Corporation

- m. JR Seamless Private Limited
- n. Kishore Vadilal Private Limited
- o. Madras Steels & Tubes
- p. Maha Fitting Private Limited
- q. Marathwada Auto Compo Pvt. Limited
- r. Metallica Metal India
- s. Murugan Steels & Tubes
- t. Northern Steel Traders Private Limited
- u. Parveen Industries Private Limited
- v. Raigad Plastics Private Limited
- w. Rane (Madras) Limited
- x. Reliance Industries Limited
- y. RSB Transmission (I) Limited
- z. S.S. Engineers
- aa. Samir Metals & Tubes
- bb. Shree Shyam Trading Company
- cc. Sitson India Private Limited
- dd. Technotrack
- ee. Tubes India
- ff. Vibhor Steel Tubes Private Limited
- gg. Vinayak Tubes
- hh. Wipro Limited
- ix. None of the importers/users have filed questionnaire response in the present investigation.
- x. Following interested parties have filed submissions in response to the initiation notification:
 - a. Everest Kanto Cylinder Limited
 - b. Rama Cylinders Pvt. Limited
- xi. The period of investigation (POI) for the purpose of the present investigation is 1st April, 2019 to 30th September, 2020 (18 months). The injury analysis period covers April 2016-March 2017, April 2017- March 2018, April 2018- March 2019 and the period of investigation.
- xii. Transaction-wise imports data for the period of investigation and the preceding three years was procured from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S). The Authority has relied upon data of DGCI&S for calculating the volume and value of imports of the subject goods in India.
- xiii. Further information was sought from the Applicants to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by the domestic industry was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the present investigation.
- xiv. The domestic industry has submitted financial data duly certified by their Chartered/Cost Accountant. The non-injurious price (NIP) has been determined based on the optimum cost of production and selling the subject goods in India as per information furnished by the domestic industry and in accordance with Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Rules. Such non-injurious price has been considered to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.

- xv. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided opportunity to the interested parties to present their views orally in an oral hearing held on 22nd June, 2021 through video conferencing. The parties, which presented their views in the oral hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by the rejoinder submissions.
- xvi. A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which would have been formed the basis of the Final Findings was issued to the interested parties on 22.07.2021 and the interested parties were allowed time upto 28.07.2021 to comment on the same. The comments on Disclosure Statement received from the interested parties have been considered, to the extent found relevant, in this Final Findings Notification.
- xvii. The submissions made by the interested parties, arguments raised and information provided by various interested parties during the course of investigation, to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority in this Final Findings.
- xviii. The Authority during the course of investigation satisfied itself as to the accuracy of the information supplied by the interested parties which forms the basis of this Final Findings to the extent possible and verified the data/documents submitted by the domestic industry to the extent considered relevant and necessary.
- xix. The information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties.
- xx. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non- confidential version of the information filed on confidential basis
- xxi. Wherever an interested party has refused access to or has otherwise not provided necessary information during the course of investigation or has significantly impeded the investigation, the Authority considered such interested parties as non- cooperative and recorded this Final Findings on the basis of the facts available
- xxii. **** in this Final Findings represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xxiii. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is US\$1= 73.17.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

10. The present investigation being a sunset review investigation, the scope of the product under consideration remains the same as that in the original investigation. The Product Control Numbers (PCNs) adopted by the Authority in the original investigation are in the table below and these remain the same in the present investigation as well.

| PCN | Description of PUC |
|-------|---|
| A-1-1 | Seamless Tubing, of a kind used in drilling for oil or gas, Carbon/Non-Alloy/ Alloy, hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-2 | Seamless Casing, of a kind used in drilling for oil or gas, Carbon/Non-Alloy/ Alloy, hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-3 | Seamless Mother Hollows, coupling stock, blanks/ Pup Joints, Carbon/ Non-Alloy/ Alloy, hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-4 | Seamless Drill Pipes, of a kind used in drilling for oil or gas, Carbon/Non-Alloy, hot finished of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-5 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles including Line pipes of Carbon/Non alloy steel, hot finished of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |

| | |
|-------|--|
| A-1-6 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles of circular cross section including Line pipes of Carbon/Non alloy steel, cold drawn or cold rolled or cold reduced of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-7 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles of circular cross section including Line pipes and Bearing tubes of Alloy steel, hot finished, of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-8 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles of circular cross section including Line pipes and Bearing tubes of Alloy steel, cold drawn or cold rolled or cold reduced, of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |

C.1. Submissions of the domestic industry

11. The following submission have been made by the domestic industry with regard to the scope of product under consideration or like article.
 - a. Since the present investigation is a sunset review investigation for continued imposition of anti-dumping duty, the product under consideration is the same as in the original investigation.
 - b. The goods produced by the domestic industry and that imported into India are like article. There is no known difference in the product under consideration manufactured by the applicants and those imported from the subject country.

C.2. Submissions of other interested parties

12. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to the scope of product under consideration or like article:
 - a. Products excluded in the original investigation should continue and the scope should not be enlarged.

C.3. Examination by the Authority

13. The product under consideration in the present investigation is Seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron and stainless steel), whether hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD'. It includes boiler pipes or line pipes used in hydrocarbon industry and casing and tubing of a kind used in drilling for oil and gas exploration.
14. The present investigation being a sunset review investigation, the scope of the product under consideration remains the same as that in the original investigation. In the original investigation, the product under consideration was defined as follows:

"The product under consideration in the present investigation is "Seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron and stainless steel), whether hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD'. It includes boiler pipes or line pipes used in hydrocarbon industry and casing and tubing of a kind used in drilling for oil and gas exploration.

The following products have been excluded from the scope of product under consideration:

- i. *Seamless pipes & tubes made of cast iron and stainless steel.*
- ii. *Seamless alloy-steel pipes, tubes and hollow profiles of specifications of ASTM A213/ASME SA 213 and ASTM A335/ ASME SA 335 or equivalent BIS/DIN/BS/EN or any other equivalent specifications.*
- iii. *Non - API and Premium Joints / Premium Connections / Premium Threaded Tubes & Pipes as prescribed under customs notification no. 12/12012 dated 17th March 2012 at serial number 356.*
- iv. *All 13 Chromium (13CR) Grade Tubes and Pipes.*
- v. *Drill Collars.*

vi. *High pressure seamless steel pipe/tube used for manufacturing gas cylinders by producers approved by the Chief Controller of Explosives, Petroleum and Explosives Safety Organisation, Government of India.*

15. The product under consideration is classified under chapter heading 7304 under the tariff codes 73041910, 73041990, 73042990, 73043119, 73043129, 73043139, 73043919, 73043931, 73043939, 73044900, 73045110, 73045910, 73045930, 73041920, 73043111, 73043131, 73043929, 73045920 and 73049000. The customs classification is indicative only and is not binding on the scope of product under consideration.
16. On the basis of the information on record with the Authority, the Authority holds that there is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and imported from the subject country. The two are comparable in terms of physical characteristics, manufacturing process, functions and uses, product specifications, distribution and marketing, and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used and are using the two interchangeably. The Authority holds that the product manufactured by the Applicants constitutes like article to the subject goods being imported into India from the subject country in terms of Rule 2(d) of the Rules.

D. DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

D.1. Submissions of the domestic industry

17. The following submissions have been made by the applicants with regard to the domestic industry and its standing:
 - a. The application has been filed by ISMT Limited and Jindal Saw Limited which constitute a major proportion of the total domestic production.
 - b. The applicants have not imported the subject goods from the subject country and are not related to any producers / exporters and importers of the subject goods from the subject country.
 - c. The lack of participation by Maharashtra Seamless Limited (MSL) in the present investigation is irrelevant as it is already established that ISMT Limited and Jindal Saw Limited constitute a major proportion of the total production in the country.
 - d. The applicants cannot compel specific producer to participate in the investigation.
 - e. In various previous investigations as well, such as Caustic Soda from China PR and Korea RP, Fully Drawn Yarn from China PR and Thailand and PVC Suspension Grade from Taiwan, China PR, Indonesia, Japan, Korea RP, Malaysia, Thailand and USA, the composition of the domestic industry has changed in sunset review.
 - f. MSL is performing well and thus, it could be reason for its non-participation. However, that has no bearing on the domestic industry who constitutes a major proportion and satisfy the requirements of Rules 2 (b). The Authority is required to examine the injury caused to the defined domestic industry and is not obligated to examine the performance of each domestic producer, as held by the WTO Panel in EC – Bed Linen, Appellate Body in US – Hot-Rolled Steel and by the Authority in the case of Cable Ties from China PR and Chinese Taipei.
 - g. Contrary to the contention of the respondents, MSL cannot account for 75% of the total Indian production since the applicants accounts for almost half of the total Indian production, thereby comprising a major proportion. Further, Jindal Saw Limited accounts for higher share of total Indian production compared to ISMT and thus, the trends for the domestic industry are not distorted by data of ISMT.
 - h. Trade Notice No. 13/2018 only requires supporting producers to provide their economic parameters and since MSL is not a supporter in the present case, they are not required to submit their financial data. In a previous investigation, MSL and Jindal Saw Limited were supporters and MSL had submitted partial data, but the investigation was terminated as the data showed no injury.

D.2. Submissions of other interested parties

18. The following submission have been made by other interested parties with regards to the domestic industry and standing:
- a. The domestic industry has failed to disclose the combined share of the applicants in the total production of subject goods in India. Absence of combined share in actual percentage figure or a range has prevented the interested parties from making reasoned comments on the representativeness of the domestic industry.
 - b. The petitioners, ISMT Limited and Jindal Saw Limited, have been seeking undue protection from the Authority since 2010. ISMT Limited filed their first application on 12th January, 2010 which was supported by Maharashtra Seamless Limited (MSL) and Jindal Saw Ltd. (JSL). Thereafter, the same petitioners, JSL and ISMT Limited, filed application for safeguard investigation before the Authority on 22nd April, 2013 and the application was supported by MSL. Just before the expiration of the safeguard duty, the applicants, ISMT Limited and MSL, once again applied for fresh anti-dumping investigation on 8th July, 2015. Presently, the same petitioners, ISMT Limited and Jindal Saw, applied for sunset review investigation on the same imports. Selective participation has been made by the domestic industry to show fabricated injury before the Authority.
 - c. Maharashtra Seamless Limited has refrained from participating in the present investigation and has not filed support to the application.
 - d. Exclusion of any entity, which was a constituent of domestic industry in the original investigation, from the review petition with the sole intent of presenting decline in performance of the domestic industry must not be allowed by the Authority.
 - e. The Annual Report of Maharashtra Seamless Limited for the Financial Year ending 2018-19 notes that it has benefitted from the imposition of anti-dumping duty on the subject goods and the company has recorded all-time highest sales of subject goods. In 2019, Maharashtra Seamless Limited has also acquired the United Seamless Tubular Private Limited (“USTPL”). Therefore, it is clear that Maharashtra Seamless Limited has recovered from injury suffered during the injury investigation period in the original investigation and has not supported the present application for continuation of duty.
 - f. The Authority must call Maharashtra Seamless Limited to submit economic parameter data so to conduct a fair examination on the need for continuation of duty on subject goods from the subject country. Failure to do so, the Authority must terminate the present petition, as was done in the past case concerning imports of subject goods from China PR.
 - g. ISMT Limited is a permanent applicant and its profitability is always negative. Besides, ISMT Limited, holds only about 27% of the share of the domestic production whereas JSL constitutes a tiny portion of the total Indian production. On the contrary, MSL holds 75% of the total Indian production but surprisingly, they were not impacted due to the alleged injury and Jindal and MSL were making huge profits throughout the year.

D.3. Examination by the Authority

19. Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules defines domestic industry as under:
- “(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.*
20. The present sunset review application has been filed by ISMT Limited and Jindal Saw Limited. The applicants have submitted that they are not related to exporters of the subject goods in the subject country or importers of the goods, and have not imported the subject goods from the subject country.
21. With regards to the claims of the other interested parties that Maharashtra Seamless Limited should be included within the scope of the domestic industry since it was part of the previous investigation,

the Authority notes that there exists no legal obligation on the Authority or the applicants to maintain the same scope of the domestic industry. The Authority is only required to ascertain whether the applicants' production meets the requirement of the domestic industry under the law. The Authority notes that ISMT Limited and Jindal Saw Limited together produce **** % of the total Indian production, and, therefore, produce "a major proportion" in the Indian market and thus, constitute domestic industry under the law. Further, the Authority or the domestic industry cannot compel a party to participate in the investigation.

22. The applicants collectively account for a major proportion of the total domestic production. It is also noted that the applicants are not related to any exporter or importer of the subject goods and have not imported the product under consideration. The Authority, therefore, holds that the applicants constitute domestic industry under Rules 2(b) of the Rules.

E. CONFIDENTIALITY

E.1. Submissions of the domestic industry

23. The following submissions have been made by the applicants with regards to confidentiality:
- The exporters/ producers have claimed excessive confidentiality including information which is available in the public domain.
 - The producers / exporters have violated Trade Notice No. 10/2018 by claiming confidentiality regarding broad stage-wise manufacturing process, depreciation and amortization expenses, interest costs, total profit before taxes, etc.
 - The producers / exporters have also violated Trade Notice No. 01/2013 by failing to provide any justification for claiming confidentiality in their questionnaire responses.
 - The domestic industry has not disclosed the share in total production, since there are only two producers participating as domestic industry and disclosure of such information would provide estimates of production figures to other producers. However, the domestic industry has provided best available information on aggregate basis as per Trade Notice No. 10/2018.

E.2. Submissions by other interested parties

24. The following submissions have been made by the other interested parties with regards to confidentiality:
- The domestic industry has not provided information regarding its share in total domestic production or even the range of percentage share of domestic industry in total production. Absence of such information precludes interested parties from providing comments regarding major proportion share of domestic industry in total production.
 - The petitioners have claimed excessive confidentiality with regards to Annexure 6.2 (Costing Information) of the petition and non-confidential version of the petition fails to meet the standards laid down in Rule-7 of the Rules and the guidelines provided by the Trade Notice.
 - Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co. Limited's questionnaire response contains information on the manufacturing process of both the companies. This information is business sensitive and is not amenable to summarization. The domestic industry has itself disclosed only trend information regarding employees and productivity even when Trade Notice No. 10 of 2018 provides for disclosure of aggregate data of employees and productivity in case of two domestic producers.
 - The trend for PBIT on domestic sales is entirely irrelevant when the Chinese producers are not claiming market economy treatment and normal value will not be determined based on their domestic sales. Domestic industry has not indicated what prejudice is caused due to the absence of this information.

E.3. Examination by the Authority

25. The Authority made available non-confidential version of the information provided by various interested parties to all interested parties as per Rule 6(7).
26. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provide as follows:

“Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.”

27. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidence submitted by various interested parties in the form of public file. The information related to imports, performance parameters and injury parameters of domestic industry has been made available in the public file. Business sensitive information has been kept confidential as per practice. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential.
28. The Authority has considered the claims of confidentiality made by the applicants and the opposing interested parties and on being satisfied about the same, the Authority has allowed the claim on confidentiality basis. The Authority made available to all interested parties the non-confidential version of evidences submitted by various interested parties for inspection, as per Rule 6(7).
29. With regard to the claim of the other interested parties that the domestic industry has failed to disclose the combine share of the domestic industry in the total production, the Authority notes that though MSL is another major producer of the subject goods, yet there being only two companies comprising applicant domestic industry in this investigation, disclosure of the share of the these two applicant companies would result in the disclosure of the total production volume of both the producers. Further, the domestic industry has already disclosed the best available information on aggregate basis regarding total volume of production by all Indian producers including the domestic industry

F. MISCELLANEOUS ISSUES

F.1. Submissions by the domestic industry

30. The following submissions have been made by the domestic industry:
 - a. Continuation of the present anti-dumping measures would be in the interest of the domestic producers, the consumers and the public at large.
 - b. There is no demand-supply gap supply in the country as the domestic industry has sufficient capacity to cater to the entire demand in the country.
 - c. The demand for the subject goods has increased at a healthy rate throughout the duration of the present duties.
 - d. There exists a healthy market situation in the country with significant inter-se competition between the domestic producers, offering the consumers ample choices.
 - e. Even if the continuation of duties may affect the prices of the end-goods, fair competition in the Indian market is not likely to be impacted particularly where the measures are restricted to an amount necessary to redress the injury caused to the domestic industry.

- f. The domestic industry employs more than 3000 employees in the country and allowing the injury to continue would impact the livelihood of such employees.
- g. The domestic industry is competing with Chinese producers whose costs and prices are severely distorted by government intervention, evident from the fact that none of the responding exporters have claimed market economy treatment and thus, imposition of duties will offset such trade distortion.
- h. The subject imports being completely unnecessary owing to the sufficient domestic capacities, imposition of duties would help in conservation of outgoing foreign exchange.
- i. The present anti-dumping duties should be extended in the form of benchmark duties, duly adjusted for any increase or decrease in raw material prices, which are subject to frequent fluctuations.
- j. The domestic industry has furnished evidence substantiating the need for initiation of the review investigation, and based on such prima facie evidence, the Authority initiated the present investigation.
- k. Post-POI data may be relevant in the situations where the dumping or injury margin are negative in the period of investigation or where there is change in circumstances post-POI, both of which are not applicable to the present investigation. Further, the interested parties have themselves not provided post-POI data.
- l. The domestic industry submitted data in the original petition considering 2016-17, 2017-18, April 2018 to September 2019 and October 2019 to June 2020 as injury period and period of investigation, wherein third period comprised 18 months, while in the revised petition, the data was provided for 2016-17, 2017-18, 2018-19 and April 2019 to September 2020, wherein the third period comprised of 12 months, resulting in difference in data. Further, changes in data post correction of errors were filed pre-initiation, based on which the investigation was initiated after scrutiny by the Authority.

F.2. Submissions by other interested parties

31. The following submissions have been made by the other interested parties:
 - a. Continuation of duties under Section 9A(5) is not a rule, but an exception to be applied only when further protection to the domestic industry is required after applying likelihood test, which is not the case in present investigation. This principle has been accepted by the Appellate body in US – OCTG and by the Authority in case of Dry cell batteries from China PR.
 - b. The domestic industry is misusing the trade mechanism by way of seeking repeatedly unfair protection from the Authority. They are using such trade remedies to attack the producers and exporters of other countries with the object of having monopolistic attitude in the domestic market.
 - c. The continuation of anti-dumping duty would adversely impact the downstream industry which is dependent on internationally competition raw material to manufacture value-added products that can compete with other South-East Asian countries. Anti-dumping duty would have an adverse impact due to downstream industry and end user's tremendous loss of livelihood, demand-supply gap, and reduction in exports of finished goods of MSME industries, market asymmetry between the manufacturers.
 - d. The domestic industry has failed to produce positive evidence substantiating initiation of the present review investigation and rather, it has already recovered due to imposition of duties for past 5 years.
 - e. The Authority is not required to compulsorily initiate every review investigation, and must satisfy itself of the two-stage process, as held by Delhi High Court in Kesoram Rayon vs DA.
 - f. The initiation notification dated 19th February, 2021 noted that the Authority will examine the post POI data of 6 months of the applicants and other interested parties to determine whether the expiry of existing anti-dumping duties is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. However, the domestic industry has not

submitted post-POI data in the subject investigation and has prevented the interested parties from presenting their comments on the likelihood of continuation or recurrence of injury due to import of subject goods from China PR.

- g. Assessment of present injury based on the period of investigation of 18 months is unrepresentative of likelihood of injury as out of these 18 months, the last six months period was affected by full or partial lockdown in India due to Covid-19.
- h. Significant changes in the injury parameters by the applicants in the revised petition in respect of demand, market share of China PR, cash profit, interest costs, working capital and PBIT as % of average capital employed clearly demonstrate the domestic industry's manipulative behaviour to show artificial injury to the Authority.

F.3. Examination by Authority

- 32. With regards to the contention of the other interested parties regarding the initiation of investigation and continuation of duties only after satisfying the likelihood requirements, the Authority notes that at the time of initiation of investigation, the Authority prima facie satisfied itself of the need for initiation of sunset review investigation concerning present anti-dumping duties based on the evidence furnished by the domestic industry establishing likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury if the present duties are allowed to expire. However, the Authority will examine in detail the submissions made by the domestic industry regarding likelihood of continuation of dumping and injury. Should the Authority find that dumping and injury are likely to continue or recur, in the absence of duties, the anti-dumping duties shall be extended.
- 33. With regards to the contention of the other interested parties that the domestic industry is misusing the trade protection mechanism and the adverse impact of duties on the downstream industries, it is noted that the purpose of anti-dumping duties is only to create a level playing field and to provide relief to domestic industry against injurious dumping. The objective of the duties is not to provide any unfair protection to the domestic industry, rather to create a fair market situation by removing any trade distortion effects, allowing a healthy competition in the market.
- 34. With regards to the contentions concerning the data provided by the interested parties, the Authority has duly verified the data provided by the domestic industry. Only such verified data has been used for the present purpose.
- 35. With regard to impact on downstream industry, it is noted that the demand for the subject goods has increased over the period, which indicates growth of the downstream industry. Further, there are a number of producers in the domestic market, with capacities in excess of the demand. Therefore, there exists a healthy competition in the market which would ensure that the users have access to goods at competitive prices.
- 36. With regard to the consideration of post POI data, the Authority notes that the dumping margin and injury margin for the period of investigation is positive. Further, the domestic industry has suffered injury during the present period of investigation itself. Accordingly, the Authority does not find consideration of post POI data necessary.

G. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DETERMINATION OF DUMPING MARGIN

G.1. Submissions of the domestic industry

- 37. The following submissions have been made by the domestic industry with regards to the normal value, export price and dumping margin:
 - a. The Authority treated China PR as non-market economy at the time of initiation of the current investigation and since none of the producers/exporters from China PR have demonstrated that they are operating under market economy conditions, their costs and prices cannot be used for determining the dumping and injury margins. Accordingly, the normal value should be determined on the basis of the provisions of Para 7 of Annexure - I.
 - b. The normal value for the producers /exporters in China PR should be determined based on the price payable in India after adjusting a reasonable profit margin. However, such constructed normal value should be based on actual cost of production since it is unreasonable to assume that foreign producers are operating on optimum cost of production.

- c. Export price has been determined on the basis of CIF price reported in the DGCIS data and adjustments have been made for ocean freight, marine insurance, port expenses, bank charges, inland freight, commission and VAT refund to arrive at the net export price.
- d. The questionnaire responses filed by the exporters are incomplete in as much as Changzhou Changbao Precision and Special Steel Tube Co. Limited and Jiangsu Changbao Steel Tubulars Corporation have not disclosed the name of related / unrelated exporter forming part of the channel of distribution.
- e. Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co. Limited has made contradictory statements regarding its channel of distribution. The company initially claimed that all exports are made through a related exporter but have later claimed that they have exported to India from 2019. Accordingly, they have failed to file Appendix-3A for calculation of export price.

G.2. Views of other interested parties

38. The following submissions have been made by other interested parties with regards to determination of normal value, export price or dumping margin:
- a. The dumping margin and injury margin should be determined based on the information submitted by exporters in the exporter's questionnaire response.
 - b. Frivolous claim has been made by domestic industry that Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co. Limited has been directly exporting product under consideration to India when in fact they have not directly exported goods to India during the entire injury and investigation period.

G.3. Examination by the Authority

39. As per section 9A(1)(c) of the Act, the normal value in relation to an article means:
- (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when destined for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - (ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either -*
 - (a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

40. The Authority sent exporter questionnaire to the known exporters/producers from the subject country, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The following producers/exports from the subject country have filed the exporter's questionnaire response:
- a. Hengyang Valin Steel Tube Co. Limited
 - b. Hengyang Valin MPM Co. Limited
 - c. Hengyang Steel Tube Group International Trading Inc.
 - d. Changzhou Changbao Precision and Special Steel Tube Co. Limited
 - e. Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co. Limited
 - f. Jiangsu Changbao Steel Tubulars Corporation
 - g. Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co.

- h. Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co. Limited
- i. Taizhou Chengde Steel Tube Co. Limited

G.3.1.Determination of Normal Value

Market Economy Status for China PR

41. Article 15 of China's Accession Protocol provides as follows:

"(a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:

- (i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*
- (ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*

(b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.

(c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.

(d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the nonmarket economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."

42. It is noted that while the provision contained in Article 15 (a)(ii) have expired on 11th December, 2016, the provision under Article 2.2.1.1 of WTO read with obligation under 15(a)(i) of the Accession Protocol require the criterion stipulated in para 8 of the Annexure I of the Rules to be satisfied through information/data to be provided in the supplementary questionnaire on claiming the market economy status. It is noted that no producer/exporter from China PR has claimed market economy status in the preset sunset review investigation. Accordingly, the normal value computation is required to be determined as per provisions of para 7 of Annexure I of the Rules.

Normal value for producers/exporters from China PR

43. As none of the producers from China PR have claimed determination of normal value on the basis of their own data/information, the normal value has been determined in accordance with para 7 of Annexure I of the Rules which reads as under:
44. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other

reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

45. The Authority notes that the prices or constructed value of the product in an appropriate market economy third country or the prices from such third country to other countries, including India, have neither been made available by the Applicant nor by any interested party. It is also not available from any public source. The Authority notes that the Authority is required to select an appropriate country on the basis of information and evidence brought on record by interested parties or from public source. It is also noted that the interested parties have not provided any verifiable information which could have been adopted by the Authority. Thus, the Authority is of the opinion that the only option available is to determine normal value considering price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin. The normal value so determined is given below in dumping margin table.

G.3.2.Determination of Export Price

Export price for producers/exporters from China PR

(i) Export price for Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co. Limited and Taizhou Chengde Steel Tube Co. Limited

46. M/s Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co., Ltd. ("JSC") and M/s Taizhou Chengde Steel Tube Co., Ltd. ("TZC") are limited liability companies by shares under the Company Law of China. M/s JSC is the parent company of the M/s TZC. Both the companies are producers of the subject goods in China. M/s JSC has exported the subject goods directly to unrelated Indian customers and M/s TZC has exported the subject goods to unrelated Indian customers through M/s JSC. M/s JSC exported goods under PCN A-1-5 & A-1-6 and has given PCN wise details of the exports of subject goods to India in Appendix 3A of the exporter's questionnaire response. M/s TZC has also provided all the relevant information in requisite formats.
47. It is noted that during the POI, M/s JSC has exported **** MT of self-produced subject goods and **** MT of subject goods produced by M/s TZC to unrelated customers in India. M/s JSC has claimed adjustments on accounts of ocean freight, insurance, inland transportation, port and other related expenses, bank charges and credit cost which have been allowed by the Authority. M/s TZC has invoiced subject goods to M/s JSC at ex-works basis. The Authority has verified the PCN wise details of the exports given in the questionnaire response filed by producers/exporters. The weighted average PCN wise ex-factory export price as determined is given in the dumping margin table.

(ii) Export price for M/s Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., (Producer/ Exporter) China PR

48. Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., established on July 31, 1989, is a joint-stock limited company and publicly listed in Shenzhen Stock Exchange, incorporated in accordance with the Company Law of China. During the POI, Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., has exported **** MT of PUC (under PCN A-1-1 & A-1-3) directly and **** MT, through a related trader, namely, Jiangsu Changbao Steel Tubulars Corporation, China PR. It is noted that Jiangsu Changbao Steel Tubulars Corporation, China PR has exported the PUC through two different unrelated traders, namely, Hunting Energy Services Pte Ltd., Singapore and Maco International Fze. It is further noted that Hunting Energy Services Pte Ltd., Singapore and Maco International Fze, have not participated in the present investigation and hence these have not been considered to workout ex-factory export price. Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., China PR has claimed adjustment on account of ocean freight, inland transportation, port and other related expense, credit expenses, bank charges and the same have been allowed. Accordingly, export price at ex-factory level for Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., China PR has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

(iii) Export price for M/s Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co., Ltd., China PR

49. Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co., Ltd., established on August 14, 2006, is a limited liability company, incorporated in accordance with the Company Law of China. During the POI, Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co., Ltd. has exported **** MT of PUC through a related trader, namely, Jiangsu Changbao Steel Tubulars Corporation, China PR, out of which Jiangsu Changbao Steel Tubulars Corporation, China PR has exported **** MT of PUC (under PCN A-1-5) to India through another unrelated trader, namely, Hunting Energy Services Pte Ltd., Singapore. It is further noted that Hunting Energy Services Pte Ltd., Singapore has not participated in the present investigation, and hence the same has not been considered to work-out ex-factory export price. Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co., Ltd. has claimed adjustment on account of inland transportation, port and other related expense and the same have been allowed. Accordingly, export price at ex-factory level for Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co., Ltd., has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

(iv) Export price for M/s Changzhou Changbao Precision and Special Steel Tube Co., Ltd. (Producer/ Exporter) China PR

50. Changzhou Changbao Precision and Special Steel Tube Co., Ltd., established on 26 April, 2005, is a limited liability company, incorporated in accordance with the Company Law of China. During the POI, Changzhou Changbao Precision and Special Steel Tube Co., Ltd., has exported **** MT of PUC (under PCN A-1-5 & A-1-6) directly and **** MT through a related trader, namely, Jiangsu Changbao Steel Tubulars Corporation, China PR. Changzhou Changbao Precision and Special Steel Tube Co., Ltd., has claimed adjustment on account of ocean freight, insurance, inland transportation, port and other related expense, credit expenses, bank charges and the same have been allowed. Accordingly, export price at ex-factory level for Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., China PR, has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

(v) Export price for Hengyang Valin Steel Tube Co. Limited, Hengyang Valin MPM Co. Limited and Hengyang Steel Tube Group International Trading Inc.– Hengyang Group

51. Hengyang Valin Steel Tube Co., Ltd. (“HY Valin”) as well as Hengyang Valin MPM Co., Ltd. (“HY MPM”) and Hengyang Steel Tube Group International Trading Inc. (“HY Intl”) – Hengyang Group: HY Valin as well as HY MPM are the producers of subject goods and HY Intl is a related sales agent of HY Valin. During the POI, HY MPM sold subject goods only in domestic market to its related entity HY Valin. HY Valin has reported **** MT export of subject goods to India during the POI which includes export of **** MT of subject goods purchased from HY MPM and remaining **** MT of subject goods produced by the company itself. During the POI, HY Valin exports of subject goods through its sales agent HY Intl fall under two PCNs, i.e., A-1-5 and A-1-7. In the questionnaire response, HY Valin reported export sales of the subject goods and corresponding post sales expense for inland transportation, ocean freight, insurance, credit cost and port and other related expense which were allowed. The weighted average ex-factory export price as determined is given in the dumping margin table.

Other producers and exporters from China PR

52. The export price for non-cooperating producers/exporters from China PR has been determined as per best facts available, taking into account the DGCI&S data and questionnaire response of the co-operating producers/exporters and the same is mentioned in the dumping margin table below.

G.3.3.Dumping Margin

53. Based on the normal value and the export price determined as above, the dumping margin for producers/exporters from China PR has been determined by the Authority and the same is mentioned in the dumping margin table below:

Dumping Margin Table

| S.No. | Name of Producer | Constructed Normal Value | Export Price | Dumping Margin | Dumping Margin % | Dumping Margin Range |
|-------|--|--------------------------|--------------|----------------|------------------|----------------------|
| | | (USD/MT) | (USD/MT) | (USD/MT) | | |
| 1 | Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co. Limited, China PR | | | | | |
| | A-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | A-1-6 | **** | **** | (****) | (****) | |
| | Taizhou Chengde Steel Tube Co. Limited, China PR | | | | | |
| | A-1-6 | **** | **** | **** | **** | |
| | Weighted average | **** | **** | **** | **** | 0-10 |
| 2 | Changzhou Changbao Precision and Special Steel Tube Co. Limited, China PR | | | | | |
| | A-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | A-1-6 | **** | **** | **** | **** | |
| | Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co. Limited, China PR | | | | | |
| | A-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., China PR | | | | | |
| | A-1-1 | **** | **** | (****) | (****) | |
| | A-1-3 | **** | **** | (****) | (****) | |
| | Weighted average | **** | **** | **** | **** | 0-10 |
| 3 | Hengyang Valin Steel Tube Co. Limited, China PR | | | | | |
| | A-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | A-1-7 | **** | **** | (****) | (****) | |
| | Hengyang Valin MPM Co. Limited, China PR | | | | | |
| | A-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | Weighted average | **** | **** | **** | **** | 10-20 |
| 4 | Other Producers and Exporters, China PR | **** | **** | **** | **** | 25-35 |

H. ASSESSMENT OF INJURY AND CAUSAL LINK

H.1. Submissions of the domestic industry

54. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to the injury and causal link:

- The present case is a case of re-occurrence of injury, where the injury to domestic industry reduced over the years with the imposition of duties but re-occurred during period of investigation with significant decline in the volume and profitability parameters of the domestic industry.
- Volume of imports declined till 2017-18 and increased slightly in 2018-19, but increased significantly in the period of investigation by 176% compared to the previous year.
- The volume of imports in relation to production and consumption also declined till 2018-19 but increased during period of investigation by 256% and 183% respectively when compared to previous year.
- The share of subject imports in total imports declined till 2018-19 but increased significantly in the period of investigation while the share of other imports declined.

- e. While the cost of sales continuously increased, domestic industry was forced to reduce its selling price in order to not lose its market share to dumped imports. Thus, dumped imports prevented price increase and also and depressed the prices of the domestic industry.
- f. The capacity of the domestic industry increased over the injury period. However, the production and capacity utilization only increased initially and declined during the period of investigation.
- g. The sales of the domestic industry also increased till 2018-19 but declined during the period of investigation and such decline was at a much higher rate than decline in demand.
- h. The market share of the domestic industry increased till 2017-18 but declined thereafter and in the period of investigation, whereas the market share of the subject imports increased.
- i. The inventories of the domestic industry have piled up and the inventory holding period of the domestic industry was the highest during the period of the investigation.
- j. The profitability of the domestic industry also improved till 2018-19 but its losses, cash losses increased again during the period of investigation.
- k. The domestic industry has been unable to earn reasonable returns on its investments, and while its returns improved till 2018-19, they again declined in the period of investigation.
- l. The dumped imports have impacted the domestic industry's ability to raise capital investment.
- m. The domestic industry's volume and profitability parameters improved till 2018-19 but witnessed a decline in the period of investigation.
- n. The producers / exporters in the subject country have continuously dumped the subject goods in India despite current anti-dumping duties and in the event of cessation of duties, such dumping is likely to continue and aggravate.
- o. The procedures / exporters in the subject country are also dumping subject goods in third countries, with 29% of total exports being at dumped prices and 17% of total exports being at injurious prices.
- p. Contrary to the contention of the respondents, for calculation of exports to third countries at dumped prices, the normal value for China PR would remain the same irrespective of the country of export. Further, the adjustments to export price for such purpose is consistent with the practice of the Authority.
- q. That the producers are dumping in only 50 out of 175 countries to which exports are made is irrelevant and the fact that 29% of total exports are dumped prices is to be considered, which is equal to half the demand in India.
- r. The dumping margin and injury margin claimed by the domestic industry are based on PCN-wise information while the third country data is provided on an average basis, due to lack of information, thereby causing variation in the margins.
- s. The exports from the subject country are already subject to trade remedial measures imposed by many third countries, making India an attractive market.
- t. There is a significant increase in the volume of imports despite present anti-dumping duties, with one of the responding exporters also anticipating further increase in the event of cessation of duties.
- u. The volume of imports increased at a much higher rate than increase in demand, despite imposition of duties.
- v. The volume of exports by the responding producers / exporters has also increased over the injury period despite imposition of duties.
- w. Producers in China have large production capacities of the subject goods accounting for almost 60% of the total global output, which is 40 times more than the demand in India, with one of the largest Chinese producers TPCO alone having a production capacity of 4 million MT.

- x. Two responding producers have enhanced their capacities during the period of investigation and with more production units under construction, the present capacities are likely to increase further.
- y. The producers in China PR have set up capacities only for export purposes and with India being a lucrative market, expiry of duties is likely to result in increase in the volume of imports.
- z. The producers in China PR have large underutilized capacities which is 19 times of the total demand in India since such producers are operating at only 68% utilization.
- aa. The producers in China PR are highly export oriented and account for 15% of all steel and steel products exported globally.
- bb. The Global Steel Trade Monitor report provides details of steel and particular steel products exported by China PR during 2019 which includes the product under consideration.
- cc. The producers in the subject country hold significant inventories implying that they were unable to sell products due to present duties and if the present duties are discontinued, the producers are likely to resort to dumping in India.
- dd. India is the third largest export market for the Chinese producers despite imposition of anti-dumping duties.
- ee. India is a price attractive market for the exporters in China PR, evident from the fact that 28% of all exports from China PR are at prices lower than prices to India which amounts to 48% of total demand in the country.
- ff. The subject imports have entered the Indian market at injurious prices and in the event of cessation of duties, the injury to the domestic industry is likely to aggravate further.
- gg. Price competition in the market is an indicator of a healthy market but the present price competition is due to dumped imports forcing the domestic industry to compete with low prices creating an unfavourable market situation.
- hh. The reliance of the respondents on the findings of the Authority in Digital Offset Printing Plates regarding discontinuation of duties due to negative undercutting is misplaced as the duties were discontinued due to various reasons such as no injury or decline in economic parameters and lack of relationship between the factors establishing the likelihood of dumping and injury with the price trends.
- ii. The price of exports of the responding producers continued to decline over injury period and was the lowest during the period of investigation, despite imposition of anti-dumping duties.
- jj. Contrary to the contention of the respondents, the domestic industry has substantiated each of the factors provided under para (vii) of Annexure – II.
- kk. The fact that the domestic producers control 70% of the market cannot indicate absence of likelihood since the data indicates that subject imports have injured the domestic industry.
- ll. The present investigation being a sunset review, there is no requirement to establish a causal link between the likely dumping and likely injury as observed by the Appellate Body in United States – Anti-dumping measures on OCTG from Mexico.
- mm. The domestic industry is not likely to suffer injury due to any other factor.
- nn. While the demand has declined in the period of investigation due to impact of Covid-19, the decline in the economic parameters of the domestic industry was at a much higher rate.
- oo. The Authority is required to examine “a causal link” between the subject imports and injury to the domestic industry, rather than “the causal link” as per the WTO Anti-dumping agreement and the Appellate Body in US – Hot-Rolled Steel.
- pp. The present injury can only be attributed to subject country since the price of other imports was low throughout the injury period and the domestic industry was able to maintain its market share and improve its profits. Further, the price of such other imports has increased by 49% during the period of investigation while the price of subject imports increased by only 3%.

- qq. The volume of imports from non-subject countries like USA, Ukraine and UAE largely comprises imports of defectives or secondary grade or stock lot which are naturally priced lower than the subject goods due to their inferior quality. Further, while the domestic industry claims that imports from these countries are of defectives, it has not classified the import data of subject goods into Prime grade and Non-prime Grade. Domestic Industry claims that non-prime grade goods are also within the scope of Product Under Consideration. Further, while the domestic industry acknowledges the adverse impact of other imports, i.e., defectives and non-prime grade subject goods on its operations, it has also submitted that the injury during the POI is nevertheless attributable to the subject imports because the defective imports from other sources had been priced lower throughout the injury period and despite the lower prices of such imports, the domestic industry had been able to maintain its market share and improve its profitability. However, the performance of the domestic industry has declined significantly during the period of investigation when the subject imports increased. Domestic Industry argues that while the price of other imports increased by 49% during the period of investigation, the price of subject imports increased by only 3%.
- rr. The Authority is required to examine injury based on information submitted by the domestic industry for the period of investigation and the injury period and the situation of the domestic industry in the previous investigation is not relevant. In any case, the domestic industry was suffering injury in the previous investigation and its performance improved due to imposition of duties.
- ss. Re-occurrence of injury to ISMT Limited in the period of investigation coinciding with the increase in dumped imports, after its performance improved till 2018-19, clearly shows that such injury is due to dumped imports and not due to any inherent inefficiencies.
- tt. The Authority is not required to conduct non-attribution analysis regarding features inherent to the domestic industry that have remained unchanged, as held by the Appellate Body in EU – Biodiesel. Further, injury to the domestic industry must be seen as it exists as held by the CESTAT in Nippon Zeon Co. Limited vs DA and accepted by the Authority in the investigations concerning Aniline from USA and Japan, Cable Ties from China PR and Chinese Taipei, Caustic Soda from China PR and Korea RP, Melamine from EU, Iran, Indonesia and Japan and Phthalic Anhydride from Japan and Russia.
- uu. Contrary to the contention of the respondents, Jindal Saw Limited has also suffered injury and its economic parameters have declined.
- vv. While petition for insolvency proceedings was filed against ISMT before the National Company Law Tribunal, Mumbai, the same was withdrawn before admission. Further, performance of ISMT has improved post-imposition of duties but significant losses over some time led to their inability to discharge dues, resulting in such proceedings.
- ww. Contrary to the contention of the respondents, the volume of imports declined in the period impacted by Covid-19. If such period is excluded, the volume of imports in 2019-20 has increased by 210% as compared to decline in sales of domestic industry by 16% compared to previous year.
- xx. Segregating the impact of Covid-19 on the performance of the domestic industry would show that the domestic industry was injured due to dumped imports.

H.2. Submissions of other interested parties

- 55. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to the injury and causal link:
 - a. The domestic industry has itself noted a negative dumping and injury margin for exports of subject goods from China PR to India for the period of investigation. The price undercutting due to imports from China PR is also negative during the period of investigation of the present sunset review. Therefore, it is clear that the subject goods from China PR are being imported at a fair price.
 - b. Positive and healthy economic parameters rule out unsubstantiated allegation of the petitioners suffering material injury due to the imports.

- c. There has been an absolute decline in the volume of imports of subject goods from China PR since the original investigation. The imports from China PR have reduced from 2,30,850 MT in the POI of the original investigation to 73,628 MT in the POI (A) of present investigation. Imports from China PR during the injury investigation period of the present sunset review has not been more than imports during the investigation period in the original investigation during any given year.
- d. The volume of subject goods exported by Jiangsu Chengde and Taizhou Chengde have remained low and holds insignificant share in the total exports from China PR. The total import volumes from Jiangsu Chengde and Taizhou Chengde combined is less than 10% of total imports from China PR during the period of investigation. Additionally, the imports from Jiangsu Chengde and Taizhou Chengde have been stable since 2018 and there has not been any sharp rise in the imports of subject goods.
- e. The import volumes of subject goods from China PR are significantly lower in comparison to imports of subject goods from non-subject countries. Similarly, the import price from non-subject countries is also significantly lower than import price from China PR.
- f. Critical volume parameters of the domestic industry like total capacity, total sales and total production have increased in the POI(A) as compared to base year indicating visible improvement in the volume parameters of the domestic industry.
- g. Sales of other producers improved during injury period. However, there is sharp decline of sales of the domestic industry in the period of investigation.
- h. The domestic industry has been able to significantly improve its market share in the domestic demand since the original investigation. The market share of Indian producers as a whole has risen to 72.05% in the present sunset review investigation while it was only at 48% in the original investigation. Similarly, market share of non-subject countries has increased from 8% in the original investigation to 17% in present period of investigation. At the same time, market share of imports from China PR has reduced from 43% in the original investigation to 10.95% in the present period of investigation.
- i. The profit of domestic industry increased during period of investigation. The decline in the profit as compared to preceding year is due to lockdown of Covid-19.
- j. The applicants have made irrational and misleading statement claiming reduction in their selling price whereas their selling price and PBIT per unit have substantially increased to **** MT and **** MT respectively in the investigation period.
- k. Decline in cash profits of the domestic industry was due to Covid 19.
- l. The domestic industry has claimed that it is suffering due to “re-occurrence” of injury. “Re-occurrence” of injury is said to be a case where injury has already re-occurred during the period of investigation and the cessation of duty would lead to intensified injury. In terms of Section 9A(5) of the Customs Tariff Act, 1975, a sunset review investigation is limited to evaluating a likelihood of the continuation or recurrence of material injury to the domestic industry if anti-dumping duty is revoked. There is no legal standard requiring analysis of re-occurrence of injury during the period of investigation. The Authority cannot be burdened with requirements of conducting such additional analysis when the information on record shows that there is no likelihood of continuation of dumping and injury.
- m. There is no likelihood of injury as domestic industry’s performance improved and further continuation of investigation will violate the spirit of Article 11.1 of Anti-Dumping Agreement and Rule 23(1) of Custom Tariff Rules, 1995.
- n. The applicants have made mere allegations regarding likelihood of injury and have also failed to prove any of the four factors mentioned in Para (vii) of Annexure II. Further, there is no evidence of likelihood of continuation or recurrence of dumping or injury as can be seen below.
 - i. Surplus capacities cannot imply any capacity above the domestic demand but rather mean the idle capacities left over after meeting domestic and global demand.

- ii. The claim that China has 24 million MT of production capacity cannot be accepted since such data is only upto 2017 and is not updated. Further, the report relied on by the petitioners does not mention the units used to determine such figure.
- iii. The claim that TPCO has 4 million MT capacity is irrelevant since it is not clear if TPCO has a history of exports to India and has exported to India during the injury period. The capacities available with the producers must be verified with the information submitted and baseless claims of mere existence of surplus capacities must not be accepted as held by the CESTAT in *Indian Spinners Association vs Designated Authority*.
- iv. In the case of Plain gypsum plaster boards from China PR, Indonesia, Thailand and UAE, the Authority held that mere surplus capacities cannot be sufficient to conclude likelihood of recurrence of dumping or injury.
- v. With imposition of duties for five years, producers in China PR have found strong foothold in alternative markets and thus, have no incentive to shift exports to India. Further, the petitioners have made unsubstantiated claim that 77% of total from China PR are at price lower than exports to India, with no basis of such calculations.
- vi. The capacity with the producers in China PR has been continuously reducing since 2014.
- vii. India is not a major export market for producers in China PR as exports to India are below 7% while exports from other countries are much higher.
- viii. Petitioners have claimed that the China PR has capacity of 24 million MT while as per the statement of third country dumping and injury margin, the volume of exports is only 16,58,947 MT with only 7% exports being to India, implying that the product is mostly consumed domestically and producers are not export oriented.
- ix. The petitioners have relied on the Global Steel Trade Monitor's reports with highlights the total steel exports from China PR, which is irrelevant since the product under investigation is not steel.
- x. The data furnished by the domestic industry itself clearly notes that at least 71% of exports from China PR to third countries are at non-dumped exports and 83% of exports from China PR are at a non-injurious price. Since overwhelming majority of exports from China PR to third countries are at un-dumped and non-injurious fair price, there cannot be likelihood of dumping or injury due to exports from China PR.
- xi. The petitioners have erroneously calculated exports to third countries at dumped prices using normal value for India and without disclosing adjustments made to calculate the net export prices. Further, out of 175 countries to which China PR exports, the dumping margin is positive only for 50 countries.
- xii. Existence of stiff price competition, as claimed by the petitioners, is the essence of a healthy market which provides more options to consumers and avoidance of competition is equivalent of indulging in anti-competitive practices. This cannot be grounds for continuation of duties.
- xiii. 70% of the market share is controlled by the Indian producers. Thus, there is no likelihood of injury.
- o. The domestic industry has identified trade remedial measures imposed by various third countries on subject goods from China PR. However, several measures identified by the domestic industry have been imposed in or prior to the year 2017. Any impact from these remedial measures imposed in 2017 or earlier should have been visible during injury investigation period. Therefore, the apprehension of diversion of exports from third countries due to remedial measures imposed in or before 2017 is untenable.
- p. Allegation of the domestic industry regarding the producers in China retaining excess underutilized production capacity and operating at 68% is irrational and inconsequential as the

- producers are operating at 90-95% of their capacity. Thus, there is no scope for utilizing unused capacity to increase exports of subject goods to India.
- q. Decreased volume of exports of Changbao Group to India during the investigation period clearly indicates that it is not causing injury to the domestic industry in any way.
 - r. In the initial petition, price undercutting was in range of 1-10% but in the updated petition, the undercutting was negative implying that the situation of the domestic industry improved over time and there is no likelihood of further injury.
 - s. Even in the event the Authority notes that there is likelihood of injury due to exports from subject country, it is necessary to conduct a separate assessment of likelihood of injury for Jiangsu Chengde and Taizhou Chengde. The Authority is not precluded from making separate likelihood determinations for individual exporters or producers in a sunset review and then continuing or terminating the relevant duty for each company according to the determination for that company. There are no surplus capacities with the exporters which are likely to be diverted to India in the event of cessation of duty. The volume of subject goods exported by the exporters has remained low and the combined share of Jiangsu Chengde and Taizhou Chengde is insignificant in the total exports from China PR.
 - t. The volume of imports increased to fulfil the demand-supply gap in the market due to limited capacity and declining production quantity of the domestic industry.
 - u. There is no correlation between the volume of imports and sales of domestic industry as they have not moved in tandem and have fluctuated disproportionately. Had the imports impacted the sales and market share of domestic industry, the same would have declined with increase in the volume.
 - v. It can be seen that the share of imports in the period of investigation has declined compared to base year; the import price from China PR has continuously increased while that from the UAE, USA and Ukraine have remained below the import price from China PR; imports from other countries are significantly higher than imports from China PR and thus could be the cause of likelihood of injury to the domestic industry; the market share of other countries was higher than the market share of China PR.
 - w. Domestic industry cannot identify imports of non-prime grade from within the imports from third countries to claim that they are not causing injury to domestic industry. The injury caused by imports from other countries and the injury caused due to imports from non-subject countries cannot be attributed to imports from China PR.
 - x. While the domestic industry has claimed that imports from USA, Ukraine and UAE are of defectives, it has not classified the import data of subject goods into Prime grade and Non-prime Grade. Non-prime Grade goods are within the scope of the Product Under Consideration. The domestic industry opposed the exclusion of such grades in the original investigation. The Authority must examine that the injury caused by the imports from third countries is not the attribute of imports from China PR.
 - y. The negative undercutting clearly establishes that the domestic industry is not suffering from any injury due to the subject imports. In the case of Digital Offset Printing Plates, the Authority recommended discontinuation of duties based on undercutting.
 - z. Upon perusal of the Annual Reports of major producers (i) Jindal Saw Limited; (ii) ISMT Limited and (iii) Maharashtra Seamless Limited, it is clear that ISMT Limited has recorded significant losses while other Indian producers have gained healthy profits.
 - aa. MSL is the major producers of product under consideration and hold 75% of total Indian production. If the imports from subject counties are causing injury to the domestic industry, it should affect all the producers, but only ISMT is impacted. Since Jindal Saw constitutes a very small share in total production. The average of the two is showing a decline.
 - bb. ISMT's annual report of 2019-20 stated that it suffered losses due to huge investment in captive power plants and in ports & power projects. Further, it also invested in expanding the capacity of Baramati plant, which remains underutilized. However, other two producers have

- gained profits. ISMT is the only industry which is incurring losses due to other reason and not due to imports from China PR.
- cc. ISMT is incurring losses since 2012-13 while other petitioners are making profit. As per annual report of ISMT for 2012-13, the company incurred losses due to increased borrowing and high rate of interest of finance cost, which affected the domestic market situation and market faced with uncertain economic situations.
 - dd. Bank Of Maharashtra initiated Corporate Insolvency Resolution Process (CIRP) against ISMT Limited and they were declared as bankrupt. They were still making losses even after the duty was already in place which clearly demonstrates that imports from China PR are not the cause behind the loss sustained by them.
 - ee. ISMT's annual report 2019-20 also stated that the loss was incurred due to slow down of auto sector, slowdown in capex cycles, poor market situation and temporary suspension of plants operation due to Covid-19. ISMT is trying to restrict imports from China PR in order to recover losses due to shut down. Also, delay in restructuring of debt of the company contributed to continued losses.
 - ff. Jindal Saw Limited also incurred losses due to Covid-19 as per unaudited financial results for the 2nd quarter year ending 2020. Due to Covid-19 lockdown, there was downward trend in the performance of the petitioners, which proves that injury to the domestic industry was not due to imports.
 - gg. The production of the domestic industry declined due to Covid-19, as was admitted by the domestic industry in the application.
 - hh. The low demand and productivity, disruption of operational and supply chain and potentially tightening credit markets and health of the work force due to Covid-19 has affected the domestic industry.
 - ii. Domestic industry's sales increased during the period of investigation. Their highest sales were recorded during 2017-18 and exports also increased. However, during the period of investigation, the sales were impacted due to covid 19 not because of imports.
 - jj. The Authority must conduct detailed verification to ensure that costs are allocated only to the product under consideration and the non-injurious price is not inflated since the domestic industry produces Non-PUC as well.

H.3. Examination by the Authority

- 56. The Authority has taken note of the arguments and counter-arguments of the interested parties with regard to injury to the domestic industry. The injury analysis by the Authority hereunder addresses the various submissions made by the interested parties.
- 57. Rule 11 of the Rules read with its Annexure-II thereto provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles."
- 58. Rule 23 of the Rules provides that the provisions of Rules 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19, and 20 shall apply mutatis mutandis in case of a review. In case the performance of the domestic industry shows that it has not suffered injury during the current injury period, the Authority shall determine whether cessation of the present duty is likely to lead to recurrence of injury to the domestic industry.
- 59. Opposing interested parties have argued that the domestic industry has suffered injury due to the effect of other imports which comprise defectives. The opposing parties have said that the Authority must examine that the injury caused to the domestic industry by the imports of defective and non-prime grade subject goods from third countries cannot be attributed to the imports of the subject goods from China PR. In this regard, the Authority notes that while the domestic industry acknowledges the adverse impact of other imports on its operations, it has also submitted that the injury during the POI is nevertheless attributable to the subject imports from the subject country because the defective imports from other sources had been priced lower throughout the injury period and despite the lower prices of

such imports, the domestic industry had been able to maintain its market share and improve its profitability. On the other hand, the performance of the domestic industry has declined significantly during the POI when the subject imports from the subject country increased. The Authority has examined these aspects and is of the view that since the domestic industry has suffered adverse effects of import during the POI, it follows that the same cannot be attributed to import of defectives and non-prime grades, which showed such a significant increase in prices.

60. The Authority has examined current injury, if any, to the domestic industry before proceeding to examine the likelihood aspects of dumping and injury on account of imports from the subject country. It has been examined as to whether there is an increase in imports, in absolute terms or in relation to production or consumption. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure-II of the Rules. The Authority has taken note of various submissions of the domestic industry and other interested parties and has analyzed the same considering the facts available on record and applicable laws. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the parties.

I. Assessment of demand / apparent consumption

61. The Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product under consideration in India as the sum of domestic sales of the domestic industry and other Indian producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below.

| Particulars | Unit | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | POI | |
|------------------------|---------|---------|---------|---------|----------|------------|
| | | | | | Actual | Annualised |
| Domestic industry | MT | **** | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 157 | 155 | 119 | 119 |
| Other Indian producers | MT | **** | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 140 | 171 | 150 | 150 |
| Subject imports | MT | 36,065 | 24,458 | 26,722 | 1,10,442 | 73,628 |
| Other imports | MT | 42,902 | 85,806 | 78,156 | 1,71,483 | 1,14,322 |
| Demand | MT | **** | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 147 | 158 | 154 | 154 |

62. It is seen that the demand for the subject goods had been steadily increasing throughout the injury period and has declined marginally during the period of investigation. The applicants have submitted that such declined is due to the impact of Covid-19 pandemic and is temporary.

II. Volume effect of the dumped imports

63. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the transaction wise import data procured from DGCI&S. The import volumes of the subject goods from the subject country and share of the dumped imports during the injury investigation period are as follows:

| Particulars | Unit | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | POI | |
|------------------------|------|---------|----------|----------|----------|----------|
| | | | | | Actual | Annl. |
| Subject imports | MT | 36,065 | 24,458 | 26,722 | 1,10,442 | 73,628 |
| Other imports | MT | 42,902 | 85,806 | 78,156 | 1,71,483 | 1,14,322 |
| Total | MT | 78,967 | 1,10,264 | 1,04,878 | 2,81,924 | 1,87,950 |
| Imports in relation to | | | | | | |
| Domestic production | % | **** | **** | **** | **** | **** |
| Consumption | % | **** | **** | **** | **** | **** |
| Total Imports | % | 45.67 | 22.18 | 25.48 | 39.17 | 39.17 |

64. It is seen that:

- The volume of subject imports declined in 2017-18 but increased marginally in 2018-19. However, the imports have increased significantly in the period of investigation.
- The subject imports have in relation to domestic production and consumption also declined in 2017-18, increased slightly in the 2018-19 and then increased substantially in the period of investigation.
- The share of subject imports in total imports declined in 2017-18 but increased thereafter and in the period of investigation.

III. Price effect of the dumped imports

65. In terms of Annexure II (ii) of the Rules, with regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison has been made between the landed price of imports from the subject country with the net sales realization of domestic industry for the subject goods.

a. Price undercutting

66. To determine price undercutting, a comparison has been made between the landed value of the product and average selling price of the domestic industry, net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level. In order to ensure a fair comparison, the Authority has calculated the PCN-wise price undercutting.

| Particulars | Unit | POI |
|-------------------------|--------|--------|
| Net sales realization | Rs./MT | **** |
| Landed price of imports | Rs./MT | 79,557 |
| Price undercutting | Rs./MT | **** |
| Price undercutting | % | **** |
| Price undercutting | Range | 0-10 |

67. It is noted that price undercutting is marginally positive for the subject country in the period of investigation.

b. Price suppression/depression

68. In order to determine whether the effect of imports depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the information given by the domestic industry for the changes in the costs and prices over the injury period has been compared with the landed value to see the desired effect.

| Particulars | Unit | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | POI |
|---------------|---------|---------|---------|---------|--------|
| Cost of sales | Rs./MT | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 91 | 108 | 110 |
| Selling price | Rs./MT | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 107 | 129 | 122 |
| Landed price | Rs./MT | 51,013 | 65,592 | 78,296 | 79,557 |
| Trend | Indexed | 100 | 129 | 153 | 156 |

69. It is noted that both the cost of sales and the selling price have increased during the injury period, and the increase in selling price is comparable to the increase in cost. However, it is seen that the cost of sales declined in 2017-18, but has been increasing thereafter. By comparison, the selling price has increased till 2018-19, but declined in period of investigation. Further, the landed price of imports remains below the cost of sales of the domestic industry. Thus, the imports have depressed the prices of the domestic industry.

IV. Economic parameters of the domestic industry

70. Annexure II to the Anti-Dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on the domestic producers of such products. With regard to consequent impact of dumped imports on the domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on capital employed or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed hereinbelow.

a. Production, capacity, capacity utilization and sales volumes

71. The performance of the domestic industry with regard to capacity, production, sales and capacity utilization over the injury period was as below:

| Particulars | Unit | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | POI | |
|----------------------|---------|---------|---------|---------|--------|-------|
| | | | | | Actual | Annl. |
| Capacity | MT | **** | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 104 | 115 | 115 | 115 |
| Production - Plant | MT | **** | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 167 | 170 | 129 | 129 |
| Production - PUC | MT | **** | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 167 | 170 | 127 | 127 |
| Capacity utilization | % | **** | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 161 | 148 | 112 | 112 |
| Domestic sales | MT | **** | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 157 | 155 | 119 | 119 |

72. The Authority notes that:

- i. The capacity of the domestic industry has increased over the injury period.
- ii. The production and sales of the domestic industry increased till 2018-19 but declined during the period of investigation.
- iii. The capacity utilization of the domestic industry has declined.
- iv. While the demand for the subject goods has declined by only 3%, the domestic sales of the domestic industry have declined by 23%.

b. Market share

73. Market share of the dumped imports and domestic industry have been examined as below:

| Particulars | Unit | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | POI |
|-------------------|------|---------|---------|---------|-------|
| Domestic industry | % | **** | **** | **** | **** |
| Other producers | % | **** | **** | **** | **** |
| Subject imports | % | 8.25 | 3.81 | 3.87 | 10.95 |
| Other imports | % | 9.81 | 13.36 | 11.31 | 17.00 |

74. It is seen that the market share of the subject imports declined in 2017-18 but has increased thereafter, and the increase during the period of investigation is significant. Further, the market share of the domestic industry increased in 2017-18 but has declined significantly thereafter. The market share of the Indian industry as a whole has also declined during the period of investigation. However, the market share of other imports has also increased during this period.

c. Inventories

75. Inventory position of the domestic industry over the injury period is given in the table below:

| Particulars | Unit | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | POI |
|---------------|---------|---------|---------|---------|------|
| Opening stock | MT | **** | **** | **** | **** |
| Closing stock | MT | **** | **** | **** | **** |
| Average stock | MT | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 108 | 124 | 132 |

76. It is noted that the inventories of the domestic industry have increased over the injury period, indicating that the domestic industry is suffering accumulation of inventories.

d. Profitability, cash profits and return on capital employed

77. Profits, return on capital employed and cash profits of the domestic industry over the injury period is given in the table below:

| Particulars | Unit | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | POI | |
|-----------------|---------|---------|---------|---------|--------|--------|
| | | | | | Actual | Annl. |
| Cost of sales | Rs./MT | **** | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 91 | 108 | 110 | 110 |
| Selling price | Rs./MT | **** | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 107 | 129 | 122 | 122 |
| Profit / (loss) | Rs./MT | (****) | (****) | (****) | (****) | (****) |

| | | | | | | |
|----------------------------|----------|--------|--------|--------|--------|--------|
| Trend | Indexed | (100) | (14) | (4) | (46) | (46) |
| Profit / (loss) | Rs. Lacs | (****) | (****) | (****) | (****) | (****) |
| Trend | Indexed | (100) | (22) | (7) | (55) | (55) |
| Cash profits | Rs. Lacs | (****) | **** | **** | (****) | (****) |
| Trend | Indexed | (100) | 36 | 62 | (17) | (17) |
| Return on capital employed | % | (****) | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | (100) | 270 | 358 | 167 | 167 |

78. The Authority notes that the domestic industry was suffering losses throughout the injury period. Though the losses declined till 2018-19, they have increased significantly during the period of investigation. The domestic industry has also suffered deterioration in cash profits and return on capital employed in the period of investigation. The domestic industry has suffered cash losses during the period of investigation and has been able to earn only a negligible return on capital employed.

b. Employment, wages and productivity

79. The Authority has examined the information relating to employment, wages and productivity, as given below:

| Particulars | Unit | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | POI | |
|---------------------------|----------|---------|---------|---------|--------|--------|
| | | | | | Actual | Annul. |
| No of employees | Nos | **** | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 106 | 113 | 111 | 111 |
| Productivity per day | MT/Day | **** | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 167 | 170 | 129 | 129 |
| Productivity per employee | MT/Nos | **** | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 158 | 100 | 115 | 115 |
| Wages | Rs. Lacs | **** | **** | **** | **** | **** |
| Trend | Indexed | 100 | 122 | 149 | 162 | 162 |

80. It is seen that number of employees of the domestic industry increased till 2018-19, but have declined in the period of investigation whereas total wages have increased over the injury period. While productivity per day increased till 2018-19, it has declined during the period of investigation due to decline in production.

c. Growth

| Particulars | Unit | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | POI |
|----------------------------|------|---------|---------|---------|-------|
| Capacity | % | - | 4% | 11% | 0% |
| Production | % | - | 67% | 1% | -25% |
| Domestic sales | % | - | 57% | -1% | -23% |
| Profit/(loss) per unit | % | - | 86% | 68% | -945% |
| Cash profits | % | - | 136% | 71% | -128% |
| Return on capital employed | % | - | 370% | 33% | -53% |

81. It is noted that the volume parameters of the domestic industry increased initially but have significantly declined in the period of investigation. The profitability parameters of the domestic industry have also witnessed a significant decline during the period of investigation after witnessing improvement till preceding year. Further, the domestic industry has remained in losses throughout the period.

d. Ability to raise capital investment

82. It is noted that although the capacity of the domestic industry has increased, it has suffered significant losses and recorded a decline in return on capital employed. The domestic industry has earned a very meagre return on capital employed. This shows that imports have impacted the ability of the domestic industry to raise capital investment.

e. Factors affecting prices

83. The Authority notes that the subject imports are priced below the cost of sales and selling price of the domestic industry and the domestic industry has sold the subject goods at a loss. The subject imports have depressed the prices of the domestic industry. It can, thus, be concluded that the subject imports are affecting the prices of the domestic industry.

f. Magnitude of dumping

84. It is seen that there is continued dumping of subject goods in India despite the anti-dumping duties in force.

V. Overall assessment of injury

85. The examination of the imports from the subject country and performance of the domestic industry clearly show that:

- i. The volume of imports from the subject country has increased both in absolute terms and in relation to production and consumption.
- ii. The price undercutting is marginally positive, and the domestic industry is competing with the price of imports.
- iii. The imports depressed the prices of the domestic industry.
- iv. The production, capacity utilization and sales of the domestic industry increased till 2018-19 but have declined during the period of investigation.
- v. The market share of the Indian industry increased till 2017-18 but has declined significantly in the period of investigation, while the market share of the subject imports has increased.
- vi. Volume of inventories with the domestic industry has increased over the injury period.
- vii. The number of employees and productivity of the domestic industry have declined in the period of investigation whereas total wages have increased over the injury period.
- viii. The profitability of the domestic industry has deteriorated, and the domestic industry is suffering losses and cash losses.
- ix. The domestic industry is earning a negligible return on capital employed.
- x. The growth of the domestic industry in terms of volume and profitability parameters is negative.
- xi. The imports have impacted the ability of the domestic industry to raise capital investment.
- xii. The imports are affecting the prices of the domestic industry.
- xiii. The dumping margin is positive and significant.

86. In view of the foregoing, the Authority, has noted that the domestic industry has suffered material injury.

I. LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY

87. The Authority observes that this is a sunset review investigation, the focus of this investigation is to examine the likely scenario of continued dumping and consequent injury if anti-dumping duties are allowed to expire even if there is no current injury. This also requires a consideration of whether the duty imposed is serving the intended purpose of eliminating injurious dumping.

88. All factors brought to the notice of the Authority have been examined to determine as to whether there is a likelihood of continuation or recurrence of dumping or injury in the event of cessation of the duty. The Authority has considered various information, as made available by the domestic industry, in order to evaluate the likelihood of continuation or recurrence of dumping or injury.
89. There are no specific methodologies available to conduct such a likelihood analysis. However, Clause (vii) of Annexure II of the Rules provides, inter-alia, for factors which are required to be taken into consideration, viz.:
- A significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation;
 - Sufficient freely disposable, or an imminent, substantial increase in, capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian markets, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports;
 - Whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports; and
 - Inventories of the article being investigated.
90. Further, the Authority has also examined other relevant factors having a bearing on the likelihood of continuation or recurrence of dumping and consequent injury to the domestic industry. The examination of the parameters of likelihood is as follows.

b. Continued dumping

91. The Authority notes that there is continued and significant dumping of the subject goods from the subject country, in spite of the duties in force. The Applicants claim that dumping during the existence of duties indicates likelihood of continuation of dumping in the event of cessation of anti-dumping duty.

b. Third country dumping

92. The Applicants claim that the producers / exporters in the subject country are dumping the subject goods in third countries as well in addition to India. Significant exports to third countries by the subject country are at dumped prices which are to the tune of 29% or 4,79,520 MT out of the total exports from China PR. Further, 17% or 2,82,809 MT of the total exports from China PR to third countries are at injurious prices.

| Particulars | Volume (MT) |
|--|-------------|
| Total exports from China PR | 16,58,947 |
| Exports to third countries at dumped prices | 4,79,520 |
| % of exports at dumped prices | 29% |
| Exports to third country at injurious prices | 2,82,809 |
| % of exports at injurious prices | 17% |
| Demand in India | 10,08,732 |
| Dumped imports as % of total demand | 48% |
| Injurious imports as % of total demand | 28% |

c. Price attractiveness of Indian market

93. The Applicants claim that 4,79,520 MT or 29% of exports from the subject country to other countries are at prices lower than the prices prevailing in the Indian market. This implies that India is lucrative market for the producers in the subject country. Expiry of anti-dumping is likely to result in the producers diverting such exports to the Indian market.

Export to third countries by the participating producer/exporters

The Authority has examined the volume and value of exports from the subject country from the responses filed by the exporters. It is noted that the producers / exporters in the subject country are dumping the subject goods in third countries as well. 98.6 % of exports by the responding exporters are at dumped prices, totaling to 519917 MT. It is also noted that significant exports have been made at prices lower than the price prevailing in India. In the event of expiry of duty, such exports are likely to be diverted to the price attractive Indian market.

| Sl. No. | Name of Producer | Total Export to third countries | Export to third countries on positive Dumping margin | % of Dumped Export |
|---------|---|---------------------------------|--|--------------------|
| | | (MT) | (MT) | (%) |
| 1. | Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co. Limited, China PR | **** | **** | 37% |
| | Taizhou Chengde Steel Tube Co. Limited, China PR | | | |
| 2. | Changzhou Changbao Precision and Special Steel Tube Co. Limited, China PR | **** | **** | 26% |
| | Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co. Limited, China PR | | | |
| | Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., China PR | | | |
| 3. | Hengyang Valin Steel Tube Co. Limited, China PR | **** | **** | 100% |
| | Hengyang Valin MPM Co. Limited, China PR | | | |
| | Total | **** | **** | 98.6% |

d. Increase in volume of imports despite anti-dumping duty

94. The Applicants claim that the volume of imports from the subject country have increased despite duties which suggests that the imports are likely to increase further in the event of cessation of duty. Further, the rate of increase of subject imports is much higher than the rate of increase in demand during the same period.

| Particulars | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | POI (A) |
|-----------------------|----------|----------|----------|----------|
| Subject imports | 36,065 | 24,458 | 26,722 | 73,628 |
| Change (year on year) | - | -32% | 9% | 176% |
| Over the period | - | - | - | 104% |
| Demand | 4,37,324 | 6,42,288 | 6,91,122 | 6,72,488 |
| Change (year on year) | - | 47% | 8% | -3% |
| Over the period | - | - | - | 54% |

e. Significant idle capacities with producers in China PR

95. The Applicants have submitted that the producers in China PR account for 24 million MT of production of subject goods, which comprises 60% of total global production. It is also noted that the producers in the subject country have significantly underutilized capacities, and such idle capacities are much higher than the total demand in India. In the event of the cessation of present duties, such idle capacities are likely to be diverted to India since India is a prominent market for such exporters.

Figures in '000 MT

| Particulars | 2016 | 2017 | 2018 | 2019 |
|--|--------|--------|--------|--------|
| Capacity | 45,370 | 44,240 | 43,100 | 41,150 |
| Production | 25,270 | 26,100 | 24,828 | 27,984 |
| Idle capacity | 20,100 | 18,140 | 18,272 | 13,166 |
| Idle capacity (%) | 44% | 41% | 42% | 32% |
| Idle capacity in relation to demand in India (%) | - | - | - | 1305% |

f. Capacities set up for the purpose of exports

96. The Applicants claim that the producers in the subject country have set up capacities with the intention of exporting the subject goods since such capacities extend beyond the total consumption in the country.

Figures in '000 MT

| Particulars | 2016 | 2017 | 2018 | 2019 |
|--|--------|--------|--------|--------|
| Capacity | 45,370 | 44,240 | 43,100 | 41,150 |
| Consumption | 19,687 | 21,138 | 20,141 | 22,373 |
| Capacity intended for exports | 25,690 | 23,110 | 22,960 | 18,780 |
| Capacity intended for exports (%) | 57% | 52% | 53% | 46% |
| Exportable capacity in relation to Indian demand (%) | - | - | - | 2793% |

g. Increase in inventories with the producers in China PR

97. The Applicants claim that based on the information submitted by the responding producers / exporters, notes that such producers / exporters have accumulated significant inventories over the injury period.

| Name of the company | Unit | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | POI |
|---|---------|---------|---------|---------|-----|
| Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co. Limited | Indexed | 100 | 460 | 537 | 548 |
| Taizhou Chengde Steel Tube Co. Limited | Indexed | 100 | 301 | 889 | 806 |
| Changzhou Changbao Precision and Special Steel Tube Co. Limited | Indexed | 93 | 76 | 99 | 100 |

h. Imposition of trade remedial measures by third countries

98. The Applicants have submitted that the producers from China PR are subject to anti-dumping duties in various third countries including European Union, Canada, Brazil, Columbia, Mexico, Ukraine, Russia and USA, as specified in the table below. Therefore, producers from subject country are not only dumping in India but are also exporting to third countries at dumped prices. This highlights the tendency of the producers from the subject country to dump the subject goods.

| S. No. | Country | Product | Date of imposition of measure |
|--------|-------------------------------|---|-------------------------------|
| 1. | European Union | Seamless pipes and tubes (other than cast iron or stainless steel) | 22-5-2017 |
| 2. | Canada | Oil country tubular goods, including casing and tubing, welded or seamless | 3-7-2020 |
| 3. | Brazil | Certain types of carbon steel pipes and tubes | 21-7-2016 |
| 4. | Columbia | Iron or steel tubes and pipes | 22-6-2017 |
| 5. | Mexico | Seamless pipes and tubes | 13-12-2019 |
| 6. | Ukraine | Steel seamless hot-deformed pipes | 22-5-2020 |
| 7. | Eurasian Economic Corporation | Seamless steel pipes | 18-8-2015 |
| 8. | USA (CVD) | Seamless carbon and alloy steel (other than stainless steel) pipes and redraw hollows, less than or equal to 16 inches (406.4 mm) in outside diameter | 3-6-2016 (continued in 2021) |

i. Prominence of India as a market

99. The Applicants claim that India is the third largest export market for producers in China PR, despite existing anti-dumping duties, showing that India continues to be an important market for the producers in the subject country and in the event of cessation of duty, the volume of imports is likely to increase further.

| Country | Volume of exports (MT) | Share |
|----------|------------------------|-------|
| Kuwait | 1,68,950 | 10% |
| Korea RP | 1,45,880 | 9% |
| India | 1,32,661 | 8% |
| Thailand | 87,381 | 5% |
| Oman | 69,379 | 4% |
| Others | 10,54,696 | 64% |
| Total | 16,58,947 | 100% |

j. Imports at injurious prices

100. It is seen that the subject imports have entered the Indian market at injurious prices and below the cost of production, which indicates that imports are likely to adversely impact the domestic industry in the event of expiry of duty.

J. CAUSAL LINK AND NON-ATTRIBUTION ANALYSIS

101. As per the Rules, the Authority, inter alia, is required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in

demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It has been examined below whether factors other than dumped imports could have contributed to the injury to the domestic industry.

a. Volume and prices of imports from third countries

102. The Applicants have claimed other than the subject imports, there are significant imports at low prices from USA, Ukraine and UAE. However, the applicants submit that such imports are of defectives, secondary-grade or stock lots and while they have impacted the domestic industry, the current injury to the domestic is only due to the dumped imports. The Authority notes that the imports from other countries may also be simultaneously causing injury to the domestic industry. However, the evidence on record clearly shows a causal link between dumping of goods from the subject country and injury to the domestic industry. Further, the information on record also shows that the subject imports are likely to cause further injury to the domestic industry if the duties are allowed to expire.

b. Contraction in demand

103. The Authority notes that the demand for the subject goods increased consistently through the injury period but has declined marginally due to the impact of Covid-19 which is temporary, as claimed by the applicants.

c. Pattern of consumption

104. It is noted that there is no change in the pattern consumption of the subject goods, which could have caused injury to the domestic industry.

d. Conditions of competition and trade restrictive practices

105. The Authority notes that the investigation has not shown that conditions of competition or trade restrictive practices are responsible for the claimed injury to the domestic industry.

e. Developments in technology

106. It is noted that the technology for producing subject goods has not undergone any change and, therefore, is not likely to cause injury to the domestic industry.

f. Productivity

107. The Authority notes that the productivity of the domestic industry has increased over the injury period but has declined during the period of investigation. The applicants have claimed that such decline is due to the decline in the production.

g. Export performance of the domestic industry

108. The Authority notes that the injury information examined hereinabove relates only to the performance of the domestic industry in terms of its domestic market. Thus, the injury suffered cannot be attributed to the export performance of the domestic industry.

h. Performance of other products

109. The Authority has only considered data relating to the performance of the subject goods. Therefore, performance of other products produced and sold is not a possible cause of the injury to the domestic industry.

K.1. Conclusions on causal link

110. While other known factors listed under the Rules have not caused injury to the domestic industry, the Authority notes that the following parameters show that injury to the domestic industry is caused by the dumped imports.

- a. Despite duties, there is continued dumping of the subject goods, which has increased the demand for the subject imports.
- b. Imports have increased in both absolute and relative terms.
- c. As a result, domestic sales and market share of the domestic industry have declined in the period of investigation.

- d. The production, sales and capacity utilisation of the domestic industry have also declined.
- e. The imports have depressed the prices of the domestic industry.
- f. As a result, the profitability of the domestic industry has deteriorated and it is incurring losses, cash losses and recorded a declining return on capital employed.

111. The Authority, thus, concludes that there exists a causal link between the dumping of the subject goods and injury to the domestic industry.

K. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN

112. The Authority has determined the non-injurious price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules read with Annexure III, as amended. The non-injurious price of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The non-injurious price has been considered for comparing the landed price from the subject country for calculating injury margin. For determining the non-injurious price, the best utilisation of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been carried out with the utilities. The best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses were charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e., average net fixed assets plus average working capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive at the non-injurious price as prescribed in Annexure III of the Rules and being followed.

113. Based on the landed price and non-injurious price determined as above, the injury margin for producers/exporters has been determined by the Authority and the same is provided in the table below.

Injury Margin Table

| S.No. | Name of Producer | NIP | Landed Value | Injury Margin | Injury Margin % | Injury Margin Range |
|------------------|---|----------|--------------|---------------|-----------------|---------------------|
| | | (USD/MT) | (USD/MT) | (USD/MT) | | |
| 1 | Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co. Limited, China PR | | | | | |
| | A-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | A-1-6 | **** | **** | **** | **** | |
| | Taizhou Chengde Steel Tube Co. Limited, China PR | | | | | |
| | A-1-6 | **** | **** | **** | **** | |
| | Weighted average | **** | **** | **** | **** | 0-10 |
| 2 | Changzhou Changbao Precision and Special Steel Tube Co. Limited, China PR | | | | | |
| | A-1-5 | **** | **** | (****) | (****) | |
| | A-1-6 | **** | **** | **** | **** | |
| | Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co. Limited, China PR | | | | | |
| | A-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | Weighted average | **** | **** | **** | **** | |
| | Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., China PR | | | | | |
| | A-1-1 | **** | **** | (****) | (****) | |
| | A-1-3 | **** | **** | (****) | (****) | |
| Weighted average | **** | **** | **** | **** | 0-10 | |
| 3 | Hengyang Valin Steel Tube Co. Limited, China PR | | | | | |
| | A-1-5 | **** | **** | **** | **** | |
| | A-1-7 | **** | **** | (****) | (****) | |
| | Hengyang Valin MPM Co. Limited, China PR | | | | | |
| | A-1-5 | **** | **** | **** | **** | |

| | | | | | | |
|---|--|------|------|------|------|-------|
| | Weighted average | **** | **** | **** | **** | |
| 4 | Other Producers and Exporters, China PR | **** | **** | **** | **** | 20-30 |

L. POST-DISCLOSURE COMMENTS

114. The Authority issued a disclosure statement on 22.07.2021 disclosing essential facts of the case and inviting comments from all the interested parties. The post-disclosure submissions have been received from the interested parties. Majority of the issues raised have already been raised earlier and also addressed appropriately. Additional submissions to the extent deemed relevant have been examined as under.

L.1 Submissions of the Domestic Industry

115. It is not appropriate to assume that the producers in China PR are operating their plants at optimum levels, and at the lowest cost. Such an assumption is unreasonable and unfair to the domestic industry, and undermines the domestic producers. Therefore, it would be more realistic and reasonable to determine the normal value on the basis of the actual weighted average cost of production of the domestic industry.

116. Normal value has not been constructed for PCN A-1-4, presumably for the reason that the domestic industry did not produce it during the period of investigation. The normal value and non-injurious price can be constructed based on the cost of the closest PCN.

117. It is not necessary that the Authority determines price undercutting and injury margin for all the PCNs. The domestic industry refers to the established practice of the DGTR and EU in this regard.

118. In this regard, the domestic industry relies upon the practice codified in the Manual of Operating Procedures, which provides as under.

“9.6.40. In a situation where export quantities include some of the PCNs, which have not been produced by the DI during the POI, then a Notional or Estimated NIP is to be computed for those PCNs. This notional NIP of PCN is computed based on the cost of the most similar PCN produced by the DI duly adjusted for the differences on merit. This notional NIP is subsequently used for determination of injury margin for that PCN.”

119. Therefore, the Manual clearly provides that if the domestic industry has not produced a PCN, the non-injurious price for that PCN should be based on the cost of the most similar PCN produced by the domestic industry, duly adjusted. Same principle would apply to constructed normal value as well. Therefore the normal value and non-injurious price for A-1-4 may kindly be determined based on the cost of the nearest PCN.

120. The disclosure has no comments with regards to the analysis of likelihood of continuation of dumping or injury to the domestic industry by the Designated Authority.

121. Since due PCNs being involved in the present investigation, there cannot be normation of raw materials and utilities for the purpose of calculation of non-injurious price of the domestic industry. Therefore, the normation of formats cannot be applied in the present investigation.

122. The domestic industry requests the Authority to impose anti-dumping duty as a benchmark form of duty, after suitably increasing the same for the increase in raw material costs. The domestic industry accepts if the DGTR wishes to consider indexation of benchmark both for upward and downward revisions, depending on the movement in the input prices. However, under present benchmarks, when the raw material prices have already increased so significantly, the domestic industry would continue to suffer and the benchmarks would become inadequate. At the same time, when raw material prices decline, users would suffer.

123. The final findings in Antidumping investigation concerning imports of All Fully Drawn or Fully Oriented Yarn/Spin Draw Yarn/Flat Yarn from Indonesia, Korea, Malaysia and Taiwan [NO.14/3/2005-DGAD], the Authority noted that the price undertaking was required to be revised for every +/- 5% increase in price of raw material. Evidently, the Authority considered that the price undercutting is required to be indexed to raw material prices.

124. The effect of anti-dumping measures on public interest must be studied from the perspective of interests of different set of parties – (a) the domestic producer of the product under consideration, (b) the domestic consumers of the product under consideration, (c) the upstream and downstream industries in both the producing and consuming industry, (d) the general public and (e) purpose/objective of imposition of anti-dumping duties. When considered in this context, imposition of anti-dumping measure in the present case shall be in national interest.
125. The producers in China PR receive significant benefits directly as well as indirectly. The government of China PR is willing to extend significant support to the production of subject goods in the country. Therefore, duties may kindly be imposed on the subject goods, to offset the trade distortion caused.
126. If the duties are extended the outgoing foreign exchange would be conserved and would be a step towards a favourable balance of payment account of the country and reduction of dependence on imports.

L.2 Submissions of other interested parties

127. There is no price effect due to imports from subject country during the injury investigation period.
128. The apprehension pertaining to accumulation of inventories with JSC and TZC is only due to examination of data in trend. Furthermore, comparison of inventory data to total sales quantity clarifies that the stock of inventory with the Respondent is miniscule.
129. The Authority has not considered post-POI data in conducting likelihood of injury analysis despite noting that it would examine the same in its Initiation Notification.
130. The Annual Report of ISMT Limited indicates unprofitable capital investments that were affected by government policies and slowdown in auto sector as the reason for loss or inadequate profits. Therefore, it is evident that the poor performance of the company is on account of its own intrinsic factors and due to reasons non-attributable to the subject imports from China PR.
131. The stark difference in the performance of ISMT Limited when compared to Jindal Saw and Maharashtra Seamless Limited clarifies that only ISMT Limited has been suffering significant losses due to factors non-attributable to the import of subject goods from China PR. Therefore, the Authority must examine the standalone performances of the domestic industry producers and supporters in the subject sunset review investigation.
132. Reference price based duty should be different for the participating producers/exporters and other producers/exporters from residual category.
133. The Authority should clearly and categorically record that the Authority for the present investigation has considered sales price between Hengyang Valin MPM Co., Ltd and Hengyang Valin Steel Tube Co. Ltd (not resale price to unrelated customer) for arriving at ex-factory export price. As per the questionnaire response, Hengyang Valin MPM Co., Ltd and Hengyang Valin Steel Tube Co. Ltd. are affiliated companies, and the sales price between the companies is not determined by the market but by the internal profit. Therefore, the Ex-Factory export price should be computed based on Hengyang Valin Steel Tube Co. Ltd's resale price to Indian customers (not considering the internal transactions).

L.3 Examination by the Authority

134. With regard to the submission of Hengyang Valin MPM Co., Ltd and Hengyang Valin Steel Tube Co. Ltd that the ex-factory export price should be computed based on Hengyang Valin Steel Tube Co. Ltd resale price to Indian customers, it should be noted that as Authority is required to compute the net export price at the ex-factory level for the each producer. Accordingly, Authority has adopted the net export price at ex-factory level of each producer as per its consistent practice. Further, Hengyang Valin Steel Tube Co. Ltd is also a producer of subject goods and exporting the subject goods manufactured by itself. It has not been established that Hengyang Valin Steel Tube Co. Ltd is solely acting as a sales department for Hengyang Valin MPM Co., Ltd. In such case, profit & indirect SGA expenses of the related exporter/trader are additionally required to be reduced in addition to direct selling expenses while arriving at the net export price.
135. The submissions by the interested parties were mostly repetitive in nature, and have already been addressed at the relevant place in the finding. The Authority has examined the remaining submissions herein below.

136. Since the Authority has confirmed the margins disclosed vide the Disclosure Statement, no fresh disclosure is required.
137. The interested parties have claimed that there is no adverse price effect of imports. However, the Authority notes that the price undercutting is marginally positive. Further, while the cost of sales and selling price have improved compared to the base year, the cost of sales has increased compared to the preceding year, while the selling price has declined. The Authority notes that in the present case, the injury to the domestic industry has recurred. In view of the same, comparison cannot be made simply with the performance in the base year. Instead, performance in the period of investigation would have to be compared to the performance in the years when the performance of the domestic industry improved. Further, the imports are priced below the selling price and cost of sales of the domestic industry. Therefore, it is concluded that the imports are adversely affecting the prices of the domestic industry.
138. With regard to the contention that performance of ISMT Limited on a standalone basis should be considered, it is noted that the injury examination is carried out for domestic industry as a whole. As noted by the Appellate Body in United States – Anti-Dumping Measures on Certain Hot-Rolled Steel Products from Japan, *“investigating authorities are directed to investigate and examine imports in relation to the “domestic industry”, the “domestic market for like products” and “domestic producers of [like] products”. The investigation and examination must focus on the totality of the “domestic industry” and not simply on one part, sector or segment of the domestic industry.”* Therefore, the performance of ISMT Limited alone would not be relevant. In any case, the data on record shows that the performance of both the producers improved initially but declined during the period of investigation,
139. With regard to non-participation of Maharashtra Seamless Limited (MSL), it is noted that in the present situation, the petitioners account for a major proportion, thereby constituting domestic industry under Rule 2(b). Therefore, the Designated Authority is not precluded from examining injury to the domestic industry due to non-participation of MSL.
140. The Authority further observes that even if MSL has not participated, it does not negate the finding that a major proportion of the total domestic production, represented by Jindal Saw Limited and ISMT Limited has suffered injury. As noted by the Panel in Argentina – Definitive Anti-Dumping Duties on Poultry from Brazil, *“the reference to a major proportion suggests that there may be more than one “major proportion” for the purpose of defining “domestic industry”.*” Therefore, MSL may also constitute a major proportion, in addition to Jindal Saw Limited and ISMT Limited constituting a major proportion. However, Authority is required to examine the performance of the major proportion before it, which constitutes the domestic industry.

M. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

141. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duty, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. The Interested parties have not established that imposition of duties is going to adversely impact the public interest.
142. It is recognized that the imposition of anti-dumping duty might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measure, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measure would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

PUBLIC INTEREST

143. The Authority also examined as to whether the extension of the existing duty on imports of the product under investigation originating in or exported from the subject country would be against the larger public interest.

144. The Authority noted that it had issued Gazette Notification initiating the investigation for extension of the existing duty on imports of the product under investigation originating in or exported from the subject country. This Gazette Notification is in the public domain. Through this Notification, the Authority had invited views from all the interested parties, including importers and users, on all aspects of the application submitted by the Domestic Industry for extension of the existing anti dumping duty. It was specifically mentioned in the Initiation Notification that all the interested parties were advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses and offer their comments to the domestic industry's application within the prescribed limit from the date of publication of the Notification. Further, on the DGTR website, questionnaires for importers and users are also available. Questionnaire for users invites comment from them, inter-alia, on the comparability of the product under investigation imported from the country concerned with that produced in India, identifying any differences (e.g., technical or physical characteristics, prices, uses, etc); whether their company would be in favour of the imposition of antidumping measures or against and are there products that could be easily substituted for the product under investigation.
145. The Authority notes that none of the importers/users have filed any questionnaire response. Therefore, no evidence has been put forward by the importers and consumers in India in the form of questionnaire response showing that the existence of anti dumping duty on the subject goods over the last five years has had any significant adverse effect either on the consumers or on the public at large. However, two users filed only written submissions in opposition to the request for extension of the duty. They have contended and put forward their point of view that there is no current dumping and injury to the domestic industry and also that there is no likelihood of dumping and injury to the domestic industry. In the light of the legal submissions of these two users, the Authority has also addressed the public interest issue and examined appropriately their submissions regarding current and likely dumping and injury to arrive at its final findings.

N. CONCLUSION

146. Having regard to the contentions raised, information provided, submissions made and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry, the Authority concludes that:
- i. There is continued and significant dumping of the subject goods from the subject country in spite of the duties in force. The dumping margin and injury margin are positive and significant.
 - ii. The imports have depressed the prices of the domestic industry.
 - iii. The production, capacity utilization and sales of the domestic industry have declined during the period of investigation.
 - iv. The profitability of the domestic industry has deteriorated, and the domestic industry is suffering losses and cash losses.
 - v. The domestic industry is earning a negligible return on capital employed.
 - vi. The growth of the domestic industry in terms of volume and profitability parameters is negative.
 - vii. The imports have impacted the ability of the domestic industry to raise capital investment.
 - viii. Significant exports to third countries by the subject country are at dumped prices which are to the tune of 29% out of the total exports from China PR. Further, 17% of the total exports from China PR to third countries are at injurious prices.
 - ix. More than 90% of the exports by the responding exporters to third countries are at dumped prices.
 - x. There are significant idle capacities with producers in China.
 - xi. The information on record also shows there is strong likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury in case the anti-dumping duty in force is allowed to cease at this stage.

O. RECOMMENDATIONS

147. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers/users and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and the causal link and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Rules, the Authority is of the view that continued imposition of Anti-Dumping Duty is required on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.

148. Under these circumstances, the Designated Authority considers it appropriate to recommend continuation of existing anti-dumping duty on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject country. The Authority, recommends continuation of existing anti-dumping duty imposed vide Notification No. 7/2017-Customs (ADD) dated 17th February, 2017. Therefore, the anti-dumping duty as per the duty table given below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods, as detailed in column 3 of the duty table, originating in or exported from subject country for a further period of five years.

DUTY TABLE

| Sr. No. | Heading | Product Description | Country of Origin | Country of Export | Producer | PCN | Amount | Unit | Currency |
|---------|---------|---|----------------------------|----------------------------|--|-------|----------|------|-----------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 1 | 7304 | Seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron and stainless steel), whether hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD* | People's Republic of China | People's Republic of China | Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co. Limited, China PR | A-1-1 | 1,194.60 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-2 | 1,075.28 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-3 | 1,383.44 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-4 | 1,178.73 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-5 | 961.33 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-6 | 1,193.77 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-7 | 1,462.00 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-8 | 1,610.67 | MT | US Dollar |
| 2 | -do- | -do- | People's Republic of China | People's Republic of China | Taizhou Chengde Steel Tube Co. Limited, China PR | A-1-1 | 1,194.60 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-2 | 1,075.28 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-3 | 1,383.44 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-4 | 1,178.73 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-5 | 961.33 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-6 | 1,193.77 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-7 | 1,462.00 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-8 | 1,610.67 | MT | US Dollar |
| 3 | -do- | -do- | People's Republic of China | People's Republic of China | Changzhou Changbao Precision and Special | A-1-1 | 1,194.60 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-2 | 1,075.28 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-3 | 1,383.44 | MT | US Dollar |

| Sr. No. | Heading | Product Description | Country of Origin | Country of Export | Producer | PCN | Amount | Unit | Currency |
|---------|---------|---------------------|----------------------------|----------------------------|---|-------|----------|------|-----------|
| | | | | | Steel Tube Co. Limited, China PR | A-1-4 | 1,178.73 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-5 | 961.33 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-6 | 1,193.77 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-7 | 1,462.00 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-8 | 1,610.67 | MT | US Dollar |
| 4 | -do- | -do- | People's Republic of China | People's Republic of China | Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co. Limited, China PR | A-1-1 | 1,194.60 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-2 | 1,075.28 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-3 | 1,383.44 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-4 | 1,178.73 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-5 | 961.33 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-6 | 1,193.77 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-7 | 1,462.00 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-8 | 1,610.67 | MT | US Dollar |
| 5 | -do- | -do- | People's Republic of China | People's Republic of China | Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., China PR | A-1-1 | 1,194.60 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-2 | 1,075.28 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-3 | 1,383.44 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-4 | 1,178.73 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-5 | 961.33 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-6 | 1,193.77 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-7 | 1,462.00 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-8 | 1,610.67 | MT | US Dollar |
| 6 | -do- | -do- | People's Republic of China | People's Republic of China | Hengyang Valin Steel Tube Co. Limited, China PR | A-1-1 | 1,194.60 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-2 | 1,075.28 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-3 | 1,383.44 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-4 | 1,178.73 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-5 | 961.33 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-6 | 1,193.77 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-7 | 1,462.00 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-8 | 1,610.67 | MT | US Dollar |
| 7 | -do- | -do- | People's Republic of China | People's Republic of China | Hengyang Valin MPM Co. Limited, China PR | A-1-1 | 1,194.60 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-2 | 1,075.28 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-3 | 1,383.44 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-4 | 1,178.73 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-5 | 961.33 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-6 | 1,193.77 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-7 | 1,462.00 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-8 | 1,610.67 | MT | US Dollar |
| 8 | -do- | -do- | People's Republic of China | People's Republic of China | Any other combination other than | A-1-1 | 1,194.60 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-2 | 1,075.28 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-3 | 1,383.44 | MT | US Dollar |

| Sr. No. | Heading | Product Description | Country of Origin | Country of Export | Producer | PCN | Amount | Unit | Currency |
|---------|---------|---------------------|---|---|--|-------|----------|------|-----------|
| | | | | | SI . No. 1 to 7 | A-1-4 | 1,178.73 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-5 | 961.33 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-6 | 1,193.77 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-7 | 1,462.00 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-8 | 1,610.67 | MT | US Dollar |
| 9 | -do- | -do- | Any country other than People's Republic of China | People's Republic of China | Any other combination other than SI . No. 1 to 7 | A-1-1 | 1,194.60 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-2 | 1,075.28 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-3 | 1,383.44 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-4 | 1,178.73 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-5 | 961.33 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-6 | 1,193.77 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-7 | 1,462.00 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-8 | 1,610.67 | MT | US Dollar |
| 10 | -do- | -do- | People's Republic of China | Any country other than People's Republic of China | Any other combination other than SI . No. 1 to 7 | A-1-1 | 1,194.60 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-2 | 1,075.28 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-3 | 1,383.44 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-4 | 1,178.73 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-5 | 961.33 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-6 | 1,193.77 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-7 | 1,462.00 | MT | US Dollar |
| | | | | | | A-1-8 | 1,610.67 | MT | US Dollar |

* The description of goods does not include the imports of the following :-

- Seamless Pipes and Tubes made of cast iron and stainless steel.
- Seamless alloy-steel pipes, tubes and hollow profiles of specifications of ASTM A213/ASME SA 213 and ASTM A335/ ASME SA 335 or equivalent BIS/DIN/BS/EN or any other equivalent specifications.
- Non - API and Premium Joints / Premium Connections / Premium Threaded Tubes and Pipes.
- All 13 Chromium (13CR) Grade Tubes and Pipes.
- Drill Collars.
- High pressure seamless steel pipe/tube used for manufacturing gas cylinders by producers approved by the Chief Controller of Explosives, Petroleum and Explosives Safety Organisation, Government of India.

| PCN | Description of PUC |
|-------|---|
| A-1-1 | Seamless Tubing, of a kind used in drilling for oil or gas, Carbon/Non-Alloy/ Alloy, hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-2 | Seamless Casing, of a kind used in drilling for oil or gas, Carbon/Non-Alloy/ Alloy, hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-3 | Seamless Mother Hollows, coupling stock, blanks/ Pup Joints, Carbon/ Non-Alloy/ Alloy, hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |

| | |
|-------|--|
| A-1-4 | Seamless Drill Pipes, of a kind used in drilling for oil or gas, Carbon/Non-Alloy, hot finished of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-5 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles including Line pipes of Carbon/Non alloy steel, hot finished of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-6 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles of circular cross section including Line pipes of Carbon/Non alloy steel, cold drawn or cold rolled or cold reduced of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-7 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles of circular cross section including Line pipes and Bearing tubes of Alloy steel, hot finished, of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-8 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles of circular cross section including Line pipes and Bearing tubes of Alloy steel, cold drawn or cold rolled or cold reduced, of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |

149. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the customs under the customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time.

P. FURTHER PROCEDURE

150. An appeal against these findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the customs Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

ANANT SWARUP, Jt. Secy. & Designated Authority